संसदीय पैनल की वैधता को चुनौती देने वाली न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका खारिज - 12

आंध्र प्रदेश के बंदरगाह शहर में काकीनाडा प्रोजेक्ट से भारत बनेगा ऊर्जा निर्यातक - 12

रूस ने की ईरान में दखलअंदाजी बल प्रयोग की धमकियों की निंदा- 13

मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है: हेनिल पटेल - 14


आज का मौसम
19.0⁰ अधिकतम तापमान
9.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.07
सूर्यास्त 05.37

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 12:04 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

शनिवार, 17 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 328, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये


## सड़क पर किसान

किसान संगठनों और मजदूर एवं ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने बिजली विधेयक 2025, बीज विधेयक, वीबी-जी राम जी विधेयक के खिलाफ पटियाला में शुक्रवार को सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। ● एजेंसी

# अब वैश्विक नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करें भारतीय स्टार्टअप

● भारतीय स्टार्टअप से मोदी ने किया विनिर्माण और गहन प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय स्टार्टअप से विनिर्माण, गहन प्रौद्योगिकी और वैश्विक नेतृत्व पर अधिक ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि स्टार्टअप इंडिया का अगला दशक भारत को नवाचार के वैश्विक अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा करने वाला होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की 10वीं वर्षगांठ पर 'भारत मंडपम' में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप भारत के आर्थिक और प्रौद्योगिकी भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

### परिश्रम और साहस के साथ जोखिम उठाना जरूरी

मोदी ने कहा कि नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए परिश्रम के साथ साहस और जोखिम उठाने की क्षमता भी जरूरी है। 'स्टार्टअप इंडिया' ने देश में उद्यमिता की संस्कृति को लोकतांत्रिक बनाया है और छोटे शहरों, कस्बों एवं गांवों तक कारोबारी आकांक्षाओं को पहुंचाया है। 'स्टार्टअप इंडिया' की रफ्तार लगातार तेज हो रही है। कई यूनिकॉर्न कंपनियां अब अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं और बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित कर रही हैं।

उन्होंने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को एक क्रांति करार देते हुए कहा कि 2014 में जहां देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, वहीं आज यह संख्या दो लाख से अधिक हो चुकी है। इनमें से करीब 125 स्टार्टअप एक अरब डॉलर या उससे अधिक मूल्यांकन के साथ यूनिकॉर्न दर्जा हासिल कर चुके हैं। मोदी ने कहा कि इसके साथ ही भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जोखिम लेने की प्रवृत्ति को पहले हतोत्साहित किया जाता था लेकिन अब वह मुख्यधारा में आ गई है और स्टार्टअप रोजगार सृजन, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों एवं उद्यमियों से कहा, सरकार आपके हर प्रयास में आपके साथ है। मुझे आपकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। आपका साहस, आत्मविश्वास और नवाचार भारत के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों ने भारत की उद्यमशील क्षमताओं को साबित किया है और अब लक्ष्य यह होना चाहिए कि अगले दशक में भारत नए स्टार्टअप रुझानों और प्रौद्योगिकियों में विश्व का नेतृत्व करे। एआई पर सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो देश एआई क्रांति में आगे रहेगा, उसे उतना ही अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'इंडिया एआई मिशन' के तहत एआई विकास से जुड़ी उच्च कंप्यूटिंग लागत की चुनौती से निपटने के लिए 38,000 से अधिक जीपीयू जोड़े गए हैं।

## ब्रीफ न्यूज

### घनी धुंध की वजह से राष्ट्रपति मुर्मू का जालंधर दौरा रद्द

**जालंधर।** पंजाब में शुक्रवार को घनी धुंध और कड़ाके की ठंड की वजह से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का जालंधर का दौरा कर दिया गया। मुर्मू को यहां नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित दीक्षांत समारोह में पहुंचकर विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करनी थीं। सुबह से घनी धुंध के कारण उड़ान भरना मुश्किल हो गया तो राष्ट्रपति की सुरक्षा के मद्देनजर यह दौरा रद्द कर दिया गया। राष्ट्रपति गुरुवार को अमृतसर पहुंची थीं। उनके दौरे को लेकर जालंधर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

### नए भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा 20 जनवरी को

**नई दिल्ली।** भाजपा ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम जारी किया। इस पद के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल किए जाएंगे और 20 जनवरी को नए पार्टी अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह समेत पार्टी का शीर्ष नेतृत्व नवीन की उम्मीदवारी का समर्थन कर रहा है। नड्डा को भी जून 2019 में पहले भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बाद में 20 जनवरी, 2020 को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया।

# बीएमसी पर ठाकरे राज का अंत, 25 साल बाद भाजपा नीत महायुति ने किया कब्जा

## राज्य भर में महायुति को भारी बढ़त, लातूर और भिवंडी निजामपुर में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी

**महाराष्ट्र निकाय चुनाव**

● बीएमसी में ठाकरे बंधु 74 और कांग्रेस 13 सीटों पर आगे, सात पर जीते निर्दलीय

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में देर शाम तक जारी मतगणना के नतीजों में भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन राज्य भर में भारी बढ़त के साथ उभरा है। करीब 74,000 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) पर भी ठाकरे राज का अंत साफ हो गया है। कुल 227 में से 131 सीटों पर बढ़त ले चुके महायुति का 25 साल बाद बीएमसी पर फिर कब्जा होने का रास्ता साफ हो गया है। पुणे, नागपुर, जालना और पिंपरी चिंचवड़ में भी भाजपा को भारी बढ़त हासिल हुई है। लातूर और भिवंडी निजामपुर में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

बीएमसी के लिए मतगणना के रुझानों से महायुति को स्पष्ट बढ़त मिल चुकी है और उसने बहुमत का आंकड़ा भी पार कर लिया है। राज्य चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार निकाय की कुल 227 सीटों में से 102 पर भाजपा और 29 पर उसके सहयोगी शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार 65 सीटों और मनसे नौ सीटों पर आगे थी। कांग्रेस ने 15 और निर्दलीय उम्मीदवारों ने सात सीटों पर बढ़त बनाई है। बीएमसी चुनाव में भारी बढ़त के बाद मुंबई में भाजपा मुख्यालय को ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाने के लिए सजाया गया है। इस पल को यादगार बनाने के लिए भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आम लोगों की भी भारी भीड़ इकट्ठी हो गई।

नवी मुंबई में पार्टी उम्मीदवारों की जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

> महाराष्ट्र का आभार ! राज्य की उत्साही जनता ने राजग के जनहितकारी सुशासन के एजेंडे को आशीर्वाद दिया है। नगर निकाय चुनावों के परिणाम दर्शाते हैं कि महाराष्ट्र की जनता के साथ राजग का संबंध और गहरा हुआ है। हमारे कामकाज और विकास की दृष्टि ने लोगों का दिल जीता है। **- प्रधानमंत्री मोदी**

### चाचा-भतीजे के गढ़ पुणे में भी भाजपा को बढ़त

पुणे। देर शाम तक मतगणना के नतीजों और रुझानों के अनुसार भाजपा ने उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष अजित पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष और उनके चाचा शरद पवार का गढ़ मानी जाने वाली पुणे और पिंपरी चिंचवड महानगरपालिकाओं में भी बढ़त बना ली है। भाजपा पुणे में 29 वार्ड में जीत दर्ज कर चुकी हैं जबकि 43 वार्ड में बढ़त बनाए हुए है। यहां 165 सदस्यीय सदन में राकांपा और राकांपा (शप) क्रमशः तीन और दो सीटें जीतकर दूसरे स्थान पर हैं। पिंपरी-चिंचवड के 128 सदस्यीय सदन में भाजपा 81 और राकांपा 36 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। कांग्रेस ने पुणे में तीन सीट जीती हैं और नौ पर आगे है। शिवसेना (उबाठा) का खाता भी नहीं खुला है।

### एआईएमआईएम 11 नगर निगमों में 58 सीट पर आगे

मुंबई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने 11 नगर निगमों की 58 सीटों पर बढ़त बनाई है। मुंबई में उसके तीन और ठाणे में पांच उम्मीदवार जीते हैं। पार्टी का पारंपरिक गढ़ माने जाने वाले छत्रपति संभाजीनगर में 16 उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। एआईएमआईएम ने राज्य के दूसरे हिस्सों में भी बढ़त हासिल की है। नांदेड़ में पार्टी नौ सीटों पर आगे चल रही है, जबकि धुले में आठ उम्मीदवार आगे हैं। पार्टी ने अमरावती और नागपुर में भी अच्छी बढ़त हासिल की है, जो इसके बढ़ते असर का संकेत है।

### गौरी लंकेश का हत्यारोपी जालना से चुनाव जीता

**जालना।** पत्रकार एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता गौरी लंकेश की 2017 में हुई हत्या का आरोपी श्रीकांत पंगारकर शुक्रवार को जालना नगर निगम से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पार्षद का चुनाव जीत गया। उसने भाजपा के रावसाहेब धोबले को हराया।

### मुंबई में भाजपा का पहला मेयर मराठी मानुष होगा

भाजपा ने मुंबई में अपना पहला मेयर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा ने वादा किया है कि महानगर को पहला मराठी मेयर मिलेगा। भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि मुंबई के इतिहास में पहली बार भाजपा का कोई मराठी मेयर पद संभालेगा।

# ईडी कार्यालय पर पुलिस का छापा पूर्व नियोजित

● झारखंड हाईकोर्ट का केंद्रीय गृह सचिव को पक्षकार बनाने का निर्देश
● ईडी को सीआरपीएफ या बीएसएफ की सुरक्षा भी मुहैया कराने को कहा

रांची, एजेंसी

झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय पर हाल में की गई पुलिस का छापा प्रथमदृष्टया पूर्व नियोजित प्रतीत होती है। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी ने ईडी की ओर से दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले में केंद्रीय एजेंसी को केंद्रीय गृह सचिव को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। केंद्रीय गृह सचिव को ईडी के कार्यालय और उसके अधिकारियों की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ या किसी और अर्द्धसैनिक बल को तैनात करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति द्विवेदी ने रांची के एसएसपी राकेश रंजन को भी ईडी कार्यालय की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहा, यदि ईडी कार्यालय और उसके अधिकारियों की सुरक्षा में कोई चूक होती है तो एसएसपी रांची को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा। हाईकोर्ट ने झारखंड सरकार के पूर्व कर्मचारी संतोष कुमार की ओर से एयरपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर ईडी अधिकारियों के खिलाफ पुलिस जांच पर भी रोक लगा दी। झारखंड पुलिस के ईडी के रांची कार्यालय पर छापे के खिलाफ संघीय एजेंसी बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट पहुंची थी।

ईडी ने अपनी याचिका में कार्यालय में छापेमारी की सीबीआई से जांच कराने का अनुरोध करते हुए पुलिस पर संघीय एजेंसी के कामकाज में सीधा हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। ईडी के वकील ने अदालत से कहा कि केंद्रीय एजेंसी संतोष द्वारा 23 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच कर रही है। ईडी द्वारा अब तक नौ करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पूर्व कर्मचारी संतोष कुमार द्वारा 12 जनवरी को शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिसकर्मियों ने बृहस्पतिवार को ईडी कार्यालय का दौरा किया और सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली। संतोष ने आरोप लगाया था कि पूछताछ के दौरान ईडी अधिकारियों ने उनकी पिटाई की थी।

# डीएसओ और सहायक 50 हजार रुपये की घूस लेते हुए गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

● दून विजिलेंस की हरिद्वार में कार्रवाई, भ्रष्टाचार पर धामी की सर्जिकल स्ट्राइक जारी
● राशन डीलर की शिकायत पर कार्रवाई, जिला पूर्ति कार्यालय में ही की गई लंबी पूछताछ

**अमृत विचार:** देहरादून की विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को हरिद्वार के जिला पूर्ति अधिकारी श्याम आर्य और सहायक गौरव शर्मा को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एक राशन डीलर की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई।

जानकारी के अनुसार, देहरादून विजिलेंस टीम को काफी समय से जिला पूर्ति कार्यालय हरिद्वार से जुड़े इन अधिकारियों की रिश्वतखोरी की लगातार सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं। सूचनाओं के सत्यापन एवं सटीक योजना के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाकर यह कार्रवाई की। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस टीम द्वारा दोनों आरोपियों से जिला पूर्ति कार्यालय हरिद्वार में ही गहन पूछताछ की गई। संबंधित कार्यालय के अभिलेखों एवं अन्य दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि भ्रष्टाचार से जुड़े अन्य पहलुओं का भी खुलासा किया जा सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्पष्ट निर्देशों एवं जीरो टॉलरेंस ऑन करप्शन की नीति के तहत प्रदेश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार सख्त और निर्णायक कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में विजिलेंस विभाग ने हरिद्वार जनपद में बड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकार भ्रष्टाचार के प्रति किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं करेगी।

उन्होंने दोहराया कि सरकारी सेवा को जनता की सेवा मानते हुए यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी अपने पद का दुरुपयोग करता है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सीएम के निर्देश पर विजिलेंस, एसटीएफ व अन्य जांच एजेंसियों को पूर्ण स्वतंत्रता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

# हेलमेट विक्रेता की ईंट से सिर फोड़कर हत्या

● दो दिन से था लापता, झाड़ियों में मिला खून से सना शव

**रुद्रपुर।** हेलमेट विक्रेता की ईंट से सिर फोड़कर हत्या कर दी गई। वह दो दिन से लापता था, उसका शव शुक्रवार को खंडहरनुमा भवन की झाड़ियों से बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से खून से सनी ईंट भी बरामद की है। निर्ममता से की गई हत्या के पीछे नशेड़ी गैंग का हाथ माना जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, रंपुरा बस्ती निवासी मलखान कोली (40) हेलमेट बेचता था। बीती 14 जनवरी से मलखान लापता चल रहा था। शुक्रवार दोपहर फाजलपुर महरौला प्रीत विहार इलाके में खंडहर के सामने घनी झाड़ियों में उसका खून से लथपथ शव पड़ा मिला। कोतवाल मनोज रतूड़ी और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की। मलखान का सिर फटा हुआ था और चेहरा भी काफी बिगड़ चुका था। सामने आया कि मलखान को किसी भारी पत्थर या ईंट से प्रहार कर मौत के घाट उतारा गया था। पुलिस ने मौके से बरामद पत्थर और ईंट को साक्ष्य मनाते हुए कब्जे में ले लिया। कोतवाल ने बताया कि, घटना के पीछे कई एंगल सामने आए हैं। अहम सुराग भी हाथ लगे हैं। हत्याकांड का जल्द खुलासा कर दिया जाएगा।

(संबंधित पेज-7)

# मचाडो का शांति नोबेल पदक ट्रंप के हाथों में

● राष्ट्रपति मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला में विपक्ष की नेता ने कृतज्ञता के तौर पर किया भेंट

**वाशिंगटन।** वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने बृहस्पतिवार को अपना नोबेल शांति पुरस्कार पदक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेंट कर दिया।

कुछ ही दिन पहले अमेरिका की ओर से वेनेजुएला में सैन्य हमला कर उसके नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार करने के बाद मचाडो ने यह फैसला लिया। मचाडो ने पदक के साथ संदेश में लिखा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप के लिए, शक्ति के माध्यम से शांति को बढ़ावा देने, कूटनीति को आगे बढ़ाने और स्वतंत्रता एवं समृद्धि की रक्षा करने में आपके असाधारण नेतृत्व के लिए कृतज्ञता के तौर पर।'

### ट्रंप बोले- थैंक्यू मारिया

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि मचाडो ने यह पदक उन्हें दिया है। उन्होंने कहा कि मचाडो से मिलना उनके लिए सम्मान की बात है। ट्रंप ने कहा, वह एक बेहतरीन महिला हैं जिन्होंने बहुत कुछ झेला है। मारिया ने मेरे किए गए काम के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार दिया। यह आपसी सम्मान का कितना अद्भुत भाव है। धन्यवाद मारिया।

# सट्टेबाजी-जुए से जुड़े 242 अवैध वेबसाइट लिंक पर लगा प्रतिबंध

● युवाओं को वित्तीय नुकसान से बचाने के लिए केंद्र का कदम

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सट्टेबाजी और जुआ खेलने से संबंधित 242 अवैध वेबसाइट के लिंक को प्रतिबंधित कर दिया। यह आदेश पिछले साल अगस्त में पैसे के इस्तेमाल वाले गेमिंग ऐप पर लगाए गए सरकारी प्रतिबंध के बाद आया है। भारत सरकार ने शुक्रवार को अवैध सट्टेबाजी और जुआ से जुड़े 242 अवैध वेबसाइट लिंक को प्रतिबंधित कर दिया। ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम पारित होने के बाद से अब तक 7,800 से अधिक अवैध सट्टेबाजी और जुआ संबंधी वेबसाइट को बंद किया जा चुका है।

**संदेश** | आईआईटी रुड़की में आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यशाला को मुख्यमंत्री धामी ने किया संबोधित

# पीएम के 4पी मंत्र के अनुरूप सरकार 10 सूत्रीय एजेंडे पर सक्रिय

मुख्य संवाददाता, देहरादून

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, आपदा न्यूनीकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 4पी मंत्र-प्रिडक्ट, प्रिवेंट, प्रिपेयर, प्रोटेक्ट के अनुरूप उत्तराखंड सरकार 10 सूत्रीय एजेंडे पर निरंतर कार्य कर रही है।

शुक्रवार को आईआईटी रुड़की में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं सहनशीलता विषय पर आयोजित कार्यशाला को वर्चुअल संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यशाला में आपदा-पूर्व तैयारी, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, तकनीकी नवाचार, अनुसंधान सहयोग तथा सामुदायिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन किया गया। उत्तराखंड की भौगोलिक

स्थिति के कारण भूकंप, भूस्खलन, अतिवृष्टि, बादल फटना, हिमस्खलन एवं वनाग्नि जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बना रहता है, जिन्हें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समयबद्ध तैयारी और सामूहिक प्रयासों से काफी हद तक कम किया जा सकता है।

राज्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित चेतावनी प्रणालियां, डिजिटल मॉनिटरिंग, ड्रोन सर्विलांस, जीआईएस मैपिंग, सेटेलाइट मॉनिटरिंग, ग्लेशियर रिसर्च सेंटर, रैपिड रिस्पॉन्स टीमें तथा फॉरेस्ट फायर अर्ली वार्निंग सिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके लिए आपदा प्रबंधन विभाग, वन विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है।

आईआईटी रुड़की की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली, भूस्खलन संवेदनशील क्षेत्रों की मैपिंग तथा बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणालियों के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। पर्यावरण संतुलन को राज्य में पौधरोपण, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा और स्प्रिंग रीजुविनेशन अथॉरिटी (सारा) के माध्यम से सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यशाला में प्रो. संदीप सिंह ने आपदा प्रबंधन में पूर्वानुमान आधारित एवं प्रौद्योगिकी-सक्षम दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। वहीं, आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. केके पंत ने आपदा-लचीलापन को विकसित भारत @ 2047 की आधारशिला बताते हुए वैश्विक ढांचों-सेंडाई फ्रेमवर्क और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों-के अनुरूप कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्टेट ब्रीफ

### नैनीताल राजभवन के गोल्फ क्लब का नाम बदला

**देहरादून :** नैनीताल स्थित राजभवन गोल्फ क्लब को लोकभवन गोल्फ क्लब नाम से पहचाना जाएगा। नाम परिवर्तन का निर्णय शुक्रवार को देहरादून में राज्यपाल गुरमीत सिंह की अध्यक्षता में हुई गोल्फ क्लब, नैनीताल की कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने सोसाइटी रजिस्ट्रेशन के अनुरूप, राजभवन गोल्फ क्लब का नाम परिवर्तित कर लोक भवन गोल्फ क्लब किए जाने की अनुमति प्रदान की।

### पूर्व वायुसेनाकर्मी को कठोर कारावास

**देहरादून :** देहरादून की एक अदालत ने एक पूर्व वायुसेना कर्मी को अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म का दोषी ठहराते हुए उसे 20 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) अर्चना सागर ने दोषी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है तथा पीड़िता को तीन लाख रुपये मुआवजे के तौर पर देने का आदेश दिया है। अदालत ने बीते बुधवार को सुनाए गए अपने फैसले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस पिता की जिम्मेदारी बेटी की रक्षा करना थी, उसी ने उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को तहस-नहस कर दिया और ऐसे अपराधी के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जा सकती।

# खेल इतिहास में बीता दशक स्वर्णिम अध्याय खेल परिदृश्य में अभूतपूर्व बदलाव: मुख्यमंत्री

## मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया नेशनल पैरालंपिक पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप का शुभारंभ

मुख्य संवाददाता, देहरादून

**अमृत विचारः** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नेशनल पैरालंपिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ करते हुए कहा कि बीते एक दशक में भारत के खेल इतिहास में अभूतपूर्व बदलाव आया है, यह दशक भारतीय खेलों का स्वर्णिम अध्याय बन चुका है।

रुड़की स्थित कोर यूनिवर्सिटी में आयोजित उद्घाटन समारोह को वर्चुअल संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अपनी सीमाओं को तोड़ते हुए दुनिया को दिखाया है कि भारत अब केवल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाला देश नहीं रह गया है। आज का 'नया भारत' मुकाबला जीतने के लिए खेलता है। इस परिवर्तन के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट सोच और मजबूत नीति रही है। प्रधानमंत्री का खेलों के प्रति प्रेम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके नेतृत्व में भारत का खेल बजट पहले के मुकाबले तीन गुणा बढ़ चुका है। केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई खेलो इंडिया मुहिम देश के प्रत्येक हिस्से से विभिन्न खेल प्रतिभाओं को आगे लाने में कामयाब हो रही है। वहीं, इससे देश में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर भी मजबूत हो रहा है।

पैरा एथलीट पद्मश्री डॉ. दीपा मलिक को सम्मानित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

सीएम ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य एवं सफल आयोजन ने उत्तराखंड को देव भूमि के साथ-साथ खेल भूमि के रूप में भी स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया है। राष्ट्रीय खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर 7वां स्थान प्राप्त किया। राज्य सरकार प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं सहयोग से राज्य में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का प्रयास कर रही है। इसी का परिणाम है कि आज उत्तराखंड केवल राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन करने में भी सक्षम बन सका है।

## पैरा स्पोर्ट्स विवि का प्रस्ताव बनाएं कार्ययोजना : धामी

संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री से डॉ. दीपा मलिक ने की शिष्टाचार भेंट

**अमृत विचारः** मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से देश की प्रतिष्ठित पैरा एथलीट एवं पद्मश्री से सम्मानित डॉ. दीपा मलिक ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ. दीपा मलिक को सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की और पैरा स्पोर्ट्स के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को देश और समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

भेंट के दौरान डॉ. दीपा ने उत्तराखंड में पैरा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और समर्पित मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक पैरा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना का अनुरोध मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में प्रतिभाशाली पैरा खिलाड़ियों की अपार संभावनाएं हैं और यदि उन्हें संरचित प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने डॉ. दीपा के प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए इसे महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल बताया। कहा कि सरकार दिव्यांगजनों और पैरा खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश अपर सचिव आशीष चौहान को दिए, ताकि प्रस्ताव के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर आगे की ठोस कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

## सीएम ने खोली 183.71 करोड़ की विकास पोटली

संवाददाता, देहरादून

- गढ़वाल और कुमाऊं में होंगे विकास कार्य

**अमृत विचारः** मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सड़क के निर्माण एवं पुनर्निर्माण, पेयजल, आवास, पंचायतीराज संस्थाओं को वित्तीय हस्तान्तरण तथा आपदा राहत से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विकास कार्यों के लिये 183.71 करोड़ रुपये की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने पिथौरागढ़ में प्राकृतिक आपदा से मृत 9 व्यक्तियों के विधिक उत्तराधिकारियों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 1 लाख रुपये प्रति व्यक्ति की दर से 9 लाख रुपये की अतिरिक्त राहत राशि तथा प्राकृतिक आपदा से पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त पांच भवनों के स्वामियों को 3 लाख प्रति भवन की दर से 15 लाख रुपये अर्थात 24 लाख रुपये की धनराशि की स्वीकृति मुख्यमंत्री राहत कोष से करने का अनुमोदन देने के साथ इसका शासनादेश भी निर्गत कर दिया है। इसके अलावा, सीएम ने 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारत सरकार से प्राप्त द्वितीय किश्त के अन्तर्गत जिला पंचायत हेतु 21.17 करोड़, क्षेत्र पंचायत हेतु 14.12 करोड़ तथा ग्राम पंचायतों हेतु 105.86 करोड़ समेत कुल 141.15 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तान्तरित करने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र कालाढूंगी में पनचक्की-चौफुला-कठघरिया नहर कवरिंग के उपरान्त मार्ग के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण हेतु 11.15 करोड़ रुपये, विधानसभा क्षेत्र एवं विकासखंड यमकेश्वर में पीपलकोटी से दुगड्डा तक सड़क के चौड़ीकरण एवं डामरीकरण (प्रथम चरण) के लिये 32.52 लाख, मरचूला कूपी भैरंगखाल (मरचूला सराईखेत बैजरों पोखड़ा पौड़ी सतपुली, राज्य मार्ग संख्या 32) मोटर मार्ग के चौड़ीकरण हेतु 5.11 लाख, हरिद्वार के रोशनाबाद में अभियोजन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु टाइप-द्वितीय के 2, टाइप-तृतीय के 20 एवं टाइप-चतुर्थ के 2 आवासीय भवनों के निर्माण को 11.29 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री ने नन्दा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों हेतु विस्तृत कार्ययोजना के तहत 12.90 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है।

## सुखवंत मामले की सीबीआई जांच हो

संवाददाता, देहरादून

**अमृत विचारः** किसान सुखवंत सिंह आत्महत्या मामले में कांग्रेस ने शुक्रवार को ऊधमसिंह नगर के एसएसपी को सस्पेंड कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने, सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने तथा मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग को लेकर प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में डीजीपी दीपम सेठ को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में आरोप लगाया कि, किसान के साथ कथित धोखाधड़ी करने वाले भूमाफियाओं को पुलिस द्वारा संरक्षण प्रदान करने तथा शिकायत करने के कारण उसे लगातार प्रताड़ित करने के कारण उसे कथित तौर पर आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा। ज्ञापन के अनुसार, यह घटना न केवल अत्यंत गंभीर है, बल्कि क्षेत्र की आम जनता एवं किसानों में भय, असुरक्षा, असंतोष एवं आक्रोश का वातावरण उत्पन्न कर रही है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि किसान द्वारा मृत्यु से पूर्व सोशल मीडिया में पोस्ट किए गए वीडियो में एसएसपी का नाम लेने के बावजूद उन्हें पद से नहीं हटाया गया और मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दायित्वों की इतिश्री कर ली गयी। इस दौरान पूर्व सीएम हरीश रावत, विधायक भुवन कापड़ी, तिलकराज बेहड़, आदेश चौहान, ममता राकेश, रवि बहादुर, विरेन्द्र जाति सहित अनेक वरिष्ठ पार्टी नेता मौजूद रहे।

डीजीपी दीपम सेठ को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता।

### साइबर ठगी करने वाले आरोपी की जमानत याचिका खारिज

**नैनीताल :** हाईकोर्ट ने खुद को सरकारी अधिकारी बता भोलेभाले लोगों से ठगी करने वाले एक संगठित साइबर गिरोह से जुड़े मामले में आरोपी राहुल की जमानत याचिका खारिज कर दी। मामले की गंभीरता और साइबर अपराध के बढ़ते खतरे को देखते हुए न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की अवकाशकालीन पीठ ने आरोपी को कोई राहत देने से इनकार कर दिया।

हरिद्वार निवासी राहुल अपने साथियों संग मिलकर लोगों को फोन करता था और पीड़ितों को यह कहकर डराता था कि उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं। गिरफ्तारी का भय दिखाकर ये ठग पीड़ितों को एक क्यूआर कोड भेजते थे और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए तुरंत धन राशि भेजने का दबाव बनाते थे। आरोपी पक्ष की ओर से दलील दी गई कि राहुल से सीधे तौर पर कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है और उसे मामले में झूठा फंसाया गया है।

## हर की पौड़ी पर लगे 'अहिंदू निषेध क्षेत्र' बोर्ड

संवाददाता, देहरादून

- ड्रोन उड़ाना, रील बनाना या फिल्मांकन पूर्णत प्रतिबंधित

**अमृत विचारः** हरिद्वार कुंभ क्षेत्र को हिंदू क्षेत्र घोषित करने तथा उसके तहत आने वाले सभी धार्मिक स्थानों और गंगा घाटों को गैर हिंदू प्रवेश के लिए प्रतिबंधित किए जाने की मांग के बीच शुक्रवार को हर की पौड़ी पर 'अहिंदू निषेध क्षेत्र' लिखे बोर्ड लगा दिए गए।

श्री गंगा सभा ने इस प्रकार के एक दर्जन से ज्यादा बोर्ड हर की पौड़ी क्षेत्र में प्रवेश करने वाले सभी रास्तों, पुलों की रेलिंग और खंभों पर लगाए हैं। ड्रोन उड़ाने, फिल्मी धुनों पर रील बनाने या किसी भी तरह के फिल्मांकन को भी प्रतिबंधित किया गया है। नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई सामग्री यदि इंटरनेट मीडिया पर वायरल होती है, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध गंगा सभा कानूनी कार्रवाई करेगी।

वैसे मुख्य स्नान घाट हर की पौड़ी समेत आसपास का क्षेत्र हरिद्वार नगर पालिका अधिनियम 1916 के अनुसार पहले ही गैर हिंदू प्रवेश के लिए प्रतिबंधित है लेकिन तीन दिन पूर्व कंदूरा (अरब के शेखों का लिबास) पहनकर दो युवकों के हर की पौड़ी क्षेत्र में घूमने का वीडियो वायरल होने के बाद गंगा सभा ने ये बोर्ड लगाए हैं। हालांकि, बाद में पता चला कि ये दोनों युवक हिंदू थे और अपने यूटयूब चैनल के लिए वीडियो बनाने आए थे।

गंगा सभा ने अगले साल होने वाले अर्धकुंभ से पहले पूरे हरिद्वार कुंभ क्षेत्र में आने वाले सभी धार्मिक स्थानों, मंदिरों और गंगा घाटों को गैर हिंदुओं के लिए प्रतिबंधित करने की मांग उठाई है जिस पर धामी सरकार भी गंभीरतापूर्वक विचार कर रही है।

श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि हरिद्वार नगर पालिका उपनियम 1916 के अनुसार, हरकी पौड़ी क्षेत्र में गैर हिंदू व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इस उपनियम के बारे में सभी को जानकारी देने के लिए इस तरह का बोर्ड लगाया गया है। यह कदम कानून और परंपराओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा करने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि तीर्थ क्षेत्र की मर्यादा बनी रहे और किसी भी तरह का भ्रम या विवाद उत्पन्न न हो। हरिद्वार के नगर आयुक्त नंदन कुमार ने भी कहा कि हरिद्वार नगर पालिका के वर्ष 1916 के उपनियम में हर की पौड़ी क्षेत्र में गैर हिंदू का प्रवेश वर्जित है।

### डिजिटल सेवाओं में पौड़ी ने मारी बाजी

**पौड़ी :** उत्तराखंड में पर्वतीय जिलों में सरकारी सेवाओं की पहुंच को लेकर बनी पुरानी धारणा को बदलते हुए पौड़ी गढ़वाल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 'अपणी सरकार' पोर्टल की जिला रैंकिंग में पौड़ी जिला 94.69 प्रतिशत मामलों के निस्तारण के साथ पूरे उत्तराखंड में पहले स्थान पर पहुंच गया है। यह सफलता जिला प्रशासन की प्रभावी निगरानी और डिजिटल सेवाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सचिन भट्ट ने बताया कि जिले में ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त आवेदनों को समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ निपटाया गया। जिलाधिकारी ने पदभार संभालने के बाद से ही सभी विभागों को अधिकतम सेवाएं ऑनलाइन प्रदान करने के कड़े निर्देश दिए थे। इसके लिए ब्लॉक और तहसील स्तर तक के कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया ताकि दूरदराज के ग्रामीणों को भी परेशानी न हो। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया के अनुसार, अपणी सरकार पोर्टल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को प्रमाण पत्र और शिकायतों के निस्तारण जैसी सुविधाएं घर बैठे उपलब्ध कराना है।

## उपनल कर्मियों ने सीएम का आभार जताया

संवाददाता, देहरादून

**अमृत विचरः** उपनल कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर 'समान कार्य-समान वेतन' संबंधी कैबिनेट के ऐतिहासिक निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपनल कर्मी राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

सरकार कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े सभी मुद्दों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार उपनल कर्मियों के हितों की रक्षा, सम्मान एवं सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह कदम राज्य सरकार की कर्मचारी हितैषी नीति का प्रमाण है। इस अवसर पर उपनल कर्मचारी महासंघ, उत्तराखंड के अध्यक्ष विनोद गोदियाल, प्रदेश महामंत्री विनय प्रसाद, अजय डबराल, मीना रौथाण, रमेश डोभाल, योगेश बडोनी, शैलेंद्र पंवार, अनिल जुयाल, प्रदीप कश्यप एवं संजय पाल मौजूद रहे।

### त्रिवेणी घाट पर गंगा आरती जारी रहेगी

**नैनीताल :** हाईकोर्ट ने ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट की गंगा आरती से जुड़े विवाद में एक महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी करते हुए कुछ शर्तों के साथ इस प्रथा को जारी रखने की अनुमति दे दी है। न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की अवकाशकालीन पीठ ने जनहित और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह आदेश पारित किया। मामले के अनुसार, ऋषिकेश नगर निगम ने एक आदेश जारी कर श्री गंगा सभा को गंगा आरती करने से इस आधार पर रोक दिया था कि उसका पंजीकरण समाप्त हो चुका है और इसलिए उसे आरती करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। नगर निगम ने श्री गंगा सभा पर व्यावसायिक शोषण और गंदगी फैलाने के आरोप भी लगाए थे। नगर निगम के इस आदेश को चुनौती देते हुए श्री गंगा सभा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने गंगा आरती के सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीन सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत का हिस्सा है और इसे अचानक रोकना उचित नहीं है।

## उर्मिला सनावर ने कोर्ट में जमा किया मोबाइल

संवाददाता, हरिद्वार

**अमृत विचारः** बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में एक बार फिर अहम मोड़ सामने आया है। मामले से जुड़े वायरल ऑडियो क्लिप और कथित वीआईपी कनेक्शन की जांच के क्रम में अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने शुक्रवार को हरिद्वार के रोशनाबाद स्थित अदालत में अपना मोबाइल फोन विधिवत रूप से जमा कर दिया।

यह मोबाइल फोन अब विशेष जांच टीम (एसआईटी) द्वारा फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, उक्त मोबाइल फोन से वायरल हुए ऑडियो रिकॉर्डिंग तथा अन्य डिजिटल साक्ष्यों की सत्यता की जांच की जानी है। माना जा रहा है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट से ऑडियो क्लिप की प्रमाणिकता, रिकॉर्डिंग की तिथि, समय और उसमें किसी प्रकार की छेड़छाड़ होने या न होने की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि उर्मिला सनावर ने बीते दिनों सोशल मीडिया पर कुछ ऑडियो क्लिप साझा किए थे, जिनमें कथित तौर पर एक वीआईपी का नाम लिए जाने का दावा किया गया था।

इन क्लिपों के सार्वजनिक होने के बाद प्रदेश की राजनीति में भी हलचल तेज हो गई थी और मामले की गहन जांच की मांग उठने लगी थी। शुक्रवार सुबह उर्मिला रोशनाबाद अदालत पहुंचीं, जहां अदालत के निर्देश पर उन्होंने जांच एजेंसी के समक्ष अपना मोबाइल फोन सौंप दिया।

अच्छी खबर | सीएम धामी के नेतृत्व में लाखों लोगों को मिला त्वरित समाधान

## सरकार व जनता के बीच मिटी दूरी

संवाददाता, देहरादून

**अमृत विचारः** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम का उद्देश्य केवल समस्याएं सुनना नहीं, बल्कि उनका त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनता से प्राप्त प्रत्येक शिकायत और सुझाव पर संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाए, ताकि शासन और जनता के बीच विश्वास और अधिक मजबूत हो।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित इस कार्यक्रम ने जनसेवा, पारदर्शिता और त्वरित समाधान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। शासन द्वारा शुक्रवार तक आयोजित शिविरों के जारी आंकड़े इसका प्रमाण हैं कि सरकार आमजन की समस्याओं को उनके द्वार तक जाकर सुनने और समाधान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न जिलों में अब तक 363 शिविर आयोजित हुए जिनमें 2.80 लाख से ज्यादा नागरिकों द्वारा सहभागिता करना दर्शाता है कि सरकार की इस पहल को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। शिविरों में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 29,086 शिकायतों का निस्तारण किया गया है।

कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 39,689 प्रमाणपत्र बनाए गए और यह सुविधा नागरिकों के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और सुलभ बना रही है। इसके अलावा, विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किए गए नागरिकों की संख्या भी उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के माध्यम से अब तक 1,58,239 व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। यह उपलब्धि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाती है।

## सिटी ब्रीफ

### सीएम आज आम्रपाली इंस्टीट्यूट में शेफ संग करेंगे संवाद

हल्द्वानी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज लामाचौड़ स्थित आम्रपाली इंस्टीट्यूट में शेफ संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। वह कारपोरेट, छात्र शेफ्स के साथ संवाद करेंगे और कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन करेंगे। इसके अलावा उनकी विद्यार्थियों से भी संवाद होगा। यह जानकारी इंस्टीट्यूट के कुलसचिव ने दी है।

### ललित बने उक्रांद के जिला मीडिया प्रभारी

हल्द्वानी : उत्तराखंड क्रांति दल के जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने धारी निवासी ललित चंद्र तिवारी को जिला मीडिया प्रभारी मनोनीत किया है। उन्होंने कहा कि तिवारी उक्रांद की रीति नीति जन-जन तक पहुंचाएंगे और दल को मजबूती प्रदान करेंगे। वहीं, तिवारी ने भी संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरने का भरोसा जताया है।

### देवलचौड़ क्षेत्र में पांच घंटे गुल रही बिजली

हल्द्वानी : लाइन मेंटेनेंस के लिए शुक्रवार को ऊर्जा निगम की ओर से देवलचौड़ क्षेत्र में करीब पांच घंटे बिजली गुल रही। जिससे करीब 150 से ज्यादा उपभोक्ताओं को दिनभर दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऊर्जा निगम के एसडीओ वीवी जोशी ने बताया कि लाइन मेंटेनेंस का कार्य पूरा होते ही सप्लाई शुरू कर दी गई। पहले से निर्धारित रोस्टर के अनुसार काम किया जा रहा है। कटौती की जानकारी उपभोक्ताओं को पहले ही दी गई थी।

### सट्टे की रकम के साथ पकड़ा सटोरिया

हल्द्वानी : पुलिस ने एक सटोरिये को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, 15 जनवरी को कांस्टेबल मो. यासीन और लक्ष्मण राम ने हल्द्वानी-चोरगलिया रेलवे फाटक के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया, जो वहां सट्टा लगवा रहा था। आरोपी ने अपना नाम अब्दुल कलाम पुत्र स्व. अब्दुल रहमान निवासी चोरगलिया रोड लाइन नंबर 17 बताया। पुलिस ने उसके पास से 1380 रुपये के साथ सट्टा पर्ची व अन्य सामान बरामद किया है।

### स्कूल से मिड डे मील के बर्तन ले गए चोर

हल्द्वानी : जेल रोड चौराहे पर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय की रसोई से चोरों ने चार ड्रेग, दो प्रेशर कुकर और अन्य बर्तन चोरी कर लिए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना की जानकारी सुबह स्कूल खुलने पर कर्मचारियों को हुई। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापक हेमा पंत ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच-पड़ताल की। सूचना पर मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय विधायक सुमित हृदयेश ने विद्यालय में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाने का आश्वासन दिया। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी तारा चंद्र को भी मौके पर बुलाया गया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि जल्द आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

### आज के कार्यक्रम

1. आयुक्त दीपक रावत कैंप कार्यालय में जनसमस्याओं पर सुनवाई करेंगे सुबह 11:00 बजे
2. सीआरपीएफ का क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला गौलापार स्थित केंद्र में 12:00 बजे

## हरियाली की बलि: 709 करोड़ से आसान होगा 36 किमी लंबा सफर, जंगलों पर चलेगी आरी, एनएचएआई ने वन विभाग को भेजी रिपोर्ट

# काठगोदाम-नैनीताल हाईवे को टू-लेन बनाने के लिए कटेंगे 17,297 पेड़

पवन कुंवर, हल्द्वानी

अमृत विचारः काठगोदाम से नैनीताल के बीच का सफर आने वाले समय में जाम मुक्त और सुगम तो हो जाएगा, लेकिन इसके लिए पर्यावरण क्षति के रूप में बड़ी कीमत चुकानी होगी। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 109 को टू-लेन बनाने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत कुल 17,297 हरे पेड़ों को काटने की तैयारी पूरी कर ली गई है। जिससे लिए राष्ट्रीय राजमार्ग ने विस्तृत रिपोर्ट बनाकर वन विभाग को भेज दी है। इनमें से कई पेड़ दशकों पुराने हैं, जो वर्षों से कुमाऊं की पहाड़ियों की हरियाली और जैव विविधता को संजोए हुए हैं।

डेढ़ लेन से टू-लेन होगा मार्ग करीब 36 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को मौजूदा डेढ़ लेन से बढ़ाकर अब टू-लेन किया जा रहा है। वर्तमान में इस सड़क की चौड़ाई लगभग 7 मीटर है, जिसे बढ़ाकर 10 मीटर किया जाएगा। इस परियोजना पर केंद्र सरकार 709 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है। हाईवे के चौड़ा होने के बाद सड़क के दोनों ओर एक-एक मीटर की ''''सोल्डर लाइन'''' बनाई जाएगी, जिससे वाहन चालकों के साथ-साथ पैदल यात्रियों को भी काफी सुविधा होगी। कटान की जद में आने वाले पेड़ों में देवदार, बांज, काफल, चीड़, तुन, साज, जामुन, आम, सुरई, मोरपंखी और पांगर जैसी महत्वपूर्ण प्रजातियां शामिल हैं। ये वही जंगल हैं जो नैनीताल आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र रहते हैं। इन पेड़ों को स्वरूप में विकसित होने में 20 से 25 वर्ष का लंबा समय लगता है।

> राष्ट्रीय राजमार्ग में इन दिनों नपाई का कार्य चल रहा है। टू-लेन बनाने की जद में कुल 17,297 पेड़ आ रहे हैं। हमने इसकी विस्तृत रिपोर्ट बनाकर वन विभाग को भेज दी है। भूमि हस्तांतरण होते ही काम शुरू होगा। -आशुतोष, अधिशासी अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग

> काठगोदाम-नैनीताल हाईवे का चौड़ीकरण सुविधा की दृष्टि से जरूरी है, लेकिन 17 हजार से अधिक पेड़ों को काटना भी उचित नहीं है। ये पेड़ पहाड़ों की जीवनरेखा हैं। इन्हीं से मिट्टी का कटाव रुकता है, जल स्रोत सुरक्षित रहते हैं और जैव विविधता बनी रहती है। अगर विकास के नाम पर हरियाली खत्म की गई तो भविष्य में भूस्खलन, जल संकट और तापमान बढ़ने जैसी समस्याएं और गंभीर होंगी। सरकार को चाहिए कि वैकल्पिक मार्ग व पर्यावरण अनुकूल समाधान पर गंभीरता से विचार करे और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण सुनिश्चित करे। -मदन बिष्ट, पर्यावरण प्रेमी

सुविधा बनाम पर्यावरण हाईवे के चौड़ीकरण से जहां पर्यटन सीजन में लगने वाले घंटों के जाम से राहत मिलेगी, वहीं एक साथ हजारों पेड़ों को काटे जाने को लेकर पर्यावरण प्रेमियों में भारी चिंता है। पहाड़ों पर बढ़ते भूस्खलन और जलवायु परिवर्तन के बीच इतनी बड़ी संख्या में वृक्षों का कम होना भविष्य के लिए चुनौती बन सकता है। साथ ही अतिक्रमण पर नोटिस, शिफ्ट होंगी लाइनें एनएचएआई ने सड़क चौड़ीकरण की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। वर्तमान में वन विभाग के साथ भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया चल रही है। सड़क के दायरे में आ रही बिजली और पानी की लाइनों को शिफ्ट करने का काम भी जल्द शुरू होगा। इसके साथ ही हाईवे किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए नोटिस जारी कर दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होगी, निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

# सुखवंत खुदकुशी : एसएसपी के बयान दर्ज

## एसएसपी मणिकांत मिश्रा शुक्रवार को दोपहर बाद कैंप कार्यालय में मंडलायुक्त रावत के सामने हुए पेश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : किसान सुखवंत सिंह आत्महत्या प्रकरण में शुक्रवार को ऊधमसिंह नगर एसएसपी मणिकांत मिश्रा व एक अन्य आरोपी हल्द्वानी में आयुक्त कैंप कार्यालय पहुंचे। जहां आयुक्त ने दोनों से पूछताछ की और उनके बयान दर्ज किए।

किसान सुखवंत सिंह आत्महत्या प्रकरण में शासन से मजिस्ट्रेट जांच के आदेश मिलने के बाद आयुक्त दीपक रावत ने बीते मंगलवार को ऊधमसिंह नगर एसएसपी, आईटीआई के पूर्व इंचार्ज कुंदन सिंह रौतेला, पैगा चौकी इंचार्ज प्रकाश बिष्ट, वीडियो में जिनके नाम सामने आए उनको और अन्य लोगों को नोटिस भेज कर तलब किया था। इधर, शुक्रवार को दोपहर लगभग तीन बजे के बाद ऊधमसिंह नगर एसएसपी मणिकांत मिश्रा आयुक्त के मिनी स्टेडियम रोड स्थित कैंप कार्यालय पहुंचे। उनका वाहन सीधे आयुक्त के घर के अंदर चला गया। लगभग डेढ़ घंटे से ज्यादा तक दोनों के बीच में बंद कमरे में बातचीत हुई। इसके बाद एसएसपी वाहन में बैठ कर रवाना हो गए। इस बीच उन्होंने किसी से बातचीत नहीं की।

मंडलायुक्त कैंप कार्यालय के परिसर में खड़ा ऊधमसिंह नगर के एसएसपी का वाहन।

इसके अलावा इस केस से जुड़ा एक अन्य आरोपी सुखवंत सिंह पन्नू निवासी आईटीआई, काशीपुर भी कैंप कार्यालय पहुंचा था जिससे भी आयुक्त रावत ने पूछताछ की और उसके बयान दर्ज किए। इस घटना में पुलिस के अधिकारी-कर्मी समेत 26 अन्य लोगों के नाम वीडियो में सामने आया था। निजी लोगों में सिर्फ एक ही व्यक्ति आया है जबकि 25 आरोपियों का पहुंचना बाकी है। संभावना है कि अन्य आरोपियों को पहुंचने का सिलसिला जारी रहेगा। आयुक्त की मजिस्ट्रेट जांच की प्रक्रिया में तेजी आई है। बीते गुरुवार को आईटीआई के पूर्व एसएचओ कुंदन रौतेला, पैगा आउटपोस्ट इंचार्ज प्रकाश बिष्ट, एसडीएम अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार पंकज चंदोला व सब रजिस्ट्रार पहुंचे थे और अपने बयान दर्ज किए थे। आयुक्त रावत ने कहा कि अभी जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी। जिनको नोटिस भेजकर तलब किया था, उनसे पूछताछ की गई है। कहा कि आयुक्त कार्यालय का फोन, ई-मेल भी जारी किया है, यदि कोई भी व्यक्ति इस प्रकरण में सबूत या जानकारी देना चाहता है, तो संपर्क कर सकता है।

## ई-मेल और फॉरेंसिक साक्ष्यों पर टिकी नजर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- आईजी एसटीएफ भरणे की हाईलेवल एसआईटी ने शुरू की हल्द्वानी से यूडीएन तक जांच

अमृत विचारः किसान सुखवंत सिंह द्वारा की गई आत्महत्या के मामले में उच्चस्तरीय विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सक्रिय रूप से जांच शुरू कर दी है।

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, आईजी एसटीएफ डॉ. नीलेश आनंद भरणे की अध्यक्षता में गठित एसआईटी ने थाना आईटीआई पहुंचकर केस डायरी और अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों को अपने कब्जे में ले लिया है। टीम फिलहाल थाना काठगोदाम से प्राप्त सुखवंत की पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्यों का बारीकी से अवलोकन कर रही है। जांच को वैज्ञानिक दिशा देने के लिए एसआईटी ने सुखवंत के मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त हथियार को फॉरेंसिक जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेज दिया है। इस मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू वह ई-मेल है जो सुखवंत सिंह ने आत्महत्या से पहले भेजा था। एसआईटी की तकनीकी टीम इस ई-मेल का विस्तृत परीक्षण कर रही है, जिसमें दिवंगत किसान ने कुछ स्थानीय प्रभावशाली लोगों के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी गंभीर आरोप लगाए थे। उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण में आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत द्वारा मजिस्ट्रेट जांच भी की जा रही है, जबकि सभी कानूनी अभिलेखों की विवेचनात्मक कार्यवाही एसआईटी के पास ही है। पुलिस का लक्ष्य उन सभी परिस्थितियों का खुलासा करना है जिनके कारण किसान को यह आत्मघाती कदम उठाना पड़ा।

## आरोपियों की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट से लगी रोक

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट ने दिए जांच में सहयोग के निर्देश, अब 15 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

अमृत विचारः हाईकोर्ट ने सुखवंत आत्महत्या मामले में आरोपियों को अंतरिम राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है।

सुखवंत आत्महत्या मामले में आरोपी कुलविंदर सिंह और पांच अन्य लोगों की याचिका पर शुक्रवार को शीतकालीन बेंच में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकलपीठ ने जारी अपने आदेश में याचिकाकर्ताओं की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए जांच जारी रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही याचिकाकर्ताओं को भी पुलिस जांच में सहयोग करने को कहा है। कहा कि पुलिस जब भी आरोपियों को थाने बुलाएगी तो उन्हें पेश होना होगा। साथ ही अदालत ने निजी पक्षकार को नोटिस जारी किया है। प्रतिवादियों को तीन सप्ताह में आपत्ति दर्ज करने को कहा है।

कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए15 अप्रैल की तिथि नियत की है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि उनका इस केस से कोई लेनादेना नहीं है।

दावा किया कि, उन्हें इस केस में गलत फंसाया गया है। यह केस दो पक्षों के बीच जमीन से जुड़ा आपसी मामला है। किसान ने आत्महत्या की है इसलिए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई जाए और दर्ज मुकदमे को निरस्त किया जाए।

# दरोगा ने कोर्ट में दिलाई झूठी गवाही

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- दुष्कर्म के आरोपी की बीवी को लिव इन पार्टनर बनाकर पेश किया कोर्ट में
- सस्पेंड किए जाने के बाद सामने आई एसआई अंजू नेगी की करतूत

अमृत विचार : लालकुआं कोतवाली में तैनात रही दरोगा अंजू नेगी को एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने सस्पेंड कर दिया है। उसके सस्पेंड होने के बाद असली कहानी सामने आई। अंजू पर एक दुष्कर्म के आरोपी को बचाने और पीड़िता को धमकाने का आरोप है, लेकिन अंजू इससे भी चार कदम आगे थी।

आरोप है कि, अंजू ने दुष्कर्म के आरोपी को बचाने और मामले में फाइनल रिपोर्ट लगाने के लिए न सिर्फ एसएसपी को गुमराह करने का प्रयास किया बल्कि कोर्ट में भी उसकी पत्नी से झूठी गवाही दिलाई। पत्नी ने भी अपने पति को बचाने के लिए खुद को उसकी लिव इन पार्टनर बता दिया। मामले में दरोगा अंजू को तो सस्पेंड कर दिया गया, लेकिन अब झूठी गवाही देने वाली पत्नी पर भी कार्रवाई की तलवार लटक चुकी है। बीती 13 जनवरी को एसएसपी ने दरोगा अंजू नेगी को सस्पेंड कर दिया था। अंजू लालकुआं कोतवाली में संगीन धाराओं में दर्ज मुकदमे की जांच अधिकारी थी। एक महिला ने अपने लिव इन पार्टनर पर आरोप लगाया था कि शादी का झांसा देकर उसने उसके साथ रहकर शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से मुकर गया। आरोपी ने अपने शादीशुदा होने और 13 व 11 साल के दो बच्चों के पिता होने की बात भी छुपाई।

एसएसपी ने इस मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए, तो दरोगा अंजू ने उन्हें भी गुमराह किया। उसने एसएसपी के सामने पीड़िता को ही गुनहगार साबित करते हुए यह कह दिया कि पीड़िता सिर्फ रुपयों के लिए आरोपी को फंसा रही है। जबकि वह आपसी रजामंदी से रिश्ते में थे। दरोगा अंजू ने अपनी जांच में यह लिखा कि आरोपी शादीशुदा नहीं, बल्कि पहले रिश्ते में भी लिव इन रिलेशनशिप में था। इसे अमलीजामा पहनाने के लिए अंजू ने आरोपी की पत्नी को कोर्ट में यह बताते हुए पेश किया कि वह आरोपी की प्रेमिका और लिव इन पार्टनर थी।

एक बार तो एसएसपी भी दरोगा की बातों को सच मान बैठे, लेकिन जब पीड़िता ने रोते हुए सारी सच्चाई बताई और एसएसपी ने अपने स्तर से पड़ताल कराई तो अंजू की सारी कारस्तानी सामने आ गई। जिसके बाद न सिर्फ उसे सस्पेंड कर दिया गया, बल्कि जांच को भी नए सिरे से शुरू कर दिया गया।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि मामले में कोर्ट में झूठी गवाही देने वाली आरोपी की पत्नी के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

# तीन दिन के भीतर तीसरा तेंदुआ कैद

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार : जनपद नैनीताल के पर्वतीय क्षेत्रों में पिंजड़ों में तेंदुओं के फंसने का सिलसिला जारी है। ओखलकांडा व रामगढ़ में तेंदुए फंसने के 48 घंटे बाद एक और तेंदुए ओखलकांडा ब्लॉक में पकड़ा गया। वन विभाग ने तेंदुए को रानीबाग रेस्क्यू सेंटर भेजा है। जहां उसके सैंपल जांच के लिए लैब भेजे जाएंगे ताकि तस्दीक हो सके कि उक्त तेंदुआ नरभक्षी है।

वन अधिकारियों के अनुसार, बीती 30 दिसंबर को ओखलकांडा ब्लॉक के चमोली ग्राम पंचायत के तोक किटोडा में तेंदुए ने रेखा देवी पत्नी पान सिंह चिलवाल को निवाला बना लिया था। इसके बाद ग्रामीणों ने हंगामा काटा था, जिसके बाद वन टीम ने उक्त क्षेत्र में कई पिंजड़े लगाए थे। इधर,

ओखलकांडा में पिंजड़े में फंसे तेंदुए के साथ वन कर्मी। • अमृत विचार

गुरुवार देर रात या शुक्रवार तड़के तेंदुआ भलोन के जंगलों में लगे पिंजड़े में फंस गया। सुबह जब ग्रामीणों ने तेंदुए की दहाड़ सुनी तो पता चला कि तेंदुआ फंस गया है। उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी। वन टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को रेस्क्यू कर रानीबाग स्थित रेस्क्यू सेंटर भेजा गया। रेंजर नितिन पंत ने बताया कि पिंजड़े में फंसा तेंदुआ छह वर्ष का है। एसडीओ ममता चंद ने बताया कि तेंदुए के सैंपल जांच के लिए भेजे जा रहे हैं ताकि पता लगे कि इसी तेंदुए ने महिला को मारा है या नहीं।

# कमरे में मृत मिला श्रमिक, दुर्गंध आने पर चला पता

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुछ दिन पहले रात रजाई ओढ़कर सोए मजदूर की मौत हो गई। पिछले कई दिनों से रजाई के अंदर चूहे उसकी लाश को कुतर रहे थे। शुक्रवार को इलाके में बदबू फैली तो लोगों को शंका हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो रजाई के अंदर मजदूर का शव पड़ा था। पुलिस ने रजाई हटाई तो चूहे निकल भागे। जिसके बाद मजदूर के शव को जेसीबी की मदद से नीचे उतारा गया। पुलिस ने शव को मोर्चरी भेज कर मजदूर के परिजनों को सूचना दे दी है।

मूल रूप से मानपुर बहेड़ी निवासी रमेश चंद्र (60 वर्ष) पुत्र सुरेंद्र पाल बनभूलपुरा थाना क्षेत्र के शनिबाजार रेलवे क्रासिंग के पास मकान में रहता और मजदूरी करता था। जिस मकान की पहली मंजिल पर वह रहता था, उस तक चढ़ने के लिए लकड़ी की सीढ़ी थी। इलाकाई लोगों का कहना है कि करीब चार दिन से उसे किसी ने नहीं देखा। चूंकि वह अकेला रहता था तो किसी ने उसकी ओर ध्यान भी नहीं दिया। शुक्रवार दोपहर रमेश के कमरे

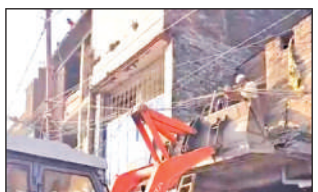

बनभूलपुरा में जेसीबी की मदद से श्रमिक के शव को नीचे उतारते लोग।

से बदबू आने लगी। लोगों ने आवाज दी, दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। इस पर बनभूलपुरा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो रमेश रजाई ओढ़कर पड़ा हुआ। चूहों ने शव को बुरी तरह कुतर दिया था।

बनभूलपुरा कोतवाल डीएस फर्त्याल ने बताया कि लकड़ी की सीढ़ी से शव को उतारा जाना मुमकिन नहीं था, जिसके चलते जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

## नवविवाहिता का शव फंदे पर लटका मिला, पति हिरासत में

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- अपनी मर्जी से किया था विवाह परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप
- परिजन बोले, फोन कर मृतका ने बताई थी उत्पीड़न की बात

अमृत विचार : कानून को ताक पर रखकर एक युवक ने नाबालिग लड़की से शादी कर ली और गुरुवार को लड़की का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। लड़की के परिजनों ने शादी करने वाले युवक और उसके परिजनों पर हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

रिया। (फाइल)

दिनेशपुर कालीनगर ऊधमसिंह नगर निवासी आयुष मजूमदार ने बताया कि 17 वर्षीय रिया उसकी बहन है। आरोप है कि पिछले वर्ष 4 अक्टूबर को अचानक उसकी बहन गायब हो गई। कुछ दिन बाद पता लगा कि बीआईपी गेट लालकुआं निवासी सागर विश्वास ने उसकी नाबालिग बहन से शादी कर ली है। परिवार के खिलाफ जाकर शादी करने पर परिजनों ने उससे संबंध तोड़ दिया, लेकिन कुछ दिन पहले रिया ने परिजनों को फोन कर कहा कि दहेज के लिए उसके ससुराली उसे प्रताड़ित कर रहे हैं। इधर, गुरुवार को रिया का शव ससुराल के कमरे में पंखे से लटका मिला। लालकुआं पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेजा। रिया के भाई आयुष और नाना विमल विश्वास ने आरोप लगाया कि सागर और उसके परिजनों ने हत्या कर रिया से शव को फंदे से टांग दिया। लालकुआं एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

**सिटी ब्रीफ**

### हर बोले शाखा में खिचड़ी का आयोजन

**कालाढूंगी :** हर बोले शाखा धमोला खंड कोटाबाग द्वारा गुरुवार को बोले आश्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक के तत्वावधान में खिचड़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के ग्रामीणों व आश्रम के सेवकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। स्वयंसेवक ताराचंद पांडे ने कहा ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुडने के लिए प्रेरित करती है। इस दौरान सुरेश चंद्र पांडे, गणेश देबू सामंत, दीपांशु सती, कमल पांडे, भुवन सती, सौरव पांडे समेत सभी स्वयंसेवक व ग्रामीण मौजूद रहे।

### हिमांशु सेंट्रल बैंक के लॉ ऑफिसर बने

**हल्दूचौड़ :** हल्दूचौड़ निवासी हिमांशु उप्रेती का चयन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में लॉ ऑफिसर के पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वर्तमान में हिमांशु उप्रेती उत्तराखंड उच्च न्यायालय, नैनीताल में मुख्य न्यायाधीश के लॉ रिसर्चर के रूप में कार्यरत हैं। हिमांशु बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2023 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से एलएलबी (ऑनर्स) परीक्षा में टॉप किया। बीएचयू में पढ़ाई के दौरान उन्हें सात गोल्ड मेडल भी प्राप्त हुए। उनके पिता त्रिभुवन उप्रेती ख्याति प्राप्त ज्योतिषाचार्य हैं और माता कमला उप्रेती हिंदी प्रवक्ता के रूप में कार्यरत हैं।

# इंप्लाइज पेंशन स्कीम के तहत पेंशन में बढ़ोतरी की मांग उठाई

## रामनगर में राष्ट्रीय संघर्ष समिति की बैठक सम्पन्न, 20 जनवरी को उपवास का ऐलान

**संवाददाता, रामनगर**

**अमृत विचार:** राष्ट्रीय संघर्ष समिति उत्तराखंड (एनएसी) के तत्वावधान में शुक्रवार को रामनगर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एनएसी उत्तर भारत के मुख्य समन्वयक सुरेश डंगवाल ने की।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि एनएसी की केंद्रीय समिति द्वारा जारी आंदोलन नोटिस का पूरी मजबूती से पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से इंप्लाइज पेंशन स्कीम 95 (ईपीएस-95) को लेकर पेंशनर्स लगातार आंदोलन कर रहे हैं। जंतर-मंतर पर कई बार धरना-प्रदर्शन किए गए, वित्त मंत्री, श्रम मंत्री, ईपीएफओ आयुक्त, प्रधानमंत्री कार्यालय, रक्षा मंत्री और 200 से अधिक सांसदों को ज्ञापन सौंपे गए। लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने बताया कि देशभर में लगभग 81 लाख इंप्लाइज पेंशन स्कीम 95 पेंशनर्स मात्र औसतन 1,170 रुपये मासिक पेंशन पर जीवन यापन करने को मजबूर हैं, जबकि उन्होंने अपनी सेवा अवधि में पेंशन फंड में नियमित योगदान दिया है। चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में पेंशनर्स की स्थिति बेहद दयनीय है और प्रतिदिन सैकड़ों पेंशनर्स आशा लगाकर इस दुनिया से विदा हो रहे हैं।

राष्ट्रीय संघर्ष समिति उत्तराखंड की बैठक में अपनी बात रखते वक्ता और मौजूद विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि इंप्लाइज पेंशन स्कीम 95 की न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये प्रतिमाह की जाए और इसे महंगाई भत्ते से जोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यालय बुलढाणा, महाराष्ट्र में 24 दिसंबर 2018 से क्रमिक अनशन जारी है, जो अब 2,577वें दिन में प्रवेश कर चुका है। बैठक में यह भी घोषणा की गई कि 20 जनवरी 2026 को दोपहर 11 बजे से 1 बजे तक, वृद्ध पेंशनर्स स्थानीय सांसद कार्यालय के सामने उपवास-आसन करेंगे, ताकि लोकसभा के आगामी बजट सत्र में उनकी मांगों पर ध्यान आकर्षित किया जा सके। बैठक में उत्तराखंड परिवहन निगम, भारतीय खाद्य निगम, एचएमटी, वन निगम, कुमाऊं मंडल विकास निगम, कुमाऊं मोटर ओनर यूनियन लिमिटेड, पेपर मिल सहित विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त कर्मचारी और इंप्लाइज पेंशन स्कीम 95 के पेंशनर्स बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक को सुरेश डंगवाल (मुख्य समन्वयक उत्तर भारत), भूपेंद्र सिंह अधिकारी (प्रांतीय अध्यक्ष), जगत सिंह डोभाल (प्रांतीय समन्वयक), गणेश मेलकानी (प्रदेश सचिव), राजेंद्र कुमार वालिया (जिलाध्यक्ष नैनीताल), मोहन सिंह कार्की, मोहन सिंह बिष्ट, पान सिंह नेगी, बृज मोहन सिजवाली, सत्यप्रकाश गोस्वामी, मनोहर रावत, गिरधर मनराल, भुवन फुलारा ने संबोधित किया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय संघर्ष समिति की रामनगर शाखा का गठन किया गया, जिसमें दिनेश पंत को अध्यक्ष, गोपाल रिखाड़ी को सचिव और कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

# बहुउद्देशीय शिविर में 176 लोगों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

**संवाददाता, भीमताल**

**अमृत विचार:** विकासखंड भीमताल की न्याय पंचायत सांगुड़ीगांव के अंतर्गत विकासखंड कार्यालय के सभागार, भीमताल में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक भीमताल राम सिंह कैड़ा ने की।

शिविर में ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज, पेयजल एवं जल जीवन मिशन, लोक निर्माण विभाग, समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग, लघु सिंचाई, उडेरा, खाद्य आपूर्ति तथा उद्यान विभाग द्वारा कृषकों एवं स्थानीय लोगों को विभागीय योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया।

शिविर के दौरान जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया गया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। शिविर में लगभग 176 नागरिकों ने सीधे लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य विपिन जंतवाल, एसडीएम नवाजिश खलिक, बीडीआ हर्षित गर्ग, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जनप्रतिनिधि आदि लोग मौजूद रहे।

भीमताल में लगे बहुउद्देशीय शिविर में मौजूद विधायक कैड़ा, ब्लॉक प्रमुख डॉ. बिष्ट व अन्य।

### जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार शिविर में 40 जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता के चेक सौंपे

**हल्दूचौड़ :** जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत हल्दूचौड़ में आज बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक डॉ. मोहन बिष्ट ने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। शिविर में उत्तराखंड सरकार की ओर से 40 जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता के चेक भी प्रदान किए गए। शिविर में सिंचाई गूलों, जल जीवन मिशन के तहत बिछाई जा रही पेयजल लाइनों की गुणवत्ता, जिला खनन न्यास से विकास कार्य, सड़क, अतिक्रमण और अवैध शराब बिक्री जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। जल जीवन मिशन की पाइपलाइन में बार-बार लीकेज की शिकायतों को गंभीर मानते हुए विधायक ने संबंधित विभाग को गुणवत्ता सुधारने के सख्त निर्देश दिए। ग्रामीण प्रधानों ने भी कई मांगें रखीं। ग्राम प्रधान रुक्मणी नेगी ने अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछाने की मांग की, जबकि जयंती बमेटा ने बंदरों के बढ़ते आतंक और पुरानी गूलों के सुधार के मुद्दे उठाए। सरकारी स्कूलों के लिए जिला खनन न्यास से सहायता देने की मांग भी उठी। समाजसेवी शंकर लाल ने अपात्र राशन कार्डों का मामला रखा, जिस पर विभाग ने बताया कि नैनीताल जिले में 37 हजार अपात्र राशन कार्ड पहले ही निरस्त किए जा चुके हैं। विधायक ने गन्ना केंद्र के पास अतिक्रमण के मामले में संबंधित विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए। कार्यक्रम में दर्जा राज्य मंत्री चौधरी अजीत सिंह, दीपेंद्र कोश्यारी, एसडीएम रेखा कोहली, तहसीलदार पूजा शर्मा, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

# जंगलों को आग से बचाने के लिए वन विभाग ने शुरू की तैयारियां

**संवाददाता, नैनीताल**

**अमृत विचार:** गर्मियों के मौसम में जंगलों में आग की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। नैनीताल वन प्रभाग के अंतर्गत जंगलों की सुरक्षा के लिए नौ रेंजों में कुल 70 क्रू स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इन दिनों इन क्षेत्रों में फायर लाइन काटने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

इसके साथ ही जंगलों की निगरानी के लिए एक मास्टर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जहां से वन रक्षक लगातार अपडेट साझा कर रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए नैनीताल वन प्रभाग के डीएफओ चंद्रशेखर जोशी ने बताया कि जंगलों में आग लगना वन विभाग के लिए हर वर्ष एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। जंगलों में आग से प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये की अमूल्य प्राकृतिक संपदा के साथ-साथ वन्य जीवों को भी भारी नुकसान होता है। उन्होंने बताया कि इसी को देखते हुए 15 दिसंबर से 15 फरवरी तक जंगलों में फायर लाइन काटने का कार्य किया जा रहा है। नैनीताल वन प्रभाग के अंतर्गत मनौरा रेंज में 10, दक्षिणी गौला में 7, बडौन में 8, कोसी में 9, नैना में 8, भवाली में 10, उत्तरी गौला में 10, नगर पालिका रेंज में 6 तथा लीसा डिपो क्षेत्र में 2 क्रू स्टेशन बनाए गए हैं। इन क्षेत्रों को आग की दृष्टि से संवेदनशील माना गया है। जंगलों को आग से सुरक्षित रखने के लिए कुल 280 वन रक्षकों की तैनाती की गई है। इसके अलावा जंगलों की निगरानी के लिए ग्राम प्रहरियों और मंगल दलों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

> "वनों को आग से बचाने के लिए वन विभाग द्वारा नौ क्रू सेंटर बनाए गए हैं। इनमें लगभग 280 वन रक्षक, वन दरोगा सहित अन्य कर्मियों को तैनात किया गया है, ताकि जंगलों को सुरक्षित रखा जा सके।"
> **-आकाश गंगवार**, डीएफओ, नैनीताल

#### वायरलेस सेट से लैस होंगे वन कर्मी

जंगलों में आग लगने की स्थिति में सूचना का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित करने के लिए वन कर्मियों को रेंज स्तर पर वायरलेस सेट उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे समय रहते कार्रवाई की जा सके।

### आईएससीबी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने प्रो. रावत

**नैनीताल:** इंडियन सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्स एंड बायोलॉजिस्ट्स (आईएससीबी) ने प्रो. (कर्नल) डीएस रावत को अपना राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चुना है। घोषणा आईएससीबी के 31वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में की गई। आईएससीबी की स्थापना 1995 में बहुविषयक अनुसंधान और रसायन व जीवविज्ञान में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए हुई थी। इसका मुख्यालय लखनऊ में है और अब तक 31 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का सफल आयोजन किया जा चुका है। प्रो. रावत का योगदान राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। उन्हें यंग साइंटिस्ट और आईएससीबी एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। उनके चुनाव पर वैज्ञानिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

# राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का मांगों को लेकर आंदोलन

**संवाददाताः भीमताल**

**अमृत विचार:** राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के आंदोलन के दूसरे दिन विकास खंड भीमताल परिसर में गेट मीटिंग आयोजित कर कर्मचारियों की मांगों के निस्तारण में सरकार की ओर से की जा रही हीलाहवाली पर रोष व्यक्त किया गया।

अध्यक्षता करते हुए परिषद के वरिष्ठ सदस्य बृजमोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि प्रदेश का कर्मचारी वर्ग आंदोलनरत है, लेकिन शासन द्वारा कर्मचारियों की जायज मांगों पर अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि पुरानी एसीपी, गोल्डन कार्ड की विसंगतियों तथा वेतन विसंगति से जुड़े मामलों पर ठोस निर्णय नहीं होने पर रोष जताया। भूपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि सरकार को तत्काल कर्मचारियों की मांगों का समाधान करना चाहिए। शासन स्तर पर कर्मचारियों की जायज मांगों को सुनियोजित ढंग से निस्तारित करने के बजाय लटकाया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ रहा है। बैठक में परिषद के जिलाध्यक्ष असलम अली, प्रदीप पंत, ललित कुमार, विमला देवी, गीता देवी, पंकज सिंह, कमल चंद भोपल, हरेंद्र सिंह, अमित नारायण, अजय कुमार, गोपाल सिंह, जितेंद्र कुमार रहे।

मांगों को लेकर विकास खंड परिसर में नारेबाजी करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

### ग्रामीणों की समस्याओं का किया गया समाधान

**कालाढूंगी:** जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल व एसडीएम कालाढूंगी बिपिन चन्द्र पंत के निर्देशों के क्रम में तहसील कालाढूंगी के ग्राम सभाओं में प्रशासन द्वारा रात्रि चौपाल का आयोजन किया जा रहा है।

गुरुवार रात राजस्व उप निरीक्षक टीसीघिल्डियाल ने खेमपुर गांव में रात्रि चौपाल लगा ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। कई मामलों का मौके पर ही निर्विवाद उत्तराधिकार प्रकरण दर्ज कर निस्तारण किया गया। एसडीएम विपिन चन्द्र पंत ने बताया कि विगत चार दिनों में तहसील कालाढूंगी के अंतर्गत निर्विवाद उत्तराधिकार के 120 मामलों का त्वरित रूप से निस्तारण किया जा चुका है। पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि वे खतौनियों का वाचन करते हुए निर्विवाद उत्तराधिकार मामलों का शीघ्र निस्तारण करें।

# कोरियर सेवा की कमाई से होगा पूर्व सैनिकों का कल्याण

**कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी**

**अमृत विचार :** पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड (उपनल) कुमाऊ मंडल की मदद से हल्द्वानी और भीमताल में डीटीडीसी कोरियर सर्विस सेंटर खोला गया है। सर्विस सेंटर से होने वाली कमाई का उपयोग पूर्व सैनिकों के पुनर्वास के लिए किया जाएगा। खास बात यह है कि इन सर्विस सेंटर का संचालन भी पूर्व सैनिक ही कर रहे हैं।

कर्नल अशोक पांडे ने बताया कि वर्तमान में जिन सेंटर का संचालन किया जा रहा है, वो हरिपुर पूर्णानन्द नजदीक पंचमुखी हनुमान मन्दिर, महाबीर कालोनी तीनपानी और दुगई स्टेट भवाली रेंज निकट रामलीला मैदान भवाली में है। जिसका मूल्य निर्धारण पोस्ट ऑफिस के अनुसार तय है। अधिक कोरियर होने की दशा में पिकअप की सुविधा भी उपलब्ध है। इससे जो भी लाभ प्राप्त होगा उसे पूर्व सैनिकों के पुनर्वास पर व्यय किया जाएगा। उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड (उपनल) कुमाऊं मण्डल के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी कर्नल आलोक पाण्डे (अ0प्रा0) ने पूर्व सैनिकों, स्थानीय व्यक्तियों, सार्वजनिक संस्थानों व अन्य राजकीय विभागों से सेवा का लाभ लेने की अपील की है।

# पेयजल अव्यवस्था से भड़के सभासद अफसरों पर फोन नहीं उठाने का आरोप

**संवाददाता, रामनगर**

**अमृत विचार:** नगर में बढ़ती पेयजल समस्या को लेकर पालिका सभासदों ने रोष जताया है। उन्होंने जल संस्थान के ईई को ज्ञापन सौंप समस्या के निदान की मांग की है।

सभासदों ने आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में गंदा पानी आ रहा है और टूटी हुई पाइपलाइनें अभी तक दुरुस्त नहीं की गई हैं। उनका कहना है कि पानी आने का कोई निर्धारित समय न होना नगर में रहने वाले लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। सभा सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया कि पानी न आने की स्थिति में टैंकर उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं। उनके अनुसार, अधिकारियों को फोन करने पर भी वे फोन उठाने की जहमत तक नहीं उठाते। सभासदों ने चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वह उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। सभासद तनुज दुर्गापाल, शमीम अहमद, मो. नदीम, करीमुद्दीन, सलमान सलमानी, दीप्ति बिष्ट, शबाना परवीन और विक्रम बिष्ट मौजूद रहे।

जल संस्थान के अधिशासी अभियंता के समक्ष नाराजगी जताते सभासद। ● अमृत विचार

### छात्रों को दी पाठ्यक्रम में बदलाव की जानकारी

**हल्द्वानी:** मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में दो दिवसीय पाठ्यक्रम कार्यान्वयन सहायता कार्यक्रम हुआ। प्रभारी प्राचार्य डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा एमबीबीएस पाठ्यक्रम में किए जा रहे बदलाव चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाएंगे। जिससे समाज को कुशल, चिकित्सक उपलब्ध होंगे। डॉ. सौरभ अग्रवाल ने नई दक्षता-आधारित शिक्षा प्रणाली व चिकित्सक की जिम्मेदारियों पर चर्चा की। डॉ. साधना अवस्थी ने संरेखण एवं एकीकरण की अवधारणा समझाई, डॉ. आरजी नौटियाल ने वैकल्पिक विषयों का महत्व बताया, डॉ. पंकज वर्मा ने प्रारंभिक नैदानिक जोखिम और डॉ. ऊषा जोशी ने एईटीकॉम मॉड्यूल के उद्देश्य बताए।

# रामनगर के सफाई कर्मियों को अब मिलेगा वीक ऑफ

**संवाददाता, रामनगर**

**अमृत विचार:** नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में सफाई कर्मियों को सप्ताह में एक दिन साप्ताहिक अवकाश देने के प्रस्ताव पर मुहर लग गई। अब सफाई कर्मियों को सुविधा के अनुसार सप्ताह में एक दिन अवकाश मिलेगा, जिससे उन्हें लंबे समय से चली आ रही समस्या से निजात मिली है।

बोर्ड के इस निर्णय के बाद वाल्मीकि समाज में खुशी की लहर दौड़ गई है। वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधि शुभम उत्तम ने बताया कि नगर पालिका गठन के बाद से ही पर्यावरण मित्रों को चाहे वे समिति से जुड़े हों, आउटसोर्स पर हों या संविदा पर कार्यरत हों साप्ताहिक अवकाश की सुविधा नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा आउटसोर्स एवं समिति कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश देने संबंधी शासनादेश जारी किया गया था। इस निर्णय से वाल्मीकि समाज के सभी कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। उन्होंने अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल, नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मोहम्मद अकरम एवं सफाई निरीक्षक लल्ला मियां का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। रजत राज, अमित आदि रहे।

**चिंताजनक** उत्तराखंड में बढ़ता मानव-वन्यजीव संघर्ष, धारी ब्लॉक में गुलदार के हमले चिंता का कारण

# गुलदार के हमलों के लिए पहाड़ों के घोस्ट विलेज भी कारण

**गौरव जोशी, नैनीताल**

**अमृत विचार:** उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष के मामले लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। नैनीताल जिले के धारी ब्लॉक में गुलदार (तेंदुआ) के हमलों में हाल के महीनों में तेजी से इजाफा हुआ है, जिससे ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। वन्यजीव विशेषज्ञों और वन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि पहाड़ों से हो रहा पलायन, सूने पड़े घर और बदलता पारिस्थितिकी संतुलन इस बढ़ते खतरे के प्रमुख कारण हैं।

नैनीताल के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) आकाश गंगवार और वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, पहाड़ी इलाकों से लगातार हो रहे पलायन के कारण कई गांव आंशिक या पूरी तरह खाली हो चुके हैं। इन सूने घरों के आसपास जंगल तेजी से घना हो रहा है, जिससे गुलदारों को सुरक्षित ठिकाने मिल रहे हैं।

ऐसे इलाकों में वे न केवल छिपकर रहने लगे हैं, बल्कि अपने शावकों को भी जन्म दे रहे हैं। परिणामस्वरूप ये क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील और खतरनाक बनते जा रहे हैं। दिसंबर से फरवरी तक बढ़ती आक्रामकता वन्यजीव अध्ययन बताते हैं कि दिसंबर से फरवरी के बीच गुलदारों का 'मेटिंग टाइम' (प्रजनन काल) होता है। इस अवधि में गुलदार स्वभाव से अधिक उग्र और आक्रामक हो जाते हैं। भोजन की तलाश और अपने क्षेत्र की रक्षा के दौरान वे मानव बस्तियों की ओर बढ़ जाते हैं। धारी ब्लॉक के कई गांवों में इसी अवधि में हमलों की घटनाएं अधिक सामने आई हैं

**सूने घर और बढ़ता खतरा:** विशेषज्ञों का कहना है कि खाली पड़े घर, टूटे आंगन और आसपास उग आई झाड़ियां गुलदारों के लिए सुरक्षित आश्रय बन जाती हैं। इन स्थानों पर उनकी गतिविधि लंबे समय तक लोगों की नजर से छिपी रहती है। जब ग्रामीण खेतों या रास्तों से गुजरते हैं, तब अचानक हमला होने की आशंका बढ़ जाती है। कई मामलों में गुलदार इंसानों को अपने क्षेत्र में घुसपैठ मानकर आक्रामक हो जाते हैं।

#### ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग की चुनौती

धारी ब्लॉक के ग्रामीणों का कहना है कि शाम ढलते ही बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर लोग बेहद चिंतित हैं। वन विभाग द्वारा गश्त, ट्रैप कैमरे और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन चुनौती लगातार बढ़ रही है। डीएफओ आकाश गंगवार के अनुसार, मानव-वन्यजीव संघर्ष एक जटिल समस्या है। इसके समाधान के लिए केवल तात्कालिक कार्रवाई नहीं, बल्कि दीर्घकालिक योजना की जरूरत है। विशेषज्ञों का मानना है कि गांवों के आसपास झाड़ियों की सफाई, सूने घरों की निगरानी, सामुदायिक स्तर पर सतर्कता और पलायन रोकने के प्रयास इस समस्या को कम कर सकते हैं। साथ ही, ग्रामीणों को गुलदार के व्यवहार और सावधानियों के बारे में जागरूक करना भी बेहद जरूरी है। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में मानव और वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाए रखना अब एक बड़ी चुनौती बन चुका है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो धारी ब्लॉक जैसे क्षेत्रों में यह संघर्ष और भी गंभीर रूप ले सकता है।

# भीमताल सिडकुल की बदहाल सड़क की स्थिति जल्द सुधरेगी

**संवाददाता, भीमताल**

**अमृत विचार:** भीमताल नगरवासियों के लिए एक सुखद समाचार है। लंबे समय से सिडकुल क्षेत्र की जर्जर सड़कों के सुधार की मांग की जा रही थी, जिसे अब सिडकुल प्रबंधन ने मोटर मार्ग के सुधारीकरण का निर्णय लिया है।

मनोज भट्ट।

वर्तमान में सिडकुल की सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है। यह सड़क नगर को विकास भवन से जोड़ती है। पहले लोग मात्र 400 मीटर में विकास भवन पहुंच जाते थे, लेकिन सड़क की खराब स्थिति के कारण अब उन्हें दो किमी अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है। स्थानीय लोगों द्वारा कई बार सांसद अजय भट्ट, जिलाधिकारी नैनीताल तथा सीडीओ को ज्ञापन सौंपा था। वहीं भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश ने सांसद अजय भट्ट को ज्ञापन सौंपकर समस्या से अवगत कराया था। सांसद के हस्तक्षेप के बाद सिडकुल ने सड़क सुधार की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सिडकुल भीमताल के क्षेत्रीय प्रबंधक विपिन कुमार ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए शीघ्र ही टेंडर किए जाएंगे और मार्च से पहले मोटर मार्ग का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। सड़क बनने से स्थानीय लोगों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को बड़ी राहत मिलेगी। स्थानीय निवासियों ने सांसद अजय भट्ट और समस्या उठाने के लिए अमृत विचार अखबार का आभार व्यक्त किया है।

भीमताल सिडकुल की बदहाल सड़क की स्थिति। ● अमृत विचार

## सिटी ब्रीफ

### पिता की रिवॉल्वर से फायर, बेटा गिरफ्तार

**हल्द्वानी :** लोहड़ी पर पिता की रिवॉल्वर से हर्ष फायरिंग करने वाले बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने हर्ष फायरिंग का ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी अपलोड किया था। पुलिस अब लाइसेंस निरस्तीकरण की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज रही है। एसएसपी मंजुनाथ टीसी ने बताया कि फेसबुक प्लेटफार्म पर जसमीत सिंह नाम के एक वीडियो पोस्ट की। जिसमें लोहड़ी पर्व के दौरान आरोपी ने रिवाल्वर से फायरिंग की। वीडियो का संज्ञान लेते हुए जसमीत सिंह को गिरफ्तार कर शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

### लिटिल मास्टर शतरंज प्रतियोगिता कल से

**हल्द्वानी :** 14वीं लिटिल मास्टर शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 18 जनवरी को विकास होटल डोलमार में किया जाएगा। प्रतियोगिता में कुमाऊंभर से अंतरराष्ट्रीय रेटिंग प्राप्त खिलाड़ियों सहित कुल 40 शतरंज खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। विकास पांडे, नीरज साह और कमलेश बचकेती ने बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन से युवा खिलाड़ियों को अनुभव और अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर अवसर मिल सकेगा।

### अंडर-13 मैच में एचसीसी ने मारी बाजी

**हल्द्वानी :** स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह, हरक सिंह अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत शुक्रवार को प्ले जेड अकादमी और एचसीसी हल्द्वानी के बीच मुकाबला खेला गया। टॉस जीतकर प्ले जेड अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 40 ओवर के मैच में तीन विकेट खोकर 224 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एचसीसी हल्द्वानी की टीम ने 37 .4 ओवर में 225 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुख्य अतिथि मंडी के कार्यकारी सचिव भुवन गोस्वामी ने टॉस कराया। पुरस्कार वितरण समारोह में राजेंद्र तिवारी, जगदीश चंद्र, बेनीवाल, बंसी सिंह बिष्ट और चंदन सिंह रहे।

### फुटबॉल महाकुंभ के लिए ट्रायल संपन्न

**हल्द्वानी :** सर्वोपरि वेलफेयर सोसाइटी और बिठौरिया यूनाइटेड फुटबॉल अकादमी की ओर से आयोजित होने वाली कुमाऊं प्रीमियर लीग सीजन-2 के लिए शुक्रवार को मिनी स्पोर्ट्स स्टेडियम में चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। इस ट्रायल में प्रदेशभर से आए 330 फुटबॉल खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। आयोजक वीरू कालाकोटी ने बताया कि मुख्य आयोजन 12 फरवरी से 22 फरवरी तक कुमाऊं मंडल के चार प्रमुख शहरों में किया जाएगा। लीग का पहला चरण अल्मोड़ा में आयोजित होगा।

# सर्वर हुआ ठप, रेलवे फाटक बंद और राजपुरा रोड पर लगा जाम

## पुलिस ने वाहनों को दाएं-बाएं खड़ा करवाकर किसी तरह सुचारू की यातायात व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

**अमृत विचार :** खनन का सर्वर ठप होने और उसी समय राजपुरा रेलवे फाटक बंद होने से दर्जनों खनन वाहनों की कतार राजपुरा मार्ग पर लग गई। अब सर्वर ठप होने से वाहनों को एंट्री नहीं हो सकी, जिससे फाटक खुलने के बाद भी जाम लगा रहा। कई घंटे तक वाहन रेंगते रहे। बाद में सर्वर चालू होने के बाद वाहनों का काफिल उपखनिज निकासी गेट पहुंचा और जाम का झाम खत्म हुआ।

वन विकास निगम राजपुरा उपखनिज निकासी गेट से खनन वाहन गौला नदी से उपखनिज लेकर आते हैं। अमूमन यह गेट सुबह तड़के खुल जाता है लेकिन शुक्रवार को कोहरा होने की वजह से वाहन देरी से पहुंचें। सुबह लगभग 10 बजे के आसपास जैसे ही वाहन गेट पर पहुंचे वैसे ही सर्वर ठप हो गया। इससे उपखनिज लेकर आ रहे वाहन गेट पर ही फंस गए और उनकी कतार लग गई हालांकि कुछ वाहन निकले भी थे। अब बाहर से वाहन नदी में नहीं जा रहे थे। इस बीच दिल्ली से काठगोदाम आने वाले शताब्दी एक्सप्रेस के पहुंचने का समय हो गया। जिसके बाद रेलवे ने एयरोड्रम रोड स्थित रेलवे फाटक बंद कर दिया। अब खनन निकासी को जाने वाले वाहन खड़े हो गए। एक तरफ सर्वर ठप तो दूसरी तरफ रेलवे फाटक बंद होने से दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। वाहनों का संचालन नहीं होने से उक्त सड़क पर कई घंटे तक जाम लगा रहा। बाद में जब सर्वर चालू हुआ तो एक-एक कर वाहनों ने नदी में प्रवेश किया तब कहीं जाकर जाम खुला लेकिन तब तक लोग जाम से जूझते रहे। इधर, वन विकास निगम का आरोप है कि अमूमन पुलिस एक-दो वाहनों की निकासी कर खनन वाहनों को जाने देती है लेकिन शुक्रवार को वाहनों को आगे नहीं बढ़ने दिया जिसकी वजह से भी जाम का झाम रहा।

शुक्रवार को राजपुरा रोड पर खड़े डंपरों के कारण लगा जाम। ● अमृत विचार

> सुबह नौ से रात नौ बजे तक भारी वाहनों की नो एंट्री है। खनन वाहन नौ बजे के बाद आए और फिर सर्वर ठप, रेलवे फाटक बंद होने से वाहनों की कतार लग गई थी। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर वाहनों को वर्कशॉप लेन, राजपुरा में खड़ा करवाया। कुछ वाहनों के चालान भी किए गए हैं, सख्त हिदायत भी दी है कि सुबह नौ बजे से पूर्व वाहनों की निकासी होना सुनिश्चित किया जाए। **-महेश चंद्रा**, ट्रैफिक इंस्पेक्टर, हल्द्वानी

> शुक्रवार को सर्वर तो ठप हो गया था, उसी समय रेलवे फाटक भी बंद हो गया। वहीं, पुलिस ने भी खनन वाहनों को आगे नहीं बढ़ने दिया जिस की वजह से सड़क पर जाम लग गया। कुछ समय बाद सर्वर के चालू होते ही वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई थी। सर्वर को लेकर खनन विभाग को पत्र लिखा जा रहा है। **-धीरेश बिष्ट**, डीएलएम वन विकास निगम हल्द्वानी

## पुलिस ने सड़क सुरक्षा जागरुकता को रैली निकाली

**हल्द्वानी :** सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए शुक्रवार को शहर में यातायात जागरूकता रैली निकाली गई। एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने पुलिस बहुउद्देशीय भवन से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र के नेतृत्व में आयोजित रैली में सीपीयू, यातायात पुलिस, पेट्रोल कार, हल्द्वानी सर्किल के थाने, हाईवे पेट्रोल वाहन और चीता मोबाइल शामिल रहीं। रैली पुलिस बहुउद्देशीय भवन से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए हाइडल गेट पहुंची और वापस पुलिस बहुउद्देशीय भवन पर संपन्न हुई। वहीं सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ सम्भागीय परिवहन कार्यालय में गोष्ठी के साथ हुआ। सम्भागीय परिवहन अधिकारी डॉ. गुरदेव सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) बीके सिंह व सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) जितेन्द्र ने लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारियां दी व कार्मिकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। परिवहन कर अधिकारी अनुभा आर्या ने पीएमश्री राबा. इंटर कॉलेज, हल्द्वानी में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया।

# एनएच पर गजराज ने घंटों रोकी वाहनों की रफ्तार

धनगढी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़ा जंगली हाथी। ● अमृत विचार

संवाददाता, रामनगर

**अमृत विचार:** कार्बेट नेशनल पार्क के प्रवेश द्वार धनगढी के समीप शुक्रवार को अचानक एक जंगली हाथी राष्ट्रीय राजमार्ग के बीचोंबीच खड़ा हो गया। इससे हाईवे-309 पर दोनों ओर से दौड़ रहे वाहनों की आवाजाही घंटों तक पूरी तरह ठप हो गई। लंबा जाम लगने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जाम में फंसे लोग डर और असमंजस की स्थिति में नजर आए। कई वाहन चालकों ने एहतियातन अपने वाहन वहीं रोक दिए, जबकि कुछ लोग सुरक्षित स्थान की तलाश करते दिखाई दिए। इस दौरान कुछ लोगों ने हाथी को अपने मोबाइल फोन में कैद किया, वहीं कुछ युवाओं ने लापरवाही बरतते हुए हाथी के पास जाकर सेल्फी लेने का प्रयास भी किया, जो खतरनाक साबित हो सकता था। काफी देर तक शोर-शराबा और लोगों की गतिविधियों के बाद हाथी स्वयं सड़क से हटकर जंगल की ओर चला गया। हाथी के जंगल में जाने के बाद प्रशासन और पुलिस की मदद से यातायात को धीरे-धीरे सुचारु कराया गया, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि इस तरह की घटनाओं के दौरान संयम बनाए रखें और जंगली जानवरों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। अधिकारियों ने कहा कि हाथियों के सामने शोर-शराबा करना या उनके पास जाना बेहद खतरनाक हो सकता है। वन विभाग ने चेतावनी दी कि जंगल से सटे इलाकों में यात्रा करते समय विशेष सतर्कता बरतें।

# समीर हत्याकांड में दो गिरफ्तार

संवाददाता, रामनगर

**अमृत विचार:** 20 वर्षीय युवक समीर उर्फ लक्की की निर्मम हत्या के मामले में रामनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्याकांड के मुख्य आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की वजह नशे को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है। बता दें कि गुरुवार सुबह मोहल्ला गुलरघट्टी क्षेत्र की आदर्श नगर कॉलोनी निवासी समीर उर्फ लक्की का शव नहर किनारे खून से लथपथ अवस्था में मिला था। उसकी ईंट से सिर कूचकर की गई थी। मामले में मृतक के भाई रिजवान की तहरीर पर कोतवाली रामनगर में मुकदमा दर्ज किया गया था।

शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए एएसपी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि पुलिस जांच में मुख्य आरोपी नजीर, निवासी मोहल्ला गुलरघट्टी, रामनगर तथा सह-आरोपी आशीष, निवासी ग्राम पूछड़ी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि मृतक समीर और आरोपी नजीर दोनों नशे के आदी थे। एएसपी ने बताया कि घटना वाली रात नशे का सेवन करते समय नशे की मात्रा को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया, इसी दौरान आरोपी नजीर ने समीर को नीचे गिराकर ईंट से उसके सिर और चेहरे पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त ईंट, खून से सने कपड़े और जूते बरामद किए हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी नजीर को कोसी नदी किनारे से गिरफ्तार कर लिया। वहीं घटना की जानकारी पुलिस को न देने पर सह-आरोपी आशीष के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने पुलिस टीम को 15 सौ का इनाम देने की घोषणा की है।

रामनगर पुलिस की गिरफ्त में हत्या का मुख्य आरोपी व साथी युवक।

# दूसरे की बीवी संग बसाना चाहता था गृहस्थी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

**अमृत विचार :** आईजी आवास के पीछे दिन-दहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला शातिर सलाखों के पीछे पहुंच चुका है। समय से मिली सूचना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से आरोपी को धर दबोचा और चोरी के पीछे के कहानी सामने आई तो पुलिस भी हैरान रह गई। आरोपी चोरी के माल से दूसरे की बीवी संग गृहस्थी बसाने की फिराक में था, लेकिन उसके अरमान धरे रह गए।

तल्ला गोरखपुर बद्रीपुरा वार्ड 11 निवासी दया नेगी (76 वर्ष) पत्नी स्व.जगत सिंह नेगी यहां अकेली रहती हैं। बुधवार की दोपहर एक शातिर उनके घर किराए पर कमरा लेने पहुंचा। इस बीच दया पड़ोसी के साथ बात करने लगी और मौका पाकर शातिर जेवर, नगदी और कागजात से भरा बक्सा लेकर पैदल ही फरार हो गया। पुलिस को समय पर सूचना मिली और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। घटना स्थल से कुछ दूरी पर स्टेडियम के पास बर्फ वाली गली से उसने ऑटो बुक किया और सुभाषनगर स्थित बीएसएनएल ऑफिस पहुंचा। यहां चाय की दुकान पर उसने डेढ़ घंटे बिताए और फिर ऑटो बुक कर रोडवेज बस अड्डे पहुंच गया। इधर, सीसीटीवी फुटेज के तार से तार जोड़ती पुलिस की टीम आरोपी तक पहुंच गई। बताया जाता है कि पुलिस जब आरोपी तक पहुंची तो उसके साथ एक महिला भी थी।

पूछताछ में पता चला कि वह महिला उसकी प्रेमिका, लेकिन किसी और की पत्नी थी। आरोपी ने बताया कि वह अपनी प्रेमिका से शादी करना चाहता था, लेकिन उसकी जेब खाली थी। इसी वजह से उसने चोरी की घटना को अंजाम दिया। आरोपी के पास से बरामद बक्से से 8000 रुपए, चांदी की 4 पायल, चांदी के 2 सिक्के, चांदी के 2 बिछुवे, सोने की 1 बाली, 1 मंगलसूत्र और जमीन की रजिस्ट्री के पेपर मिली। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम खाड़ी सुनार, थाना सोमेश्वर जिला अल्मोड़ा निवासी विरेंद्र सिंह बिष्ट पुत्र हरीश सिंह बिष्ट बताया।

चोरी का खुलासा करते एसएसपी मंजूनाथ टीसी व बक्से को कंधे पर रख कर खड़ा आरोपी।।

### चाय वाले से बोला, मैं आर्मी का जवान हूं

**हल्द्वानी :** सुभाषनगर में जिस चाय की दुकान पर आरोपी विरेंद्र ने डेढ़ घंटे गुजारे, उस दुकानदार को विरेंद्र पर तब शक हुआ जब वह वहां काफी देर तक बैठा रहा। चाय वाले ने जब विरेंद्र से उसके और उसके पास मौजूद बक्से के बारे में पूछताछ की तो उसने बताया कि वह आर्मी का जवान है और छुट्टी पर घर आया है। इधर, जब पुलिस उसे गिरफ्तार कर कोतवाली पहुंची तो आरोपी ने ठीक उसी तरह बक्से को अपने कंधे पर लाद रखा था, जैसे वह घटना के बाद उसे लेकर भागा था।

# मुखानी से 62 लाख की स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

**अमृत विचार :** स्मैक के लती हो चुके युवकों को स्मैक की बड़ी खेप के साथ पकड़ा गया है। एसओजी और मुखानी पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों के पास से पुलिस ने करीब 62 लाख रुपए की स्मैक बरामद की है। दोनों स्मैक पीने के साथ उसे शहर में बेचते भी थे।

शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि 15 जनवरी को आरटीओ चौकी प्रभारी वीरेन्द्र चन्द, एसओजी के साथ चम्बल पुल से अटल पार्क की ओर गश्त पर थे। टीम ने अटल पार्क के पास सेमल के पेड़ के पास दो लोगों देखा, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। दोनों को पकड़ जब तलाशी ली गई तो उनके पास से 207 ग्राम स्मैक बरामद हुई। एसएसपी ने बताया कि बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 62 लाख रुपए है। आरोपियों में जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा, काठगोदाम निवासी धनपाल (36 वर्ष) पुत्र राम सहाय और ग्राम भेटाखास, थाना कटरा, तहसील तिलहर, जिला शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश निवासी रामचन्द्र (42 वर्ष) पुत्र लीलाधर है, जो फिलहाल दमुवाढूंगा में रहता है। पुलिस ने धनपाल से 125 ग्राम और रामचन्द्र से 83 ग्राम स्मैक बरामद की। धनपाल ने बताया कि बरामद स्मैक वह राजपुरा रेलवे फाटक के पास से लेकर आया था। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

## शौचालय की मांग को लेकर प्रदर्शन

**हल्द्वानी:** मंगलपड़ाव और रामपुर रोड पर सार्वजनिक शौचालय न होने पर स्थानीय लोगों और व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जल्द से जल्द शौचालय निर्माण की मांग की।

लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। शौचालय की सुविधा न होने से सबसे ज्यादा परेशानी बाजार आने वाली महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को उठानी पड़ रही है। प्रदर्शन करने वालों में विशाल वर्मा, अंजली वर्मा, घनश्याम वर्मा, शिवम वर्मा, अरुण भोट्यानी, मन्नू भोट्यानी, सुनील अरोड़ा, रानू रावत, छत्तर आर्य, रवि राजपूत, अनिल कश्यप, सचिन केसरवानी, नरेंद्र केसरवानी, प्रकाश जोशी, मुक्तियार अहमद रहे।

लोक परंपराओं के साथ मनाया गया लोहड़ी पर्व, कार्यक्रम में दिखा उत्साह।

### अग्नि के फेरे और लोकगीतों के साथ मनाया लोहड़ी

**हल्द्वानी :** भारत विकास परिषद शाखा ने शुक्रवार को रामपुर रोड स्थित अतिथि रेस्टोरेंट में लोहड़ी और मकर संक्रांति का पावन पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांतीय संरक्षक भगवान सहाय अग्रवाल, क्षेत्रीय वित्त सचिव आरके गुप्ता, क्षेत्रीय संयोजक संस्कार पाला मेहता, प्रांतीय संयोजक भवानी शंकर नीरज और शाखा अध्यक्ष दीपक बक्शी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संस्कृति और परंपरा का संगम उत्सव के दौरान डॉ. मोनिका मित्तल ने उपस्थित सदस्यों को लोहड़ी और मकर संक्रांति त्योहार के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया। उपमा सेठी और पाला मेहता ने लोहड़ी के पारंपरिक गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी। समारोह का मुख्य आकर्षण ढोल की थाप और अग्नि पूजन रहा। सभी सदस्यों ने अग्नि के चारों ओर फेरे लगाकर मूंगफली और रेवड़ी अर्पित की और एक-दूसरे को बधाई दी। इस दौरान महिला सदस्यों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। शाखा सचिव डॉ. निधि अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, डॉ. अभिषेक मित्तल, सीमा बक्शी, सौरभ अग्रवाल, तरुण बंसल, सहित परिषद के कई सदस्य मौजूद रहे।

## उत्तरैणी कौतिक में सहयोग के लिए उत्थान मंच ने जताया आभार

**हल्द्वानी:** पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच, हीरानगर की ओर से आयोजित नौ दिवसीय उत्तरैणी कौतिक के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों, सामाजिक संगठनों, संस्थाओं का मंच की कार्यकारिणी ने आभार व्यक्त किया। उत्थान मंच के अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल ने बताया कि कौतिक के दौरान सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठजनों ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रमों को अपना आशीर्वाद दिया। वहीं 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर विशाल शोभायात्रा पूरे शहर में निकाली गई, जिसमें सामाजिक, व्यापारिक व सांस्कृतिक संगठनों, स्कूलों व विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर भाग लिया।

# गौलापार में उत्तरायणी कौतिक का रंगारंग आगाज

संवाददाता, हल्द्वानी

**अमृत विचार:** सांस्कृतिक व सामाजिक मंच की ओर से दिवसीय उत्तरायणी महाकौतिक का आगाज शुक्रवार को गौलापार हीरा कुंवर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मैदान में हुआ। पहले दिन मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध लोक गायक जितेंद्र और बेबी प्रियंका के लोकगीतो रहे। दोनों कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से पंडाल में मौजूद दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

स्थानीय स्कूली बच्चों और कलाकारों ने भी कुमाऊंनी व गढ़वाली नृत्य पेश किए। महाकौतिक के उद्घाटन अवसर पर सांसद अजय भट्ट, पूर्व विधायक नवीन दुम्का और हरेंद्र बोरा सहित कई अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी लुप्त होती सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का सशक्त माध्यम हैं। आयोजन समिति ने सफल आयोजन के लिए क्षेत्र की जनता का आभार जताया है। साथ ही आयोजकों ने बताया कि आज (शनिवार) को ''''चाहा को होटल'''' जैसे प्रसिद्ध गीतों के लोकगायक मनोज आर्या मुख्य कलाकार के रूप में अपनी प्रस्तुति देंगे। इस कौतिक में मुख्य रूप से आयोजन समिति के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

**कार्यशाला** | भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट चौहान ने किया संबोधन

# वीबी जीराम जी योजना से और सशक्त बनेंगे ग्रामीण

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

**अमृत विचार :** भाजपा की ओर से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी जीराम जी) योजना के प्रति जागरूकता को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला हुई।

शुक्रवार को कमलुवागांजा स्थित एक बैंक्वेट हॉल में हुई कार्यशाला का शुभारंभ महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट चौहान, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, सांसद अजय भट्ट, विधायक बंशीधर भगत, मेयर जोगेंद्र रौतेला ने किया। प्रदेश अध्यक्ष रुचि ने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और हर नागरिक आत्मनिर्भर बन सके। विकसित भारत का संकल्प तभी पूर्ण होगा जब ग्रामीण समाज को रोजगार, आजीविका एवं स्वावलंबन के ठोस अवसर प्राप्त होंगे। सभी को जनजागरूकता के जरिए आमजन को इससे जोड़ना अत्यंत जरूरी है।

सांसद भट्ट ने कहा कि नई विधेयक में श्रमिकों को 125 दिन काम की गारंटी होगी जबकि मनरेगा में केवल 100 दिन काम की गारंटी थी। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका से जुड़ी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को सशक्त करना है।

भाजपा की वीबी जीरामजी की जिला स्तरीय कार्यशाला में मौजूद जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी। ● अमृत विचार

विधायक बंशीधर भगत ने भी इस विधेयक को लेकर विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रताप बोहरा, जिला मीडिया प्रभारी नितिन राणा, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा गणेश साह, कमल पांडे ने किया। इस दौरान नैनीताल विधायक सरिता आर्य,दर्जा राज्य मंत्री सुरेश भट्ट, शांति मेहरा, दीपक मेहरा, दिनेश आर्य, नवीन वर्मा, शंकर कोरंगा, कौस्तुभानंद जोशी, प्रकाश हर्बोला, महेश खुल्बे, जिला महामंत्री रंजन बर्गली, जिला उपाध्यक्ष दया किशन पोखरिया, प्रतिभा जोशी, नवीन भट्ट, पुष्कर जोशी, विनोद तिवारी आदि रहे।

# डॉ. रमेश पांडे प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण जिला संयोजक बने

संवाददाता, हल्द्वानी

**अमृत विचार :** प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने नैनीताल में होटल व्यवसाय से जुड़े डॉ. रमेश पांडे को प्रदेश सलाहकार और प्रवीण साह को जनपद नैनीताल का जिला संयोजक नियुक्त किया।

प्रदेश संयोजक डॉ. धर्म यादव ने बताया कि दोनों प्रमुख नेताओं के अनुभव का लाभ संगठन के साथ-साथ व्यापारियों को भी प्राप्त होगा। साथ ही नैनीताल में संगठन मजबूती की तरफ बढ़ेगा।

कहा कि संगठन नैनीताल, भवाली, भीमताल और कैंचीधाम आदि स्थानों में शासन-प्रशासन की प्रताड़ना नीति का विरोध करेगा। साथ ही इन नीतियों से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी अवगत कराया जाएगा। उनकी नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मोंगा, महामंत्री राजेन्द्र फर्स्वाण, महानगर अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, प्रदेश संगठन प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता, दीपक माहेश्वरी, प्रभजोत चंडोक, नुसरत सिद्दकी, कुंदन बिष्ट, प्रज्ञान भारद्वाज, गौरव अग्रवाल आदि ने शुभकामनाएं दी हैं।

डॉ. रमेश पांडे और प्रवीण साह।

## मंत्री के पति पर कार्रवाई न होने पर जताया रोष

**हल्द्वानी :** उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) के कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री के पति के खिलाफ दी गई तहरीर पर कार्रवाई न होने को लेकर कड़ा रोष जताया है। शुक्रवार को कार्यकर्ताओं ने एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और जल्द कार्रवाई की मांग की। यूकेडी कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस संबंध में बीते 4 जनवरी को पुलिस को लिखित तहरीर सौंपी गई थी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने मामले में अब तक प्राथमिकी दर्ज करना तो दूर, तहरीर की रिसीविंग तक नहीं दी है। मामले में जल्द कानूनी कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। यहां केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल, नगर अध्यक्ष हरीश जोशी, सावन उनियाल, हरीश पांडे, मोहम्मद इरफान रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी, शनिवार, 17 जनवरी 2026

रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

## दबंगों ने युवक को पीट-पीटकर किया अधमरा

**किच्छा :** कोतवाली क्षेत्र में दबंगों द्वारा एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता पूनम के अनुसार, आरोपी अश्वनी, अभिषेक और संजू ने एकराय होकर उसके भाई गोविंद पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में गोविंद के बाएं पैर की हड्डी टूट गई, जिसका उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। आरोपियों पर मारपीट के बाद गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

## ई-रिक्शा चालकों ने किया प्रदर्शन

**बाजपुर :** बन्नाखेड़ा और आसपास के क्षेत्रों के ई-रिक्शा चालकों ने किराया कम किए जाने और रूट सीमित करने के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा को सौंपे ज्ञापन में चालकों ने मांग की कि बन्नाखेड़ा से बाजपुर (तीन मंदिर) तक का किराया पुन: 30 रुपये किया जाए, जिसे वर्तमान में घटाकर 20 रुपये कर दिया गया है। चालकों का कहना है कि बैंक लोन की किस्त, महंगाई और वाहन के रखरखाव के बीच किराया कम होने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने प्रशासन से पूर्व की भांति संचालन अनुमति और पुराने किराए को बहाल करने की गुहार लगाई है। इस मौके पर खेमकरन, रमेश, राजू, राजपाल, बसंत सिंह, जसपाल सिंह, जरनैल सिंह, संजय, धर्मवीर मौजूद रहे।

# दिल्ली पुलिस का दर्जा देने से भड़के पूर्व सैनिक

### असम राइफल्स के पूर्व सैनिकों ने किया विरोध प्रदर्शन, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजा गया ज्ञापन

संवाददाता, रुद्रपुर

डीएम कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करते असम राइफल्स के पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

**अमृत विचार:** आतंकियों से जंग लड़े असम राइफल्स के सेवानिवृत्त पूर्व सैनिक दिल्ली पुलिस का दर्जा देने से आक्रोशित हो गये हैं। पूर्व सैनिकों ने डीएम कार्यालय पर विरोध जताया और प्रदर्शन किया। साथ ही राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपा। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही पूर्व सैनिकों को आर्मी या फिर गृह मंत्रालय का हिस्सा नहीं बताया तो संगठन आंदोलन को बाध्य होगा।

शुक्रवार की सुबह असम राइफल्स पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले बड़ी संख्या में असम राइफल्स से सेवानिवृत्त सैनिक डीएम कार्यालय पहुंचे। इस दौरान एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी नारायण सिंह बिष्ट ने बताया कि जब कोई युवा असम राइफल्स में भर्ती होता है तो ट्रेनिंग के बाद से ही आर्मी के साथ मिलकर आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन संचालित करता है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि असम राइफल्स रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय के अधीन है।

गृह मंत्रालय ही सैनिकों का वेतन और सारा भत्ता देता है, लेकिन असम राइफल्स का जवान रक्षा मंत्रालय के आदेशानुसार आर्मी के साथ मिलकर अपनी शहादत देता है और जब सेवानिवृत्त या फिर शहीद हो जाता है तो सैनिक को दिल्ली पुलिस का दर्जा देते हुए कोई सुविधा नहीं दी जाती है। जिसको लेकर आठ साल पहले दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। एक दिसंबर 2025 को अदालत का फैसला पूर्व सैनिकों के पक्ष में आया और अदालत ने असम राइफल्स के डीजीपी और केंद्र सरकार से तीन माह के अंदर मुद्दों का समाधान करने का आदेश भी दिया, लेकिन असम राइफल्स के आला अधिकारी पूर्व सैनिकों के सम्मान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं और देशद्रोही सिद्ध करने पर आमादा हैं। उन्होंने राष्ट्रपति और पीएम मोदी से असम राइफल्स को आर्मी से अलग करने या सिर्फ गृह मंत्रालय के अधीन रखने का मुद्दा उठाया। जब आर्मी असम राइफल्स को दिल्ली पुलिस की तर्ज पर कार्य करना मान रही है तो असम राइफल्स के जवानों को आर्मी के साथ क्यों भेजा जाता है। उन्होंने आगाह किया कि जल्द ही असम राइफल्स के पूर्व सैनिक और सैनिक के साथ भेदभाव खत्म कर वन रैंक वन पेंशन नहीं दिया गया तो पूर्व सैनिक असम राइफल्स आंदोलन को बाध्य होगा। इस मौके पर पूर्व सैनिक बलवंत सिंह, डीएस कठायत, श्रीराम सिंह, गोविंद चंद, हेम लता, शंकर आर्या, गणेश दत्त, केशर दत्ता, नंदन सिंह, कुंदन सिंह, राम आशीष, सुंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

आठ साल हक हकूक की लड़ाई का जब फैसला अदालत ने पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के पक्ष में कर दिया और पूर्व सैनिक मोदी सरकार तक अपनी आवाज को उठाना चाहते हैं तो असम राइफल्स के ही अधिकारी और आर्मी अधिकारी मिलकर आवाज को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। एसोसिएशन के अधिकारियों को धमकाया और डराया जा रहा है। देशद्रोही कहकर संबोधित कर पूर्व सैनिकों की भावनाओं को आहत किया जा रहा है। इसे किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
– **केशव दत्त जोशी**, पूर्व सैनिक

**क्या बोले पूर्व सैनिक**

असम राइफल्स की स्थापना 1835 में हुई थी। उस वक्त असम राइफल्स के जवानों को तीसरा वेतनमान दिया जाता था जो कि आर्मी सोल्जर से महज पांच रुपये कम था। वर्तमान में आर्मी जवानों को सातवें वेतन के साथ ही केंद्र सरकार की कई सुविधाएं मिलती है और सेवानिवृत होने या फिर शहीद होने पर भारत सरकार नौकरी देने के साथ कई भत्ते भी मुहैया कराती है। बावजूद असम राइफल्स के पूर्व सैनिक, सैनिक हो या फिर आश्रित को कोई सुविधा नहीं मिल रही है।
–**चंद्र सिंह**, पूर्व सैनिक

जब असम राइफल्स में कोई युवा भर्ती होकर जवान बनता है तो ट्रेनिक भी आर्मी तौर तरीके के साथ होती है और उसके बाद शीघ्र ही रक्षा मंत्रालय असम राइफल्स की बटालियन को आर्मी के हवाले कर देती है। जबकि गृह मंत्रालय सारा खर्चा उठाता है। जब जवान आतंकी ऑपरेशन में जाता है तो आर्मी अधिकारी ही आदेशित करते हैं और जब जवान परेशान रहता है या फिर अपने अधिकार की बात करता है। तो आला अधिकारी जवानों को आर्मी का हिस्सा नहीं, बल्कि दिल्ली पुलिस की तर्ज पर सुविधा देने की बात कहकर भेदभाव करने लगते हैं।
– नारायण सिंह, पूर्व सैनिक

# अधिकार के लिए भटक रही शहीद की वीरांगना

मनोज आर्या, रुद्रपुर

**अमृत विचार:** वर्ष 1991 में जम्मू-कश्मीर में असम राइफल्स में भर्ती हुए जवान रामकुमार आर्य की पहली तैनाती थी। पहली तैनाती के साथ ही जवान बेहद खुश था कि वह अब देश की सेवा के लिए मुस्तैद है। 5 मई को अचानक 7वीं असम राइफल्स यूनिट को आर्मी अधिकारियों ने आदेशित किया कि जम्मू कश्मीर में आतंकी छिपे हैं और सर्च अभियान चलाना है। इस पर रामकुमार पूरे जोश के साथ टोली के साथ निकल पड़ा और कुछ ही देर में देश के सबसे बड़े ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाते हुए वीरगति को प्राप्त हो गया।

हेमलता आर्या।

शुक्रवार को असम राइफल्स पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के साथ शहीद की वीरांगना भी हक-हकूक की लड़ाई के लिए पहुंची थी। पूछने पर शहीद की पत्नी हेमलता आर्य ने बताया कि वर्ष 1989 में पति रामकुमार असम राइफल्स में भर्ती हुए थे। वर्ष 1990 में उसकी पोस्टिंग 7वीं असम राइफल्स बटालियन में हुई। 1991 में पहली तैनाती जम्मू-कश्मीर में हुई। भर्ती होने के बाद उसका एक बेटा हुआ था और चार मई का दिन था। जब पति रामकुमार ने टेलीफोन से बातचीत की। बताया कि यहां सब कुछ ठीक है। पांच मई को पति ने बताया कि उन्हें आतंकी सर्च ऑपरेशन में जाने का आदेश मिला है। बस उसी वक्त पति से आखिरी बातचीत हुई थी और देर रात्रि को सूचना मिली कि पति आतंकियों की गोली से वीरगति को प्राप्त हो गया। सेना मेडल प्राप्त करने के दौरान बताया कि 15 जवानों के साथ जब राजकुमार एक खंडहरनुमा भवन में घुसा तो आतंकियों ने आधुनिक हथियारों से ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दी थी। सबसे आगे होने के कारण पति के सीने में कई गोलियां लगी।

बावजूद उसके पति ने अपने साथी जवानों के साथ गोलीबारी करते हुए अंदर प्रवेश किया और 73 आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया था। आतंकियों को मारने में पति की अहम भूमिका थी और वर्ष 1991 में सबसे ज्यादा आतंकी इसी ऑपरेशन में मारे गए थे। साथ ही 72 आधुनिक हथियारों की बरामदगी भी असम राइफल्स की यूनिट को मिला था। आपबीती बताते हुए वीरांगना का आरोप था कि पति के शहीद होने के बाद वह पिछले कई सालों से आर्मी की भांति सुविधाएं देने के अलावा बेटे को नौकरी देने के लिए भटक रही है।

# बीमार के घर देवदूत बनकर पहुंचे मेयर

- युवक को इलाज के लिए कराया जिला अस्पताल में भर्ती

संवाददाता, रुद्रपुर

पीड़ित दीपक को जिला अस्पताल में भर्ती करवाते महापौर विकास शर्मा।

**अमृत विचार:** महापौर विकास शर्मा ने रम्पुरा के पीलिया पीड़ित युवक के घर देवदूत बनकर पहुंचे। पीड़ित को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही डॉक्टरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उपचार में कोई कोताही न बरती जाए। युवक की जान बचाना ही प्राथमिकता होनी चाहिए।

शुक्रवार को महापौर शर्मा को पार्टी की कार्यकर्ता ममता सैनी और सरोज रानी ने रम्पुरा में पीड़ित युवक की सूचना दी। सूचना रम्पुरा निवासी दीपक की थी जो महज 28 साल की उम्र में पीलिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। परिवार इतना लाचार है कि उचित उपचार तो दूर, उसे अस्पताल ले जाने तक की स्थिति में नहीं है। सूचना पर तत्काल महापौर दीपक के घर पहुंचे और दीपक की स्थिति देखकर तुरंत चिकित्सा अधिकारियों को फोन लगाया और स्थिति की गंभीरता से अवगत कराया। महापौर ने तत्काल एम्बुलेंस मंगवाई और खुद खड़े होकर युवक को जिला अस्पताल भिजवाया। साथ ही डॉक्टरों को उपचार में कोई कोताही न बरतने के निर्देश दिए। बीमारी के संक्रमण को देखते हुए उन्होंने नगर निगम की टीम को मौके पर बुलाया। साथ ही दीपक के निवास स्थान और आसपास के क्षेत्र में सघन सफाई अभियान चलवाकर कीटनाशकों का छिड़काव भी कराया, ताकि बीमारी और न फैले।

## दुकान से लाखों के मोबाइल चोरी

**रुद्रपुरः** कोतवाली इलाके के एक मोबाइल दुकान पर धावा बोलकर चोरों ने लाखों रुपये कीमत के मोबाइल चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। भदईपुरा निवासी साहिल ने बताया कि वह मोबाइल रिपेयरिंग का काम करता है और उसकी दुकान रामलीला मैदान के सामने स्थित है। दुकान पर ग्राहकों के लिए नये 22 मोबाइल थे और दो मोबाइल रिपेयरिंग के लिए आते हैं। रोजमर्रा की भांति 11 जनवरी की रात्रि को सवा 10 बजे दुकान बंद की और 12 जनवरी की सुबह 10 बजे एक ग्राहक की कॉल आयी जिसने बताया कि दुकान के ताले टूटे हुए पड़े हैं और सामान बिखरा है। पता चला कि करीब चार से पांच लाख रुपये का सामान चोरी हुआ है।

# दो से अधिक शस्त्र व लाइसेंस को जमा कराने के निर्देश

- एक सप्ताह में जमा नहीं करने वालों पर होगी कार्रवाई
- डीएम ने पुलिस व प्रभारी अधिकारी शस्त्र को दिए निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

अधिकारियों को निर्देश देते डीएम नितिन सिंह भदौरिया। ● अमृत विचार

**अमृत विचार:** जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने जनपद में दो से अधिक शस्त्र व शस्त्र लाइसेंस रखने वालों को नोटिस देते हुए एक सप्ताह के भीतर शस्त्र लाइसेंस जमा कराने के निर्देश पुलिस व प्रभारी अधिकारी शस्त्र को दिए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय भारत सरकार के आयुध नियम-2019 के संशोधन के अनुसार कोई भी व्यक्ति दो से अधिक शस्त्र नहीं रख सकते हैं।

शुक्रवार को जिलाधिकारी ने यह निर्देश कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में समय-समय पर समाचार पत्रों में शस्त्र व शस्त्र लाइसेंस जमा कराए जाने के लिए प्रकाशन भी कराया गया है। साथ ही दो से अधिक शस्त्र व शस्त्र लाइसेंस रखने वालों को नोटिस भी दिये गये थे। ऐसे शस्त्रधारकों के द्वारा अपने दो से अधिक शस्त्र व शस्त्र लाइसेंस को निरस्त कराये जाने के संबंध में कोई भी कार्रवाई अमल में नहीं लाई गयी।

उन्होंने शस्त्र धारकों के द्वारा एक सप्ताह के भीतर अपने दो से अधिक शस्त्र व शस्त्र लाइसेंस को संबंधित थाना में जमा कराते हुए दो से अधिक शस्त्र व शस्त्र लाइसेंस को निरस्त कराना होगा। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो एक सप्ताह के बाद ऐसे लोगों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई अमल में लायी जाएगी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. उत्तम सिंह नेगी, ओसी गौरव पांडेय, सीओ प्रशांत कुमार आदि मौजूद रहे।

# गढ़ीनेगी की नामावलियों का किया जाएगा पुनरीक्षण

संवाददाता, रुद्रपुर

**अमृत विचारः** जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगर पंचायत गढ़ीनेगी की निर्वाचन नामावलियों (मतदाता सूचियों) का विस्तृत पुनरीक्षण किया जाएगागा। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी से 5 फरवरी तक संगणक घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं सूचना व अभिलेख एकत्रित करेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 6 से 10 फरवरी तक प्रारूप नामावली की पाण्डुलिपि तैयार की जाएगी। 11 फरवरी से 7 मार्च तक प्रारूप निर्वाचन नामावलियों की डाटा एंट्री व फोटो स्टेड किया जायेगा। 9 मार्च को निर्वाचन नामावलियों के आलेख का प्रकाशन, 10 से 16 मार्च तक निर्वाचन नामावलियों के आलेख के निरीक्षण और दावे व आपत्ति दाखिल की जा सकेगी, 17 से 21 मार्च तक दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा, 22 से 26 मार्च तक पूरक सूचियों की डाटा एंट्री व फोटो स्टेट किया जाएगा। इसके अलावा 27 मार्च को निर्वाचन नामावलियों का जनसामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के उन सभी व्यक्तियों के नाम निर्वाचन नामावलियों में सम्मिलित किए जाएंगे जो 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं।

# ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

- वीबी-जी-राम-जी मिशन को लेकर कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता, रुद्रपुर

**अमृत विचारः** भारतीय जनता पार्टी के विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार मिशन (ग्रामीण) एक्ट को लेकर चलाए जा रहे देशव्यापी जनजागरण अभियान के तहत जनपद रुद्रपुर में एक वृहद जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आगामी अभियान की रूपरेखा तैयार की।

शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि वीबी-जी-राम-जी मिशन ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को मंच देने और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही रोजगार से जोड़ने की एक अभूतपूर्व पहल है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान को केवल एक कार्यक्रम न समझें, बल्कि इसे एक मिशन के रूप में लेते हुए प्रत्येक बूथ पर सक्रियता बढ़ाएं। लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता का उत्तरदायित्व है कि वह हर ग्रामीण परिवार तक पहुंचकर उन्हें सरकार की रोजगारपरक नीतियों से अवगत कराए। जिलाध्यक्ष कमल जिंदल ने सांगठनिक मजबूती पर बल दिया। रुद्रपुर जिला हमेशा से संगठन के कार्यों में अग्रणी रहा है और इस अभियान में भी हम नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। जिला सह-प्रभारी साकेत अग्रवाल और पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने भी अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। वरिष्ठ नेताओं ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कई बार जानकारी के अभाव में पात्र लाभार्थी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते, जिसे दूर करने के लिए यह जनजागरण अभियान मील का पत्थर साबित होगा।

दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता और महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रश्मि रस्तोगी ने भी ग्रामीण महिलाओं और युवाओं की इस मिशन में भागीदारी पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्षों और बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर इस मिशन को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के बाद महाराष्ट्र में हुई बंपर जीत की सभी ने खुशी बनाई एवं एक-दूसरे को बधाई दी। ऐसे ही भाजपा 2027 मे भी पुनः उत्तराखंड में कमल खिलाएगी।

**ये अधिकारी रहे मौजूद**

जिला महामंत्री तरुण दत्ता, कार्यक्रम संयोजक अमित नारंग, अंजू भूट्टी, जिला उपाध्यक्ष इंद्रपाल सिंह मान, शालिनी बोरा, जिलामंत्री प्रमोद मित्तल, अक्षय अरोरा, जिला कोषाध्यक्ष रोशन अरोरा, कार्यालय मंत्री मोर सिंह, सुरेंद्र चौधरी, जिला मीडिया संयोजक विजय तोमर, सोशल मीडिया संयोजक अक्षय गहलोत, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेक सक्सेना, पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश बजाज, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विपिन गहलोत, मंडल अध्यक्ष मुकेश पाल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष हारून मालिक, एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश कोहली, मंडल अध्यक्ष पिंकी डिमरी, मंडल अध्यक्ष मयंक तिवारी, ममता त्रिपाठी, ममता जीना समेत मंडल महामंत्री, कार्यक्रम के संयोजक-प्रभारी एवं बड़ी संख्या में पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# मोबाइल हैक कर खाते से उड़ाए पांच लाख

संवाददाता, रुद्रपुर

**अमृत विचार:** आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर साइबर क्रिमिनल रोज साइबर अपराध की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला शिमला बहादुर इलाके में आया है। जहां साइबर हैकर ने मोबाइल हैक कर लाखों रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दे डाला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार लमरा शिमला बहादुर वार्ड-एक निवासी कौशल गंगवार ने बताया कि 3 जनवरी की दोपहर 3 बजे वह घर पर सो रहा था कि तभी मोबाइल पर एक मैसेज आया। मैसेज में एचडीएफसी खाते से 6.18 लाख रुपये ऋण स्वीकृत का संदेश लिखा था। जब उसने लिंक पर क्लिक किया तो हैकर ने मोबाइल हैक कर लिया। कुछ ही देर बाद खाते से एक लाख रुपये और फिर चार लाख रुपये निकासी का मैसेज आने लगा। इसके बाद उसने बैंक प्रबंधन को सूचित किया, लेकिन खाते से पांच लाख रुपये की निकासी हो चुकी थी। शिकायतकर्ता का कहना था कि किसी अज्ञात साइबर ठग ने तकनीकी का प्रयोग कर पहले उसका मोबाइल हैक किया और उसके बाद फौरन ताबड़तोड़ लाखों रुपये की निकासी कर डाली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# मां और बेटे को आठ साल का सश्रम कारावास, अर्थदंड

- वर्ष 2017 थाना सितारगंज का था मामला
- द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

**अमृत विचारः** थाना सितारगंज में हुए सपना बैरागी दहेज प्रताड़ना प्रकरण में फैसला सुनाते हुए द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दोषी मां-बेटे को आठ साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

एडीजीसी दांडिक अनिल सिंह ने बताया कि शक्तिफार्म सितारगंज के रहने वाले अधीर बैरागी ने 13 अगस्त 2017 को तहरीर देते हुए बताया था कि उसकी बेटी सपना बैरागी की शादी 21 मई 2013 को उकरौली सितारगंज निवासी जयदेव गुप्ता के साथ हुई थी। शादी के बाद बेटी को एक बेटा हुआ, जो कि डेढ़ वर्ष का है। बताया कि शादी के बाद से सास लक्ष्मी देवी, देवर सुखदेव गुप्ता और पति बाइक लाने का दबाव बनाते हुए प्रताड़ित करने लगे। समय बीतता गया और 2 अगस्त 2017 को सूचना मिली कि बेटी आग में बुरी तरह से झुलस गई और सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया है। सूचना मिलते ही जब वह अस्पताल पहुंचा तो बेटी ने बताया कि उसके ऊपर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग के हवाले किया है। 10 अगस्त को उपचार के दौरान बेटी की मृत्यु हो गई और पुलिस ने तहरीर के आधार पर 498 ए और 302 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। प्रकरण की सुनवाई द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मीना देऊपा की अदालत में हुई। जहां एडीजीसी दीपक सिंह ने 17 गवाह पेश किए और दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने दहेज प्रताड़ना के दोषी पति जयदेव गुप्ता और सास लक्ष्मी गुप्ता को आठ साल सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये का अर्थदंड देने की सजा सुनाई, जबकि देवर सुखदेव गुप्ता को दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने दोषियों को विवाहिता को प्रताड़ित कर सुसाइड के लिए बेबस करने की धाराओं में दंडित किया।

सतर्कता | राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण उपाध्यक्ष व महापौर ने बालाजी मंदिर, रैन बसेरा, बाटा चौक का किया निरीक्षण

# सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने के दिए निर्देश, कंबल बांटे

संवाददाता, रुद्रपुर

जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते आपदा प्रबंधन उपाध्यक्ष व महापौर।

**अमृत विचार :** राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनय रुहेला ने रुद्रपुर के विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बालाजी मंदिर, आदर्श कॉलोनी, रैन बसेरा, बाटा चौक एवं भगत सिंह चौक समेत कई स्थानों पर जरूरतमंद, निराश्रित और सड़क किनारे जीवन यापन कर रहे लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबलों का वितरण किया। साथ ही अलाव की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

गुरुवार देर शाम निरीक्षण के दौरान राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रुहेला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शीतलहर के दृष्टिगत सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, चौराहों एवं रैन बसेरों में अलाव और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं नियमित रूप से संचालित की जाएं। ताकि किसी भी व्यक्ति को ठंड के कारण परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों तक समय रहते सहायता पहुंचे और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के हर जरूरतमंद नागरिक की चिंता कर रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कड़ाके की ठंड के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि न हो और इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं कोई असहाय व्यक्ति ठंड से प्रभावित दिखाई दे तो सूचना तत्काल प्रशासन को दें। ताकि समय रहते सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस दौरान नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, तहसीलदार दिनेश कुटोला, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमा शंकर नेगी, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल आदि उपस्थित रहे।

**नगर निगम की ओर से किए जा रहे सभी प्रयास**

**रुद्रपुर :** महापौर विकास शर्मा ने कहा कि शीत लहर से राहत के लिए नगर निगम हरसंभव प्रयास कर रहा है। पिछले कुछ दिनों में नगर निगम 140 कुंटल लकड़ी अलाव के रूप में जला चुका है। सार्वजनिक स्थानों पर लगातार अलाव जलाए जा रहे हैं। इसकी मॉनिटरिंग वह खुद कर रहे हैं। रैन बसेरों में सभी इंतजाम किये गये हैं। इसके अलावा गरीब जरूरतमंदों को कंबल वितरण का अभियान भी चलाया गया है। उनका प्रयास है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति कंबल या आश्रय के अभाव में ठंड न झेले।

ब्रीफ न्यूज

### विवाहिता ने लगाया देवर पर दुष्कर्म का आरोप, केस दर्ज

**काशीपुर :** एक विवाहिता ने अपने देवर पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि ससुरालियों ने उस पर देवर के साथ संबंध बनाने का दबाव डाला और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जनपद मुरादाबाद निवासी एक युवती की शादी छह माह पूर्व काशीपुर के मोहल्ला कटोराताल निवासी एक युवक से हुई थी। उसका पति ऋषिकेश में काम करता है। वह अपनी ससुराल में सास ससुर व देवर के साथ रहती है। आरोप है कि 22 नवंबर, 2025 को सुबह करीब छह बजे उसके देवर ने कमरे में खींचकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके चीखने पर सास, ससुर व नंद ने उस पर देवर के साथ संबंध बनाने का दबाव डाला और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। उसने घटना की सूचना 112 नंबर पर पुलिस को दी और अपने भाई को भी इस बाबत जानकारी दी। तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

हेलमेट विक्रेता हत्याकांड : चार दिन पहले ही लखनऊ से रुद्रपुर लौटा था मलखान, किसी ने चीख तक नहीं सुनी

# आखिर घने कोहरे और सुनसान इलाके में कैसे पहुंचा मलखान

संवाददाता, रुद्रपुर

मलखान (फाइल)।

**अमृत विचार:** कोतवाली इलाके की रंपुरा बस्ती का रहने वाला मलखान लखनऊ हाईवे किनारे हेलमेट बेच कर परिवार की आजीविका चलाने का काम करता था। 11 जनवरी को वह रुद्रपुर अपने घर आया था। 14 जनवरी की शाम को जल्द लौटने की बात कहकर घर से निकला था। जब काफी देर बाद घर नहीं लौटा तो पत्नी ने फोन कर जानकारी ली। इस वक्त मलखान ने परिवार से बातचीत की, लेकिन 15 जनवरी की दोपहर से फोन रिसीव होना बंद हो गया।

घटनास्थल पर लगी भीड़, जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

अब सवाल यह उठता है कि पिछले 48 घंटे से मलखान किसके साथ था और कैसे फाजलपुर महरौला प्रीत विहार कॉलोनी के उस खंडहरनुमा सुनसान इलाके तक पहुंचा। प्रारंभिक जांच में यह पुष्टि हो चुकी है कि मलखान की हत्या 15 जनवरी की तड़के या फिर देर रात्रि को हुई होगी। कारण जिस वक्त पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया था। उस वक्त खून ताजा था और ईंट पर लगे खून के धब्बे भी हत्याकांड के वक्त की गवाही दे रहे थे। पुलिस का यह भी मानना है कि इलाका बेहद सूनसान है और 15 जनवरी की देर रात्रि को तराई भाबर में घना कोहरा भी था। जिस कारण हत्याकांड के स्थान और हत्यारों को किसी ने नहीं देखा। शायद सूनसान व कोहरा होने के कारण मलखान की चीख पुकार को भी किसी ने नहीं सुना होगा। हत्याकांड को अंजाम दोस्तों या फिर नशेड़ियों ने दिया होगा। पुलिस अब इन सवालों का जवाब खोजने में जुट गई है कि मलखान के साथ कौन था। क्या उसे धोखे से सूनसान इलाके ले जाया गया या फिर खुद मलखान को नशे का प्रलोभन देकर ले जाया गया या फिर पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद हत्या की गई।

### दीवारों पर पड़े खून के छींटे, खौफनाक था मंजर

**रुद्रपुर :** शुक्रवार की दोपहर को जिस वक्त पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। उस वक्त घटनास्थल पर काफी खून बिखरा हुआ था। ईंटों का बना स्लिप हो या फिर खंडहरनुमा भवन की दीवारें चारों ओर खून के छींटे पड़े हुए थे। मलखान के सिर के पीछे, आगे और चेहरे पर ईंट के निशान यह गवाही दे रहे थे कि हत्यारों ने किस क्रूरता के साथ हत्याकांड को अंजाम दिया। वहीं स्लैब पर भी कई बार सिर पटकने के निशान पाए गए।

### बकरी चराने आई महिला ने देखा शव

**रुद्रपुर :** घटनास्थल के बेहद नजदीक खेतीबाड़ी जमीन पर मजदूरी करने वाली सुनीता देवी ने बताया कि वह घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर रहती है। शुक्रवार की दोपहर को दिहाड़ी मजदूरी से लौटने के बाद बकरी चराने के लिए झाड़ियों की तरफ गई थी। जहां उसने खून से लथपथ शव देखा और चीख पुकार मचाकर आसपास के लोगों को एकत्रित किया। उसके थोड़ी ही देर बाद मृतक के मोबाइल पर दो बार घंटी भी आई थी। फोन किसने और क्यों किया था। उसका कोई अंदाजा नहीं है।

### सीडीआर खोलेगी हत्याकांड का राज

**रुद्रपुर :** घटनास्थल का मौका मुआयना करते वक्त पुलिस को शव के पास से एक मोबाइल भी बरामद हुआ। जिसका लॉक सिस्टम सक्रिय था, लेकिन मोबाइल पर कई मिस्ड कॉल दिख रही थी। यहीं नहीं मृतक के जेब में कुछ पैसे भी मिले तो इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि हत्याकांड को अंजाम लूटपाट या फिर पैसों की छीना झपटी के लिए नहीं हुई थी, बल्कि यह एक सोची समझी हत्याकांड की साजिश है। जिसको लेकर पुलिस ने मोबाइल का लॉक तोड़ने की तैयारी शुरू कर दी। कारण पुलिस का दावा है कि मृतक की सीडीआर रिकॉर्ड ही हत्याकांड के खुलासे में काफी कारगर साबित होगी और पुलिस ने सीडीआर निकालने की तैयारी शुरू कर दी है।

## भड़ाभुड़िया के शिविर में उठीं कई समस्याएं

**खटीमाः** ग्राम पंचायत भड़ाभुड़िया में उपजिलाधिकारी तुषार सैनी की अध्यक्षता में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में ग्रामीणों द्वारा कई समस्याएं उठाईं। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, छह माह के बच्चों का अन्नप्राशन, कुपोषित बच्चों की नाप और वजन लिया गया और पौष्टिक आहार दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीकाकरण का कार्य किया गया। ग्राम प्रधान सुमन राणा ने गांव की समस्याओं को एसडीएम सैनी के समक्ष रखा। जिसमें भड़ाभुड़िया से झनकट तक की रोड और भड़ाभुड़िया से फुलैया की ओर रोड निर्माण के कार्य प्रमुख रूप से रखा गया। जिसमें संबंधित विभाग ने आश्वासन दिया कि जल्दी ही इन मार्गों का निर्माण किया जाएगा।

कार्यक्रम में विरेन्द्र सिंह सजवाण तहसीलदार, संजय कुमार गांधी खण्ड विकास अधिकारी, राजस्व विभाग सहित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# डॉक्टरों की नियुक्ति की मांग, ग्रामीणों ने दिया धरना

शांतिपुरी में ग्रामीणों ने आपातकालीन चिकित्सा सेवा बहाल करने की मांग उठाई, चिकित्साधीक्षक ने पहुंचकर दिया आश्वासन

संवाददाता, शांतिपुरी

**अमृत विचारः** शांतिपुरी नंबर दो में ग्रामीणों ने राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की नियुक्ति एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवा बहाल करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। धरने का नेतृत्व पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद कोरंगा ने किया। यह प्रदर्शन प्रातः 9:15 बजे से दोपहर करीब 12 बजे तक चला।

धरना प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग एवं प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए क्षेत्र की घोर उपेक्षा का आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र में दो डॉक्टरों के पद स्वीकृत होने के बावजूद लंबे समय से एक भी डॉक्टर तैनात नहीं है, वहीं महिला चिकित्सक की भी कोई व्यवस्था नहीं है। इसके चलते महिलाओं को प्रसव व अन्य उपचार के लिए मजबूरन क्षेत्र से बाहर महंगे निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल परिसर में डॉक्टरों व कर्मचारियों के लिए आवास बने होने के बावजूद

शांतिपुरी के पीएचसी में डॉक्टरों की नियुक्ति एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवा बहाली को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण।

वहां कोई भी कर्मचारी निवास नहीं करता, जिससे आवास जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि करीब 10–12 वर्ष पूर्व अस्पताल में 108 एंबुलेंस सेवा उपलब्ध थी तथा पुरुष व महिला चिकित्सक तैनात रहते थे, लेकिन वर्तमान में लगभग 45 से 50 हजार की आबादी वाला यह क्षेत्र बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं से वंचित है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि विभागीय अधिकारियों से कई बार पत्राचार व मांग करने के बावजूद केवल अस्थायी व्यवस्था की जाती है, जो कुछ ही दिनों में समाप्त हो जाती है, जिसका खामियाजा आम ग्रामीणों को भुगतना पड़ता है। करीब ढाई घंटे बाद धरना स्थल पर पहुंचे किच्छा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल गौड़ को ग्रामीणों ने अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

डॉ. गौड़ द्वारा समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने यह चेतावनी देते हुए धरना समाप्त किया कि यदि 10 दिनों के भीतर मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे पुनः अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन व जिला मुख्यालय का घेराव करेंगे।

धरना प्रदर्शन में जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्या, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद कोरंगा, अधिवक्ता नवीन चंद उर्फ बिट्टू, देवेंद्र कोरंगा, युवक मंगल दल अध्यक्ष मोहन सिंह कोरंगा, सागर टाकुली, तनुज टाकुली, करन दफोटी, दीपा बिष्ट, उमा बिष्ट, पीतांबर चंदोला, भगत सिंह कोरंगा, पूर्व सैनिक बीडी भट्ट, गंगा दफोटी, सैनिक संगठन अध्यक्ष लाल सिंह कोरंगा, मोहन चंद्र जोशी, पूर्व प्रधान नारायणी कोरंगा, बिशन सिंह कोरंगा, चंचल सिंह रौतेला, हेम सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

शांतिपुरी के सरकारी अस्पताल में लंबे समय से डॉक्टरों की पद रिक्त हैं तो वहीं आपातकालीन चिकित्सा सेवा पूरी तरह से ठप है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री यह बयान देते हैं कि हमारे डॉक्टर मरीज को ढूंढ रहे हैं लेकिन यहां तो पूरा अस्पताल ही डॉक्टरों को ढूंढ रहा है। ऐसी हालत में इस तरह की बयान बाजी करना प्रदेश की भोली भाली जनता का मजाक उड़ाना है। मेरी मांग है कि शांतिपुरी अस्पताल में अविलंब आकस्मिक चिकित्सा सेवा शुरू करने की साथ ही चिकित्सकों की स्थाई तैनाती की जाए।

**–विनोद कोरंगा**, पूर्व जिला पंचायत सदस्य।

शांतिपुरी सैनिक बाहुल्य क्षेत्र और यहां के सरकारी अस्पताल पर 45 से 50 हजार आबादी चिकित्सा सुविधाओं के लिए निर्भर है। ऐसे में अस्पताल में इमरजेंसी चिकित्सा सेवा डॉक्टरों की नियुक्ति एवं एंबुलेंस सेवा जैसे महत्वपूर्ण सुविधाओं का न होना, क्षेत्र की घोर उपेक्षा है। जिस पर सरकार को जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए और लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

**–सूबेदार मेजर लाल सिंह कोरंगा**, सेवानिवृत्ति अध्यक्ष सैनिक संगठन शांतिपुरी।

हम ग्रामीण क्षेत्र के निवासी हैं। 15 से 20 किलोमीटर क्षेत्र में यह एकमात्र सरकारी अस्पताल है जहां पर न डॉक्टर है, न इमरजेंसी सेवा। ऐसे में महिलाओं की डिलीवरी होती है या कोई इमरजेंसी होती है तो ग्रामीणों को बहुत ही परेशानी उठानी पड़ती है। उन्हें मजबूरन बाहर महंगे अस्पतालों में जाना पड़ता है। आखिर सरकार हमारी समस्या कब समझेगी और कब लोगों को उचित इलाज मिल सकेगा।

**–नारायणी देवी**, पूर्व प्रधान।

# फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी कर रहे शिक्षक पर केस दर्ज

संवाददाता सितारगंज

- **बीईओ ने कूटरचित तरीके से शिक्षा विभाग में नियुक्ति प्राप्त करने की एसएसपी से की थी शिकायत**

**अमृत विचारः** फर्जी बीटीसी प्रमाण पत्र के आधार पर शिक्षा विभाग में नियुक्ति प्राप्त करने के मामले में पुलिस ने एक शिक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

बीईओ भानु प्रताप कुशवाहा ने बताया कि देवरिया (यूपी) निवासी अनिल कुमार ने 1999 में जीपीएस, झिरगांव (चमोली) में नियुक्ति मिली थी। बताया कि 10 जनवरी 2025 को उच्चाधिकारी के निर्देश पर आरोपी शिक्षक के बीटीसी प्रमाण पत्र की जांच के लिए उसे प्राचार्य, जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्था, चमोली को भेजा था। 18 जनवरी 2025 को डाइट, चमोली से आई जांच रिपोर्ट में बताया गया कि अनिल कुमार का बीटीसी अनुक्रमांक 515 है। उसके अंकतालिका में हुए प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर भी संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।

यह भी बताया कि आरोपी शिक्षक ने समान नाम के किसी अन्य व्यक्ति के बीटीसी प्रमाण पत्र को कूटरचित तरीके से तैयार किया। अतः बीटीसी प्रमाण पत्र पूर्णत फर्जी है। इस पर विभाग ने आरोपी शिक्षक को स्पष्टीकरण देने का तीन मौका दिया। लेकिन, वह विभाग को कोई संतोषपूर्ण स्पष्टीकरण नहीं दे सका। इसके बाद बीईओ और जिला एवं प्रशिक्षण संस्था चमोली से आई सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर डीईओ (बेसिक) हरेंद्र कुमार मिश्रा ने प्रधानाध्यापक अनिल कुमार को पहले निलंबित किया। फिर, 25 अगस्त 2025 को उसे बर्खास्त कर दिया गया था। वहीं, पुलिस ने शिक्षक अनिल कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

कूटरचित तरीके से फर्जी बीटीसी प्रमाण पत्र बनाकर शिक्षा विभाग में नियुक्ति प्राप्त करने के आरोप में अनिल कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर एसएसपी मणिकांत मिश्रा को प्रार्थना पत्र दिया है।

**– भानु प्रताप कुशवाहा**, बीईओ सितारगंज

फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी करने वाले शिक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। **– बीएस धौनी**, सीओ सितारगंज

# बेखौफ जारी है लकड़ी की तस्करी वन विभाग की भूमिका पर सवाल

संवाददाता, खटीमा

**अमृत विचारः** वन विभाग की कथित चौकसी के बावजूद क्षेत्र में साइकिलों के जरिए हरे पेड़ों की लकड़ियों और कीमती गिल्टों की तस्करी बेखौफ जारी है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह खेल वन कर्मियों की मिलीभगत से चल रहा है। चर्चा है कि विभाग मजदूरों को नकद मजदूरी के बजाय जंगल से लकड़ी काटकर बाजार में बेचने की अलिखित छूट दे रहा है, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है। जानकार बताते हैं कि जंगल में वन विभाग के लिए काम करने वाले मजदूरों को मजदूरी के बदले लकड़ी काट कर ले जाने

खटीमा में जंगलों से लकड़ी ले जातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

की अनुमति देना बताया जाता है। दिनभर जंगल में काम करने वाले मजदूरों को वन विभाग मजदूरी नहीं देता है। इन मजदूरों को जंगल से लकड़ी काटकर उसे बाजार में बेचकर अपनी मजदूरी वसूली जाती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप प्रभागीय वनाधिकारी संचिता वर्मा ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मजदूरों को मजदूरी के बदले लकड़ी ले जाने की अनुमति के दावों की पड़ताल कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## बाइक सवार युवक की मौत

**सितारगंज :** अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गयी।

गुरुवार को देर रात्रि पुलिस को किच्छा मार्ग पर इंदिरा कॉलोनी के पास हाइवे किनारे दो युवकों के पड़े होने की सूचना मिली। मौके पर क्षतिग्रस्त बाइक पड़ी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने 35 वर्षीय धीरज सिंह निवासी नौगवांठग्गू, खटीमा को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरा घायल संदीप उर्फ गुड्डू निवासी नौगवाठग्गू, खटीमा को परिजन खटीमा के निजी चिकित्सालय ले गये। शुक्रवार को एएसआई प्रेम सिंह ने शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

# श्रमिकों को सुविधाएं देने के लिए सरकार कटिबद्ध

- **दिनेशपुर में पंजीकृत 102 श्रमिकों को मजदूरी टूलकिट, 18 श्रमिकों को कंबल, 64 श्रमिकों को छाते वितरण किए गए**

संवाददाता, दिनेशपुर

**अमृत विचारः** भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने कहा कि प्रदेश सरकार उत्तराखंड भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों को दी जाने वाली सुविधा को कटिबद्ध है। पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, पुत्री विवाह, वृद्धा व कुटुंब पेंशन, भवन निर्माण जैसी अनेक सुविधाएं सुचारू की गई हैं। इस दौरान अतिथियों द्वारा 102 श्रमिकों को मजदूरी टूलकिट, 64 श्रमिकों को छाते व 18 श्रमिकों को कंबल वितरण किए गए।

श्रमिकों को कंबल व टूलकिट का वितरित करते भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा।

शुक्रवार को नगर पंचायत सामुदायिक भवन में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों को कंबल, छाता व मजदूरी टूलकिट मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा व नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर, अतिविशिष्ट अतिथि नपं पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क व बाजपुर श्रम प्रवर्तन अधिकारी राजेंद्र सिंह ने वितरण किए। श्रम परिवर्तन अधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि शासन द्वारा पंजीकृत श्रमिकों को दी जाने वाली सभी सुविधाएं पंजीकृत करवाने के 90 दिन बाद उपलब्ध करवाई जाती है। नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत श्रमिकों की सुविधाएं समय-समय पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। संचालन सभासद संजय सरकार ने किया। इस मौके पर नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी मोहम्मद यामीन, अतिविशिष्ट अतिथि नपं पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क, डब्लूएफसी नवीन चौहान व कीरत सिंह, सभासद प्रतिनिधि विशंभर बैरागी, बलिहार सिंह, चेतन सुखीजा, बनमाली विश्वास, केके गावा, अशोक अरोरा, अशोक कालड़ा आदि मौजूद रहे।

रोष

महापौर पर किया जमकर कटाक्ष, बोले–कुर्सी संभालते ही मची त्राहि–त्राहि

# अभद्र बयान पर भड़के व्यापार मंडल अध्यक्ष जुनेजा

संवाददाता, रुद्रपुर

**अमृत विचारः** महापौर के बयानों पर पलटवार का दौर बढ़ता ही जा रहा है। जहां कांग्रेस नेता ने अपनी भड़ास निकाली थी। वहीं अब महापौर के अभद्र बयान पर प्रतिक्रिया करते हुए प्रांतीय व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष संजय जुनेजा ने कहा कि हम विधायक बेहड़ के साथ हमेशा रहेंगे, लेकिन जिस दिन उन के प्रदेश के आका नहीं होंगे तो वह किसी लायक नहीं रहेंगे। कारण महापौर की कुर्सी संभालते ही शहर में त्राहि-त्राहि मची हुई है। उन्होंने कहा कि वह भी व्यापार मंडल के अध्यक्ष और इस्तीफा देकर उनके सामने चुनाव लड़कर देखें कि जनता क्या जवाब देती है।

प्रेस वार्ता करते व्यापारी नेता संजय जुनेजा। ● अमृत विचार

शुक्रवार को प्रेस वार्ता करते हुए महानगर अध्यक्ष जुनेजा ने बताया कि पिछले कुछ माह से महापौर विकास शर्मा चुनाव जीतते ही उन्हें चंगु-मंगु शब्दों का प्रयोग करते हैं। पिछले एक साल से शहर में त्राहि-त्राहि मची हुई है और महापौर किच्छा विधायक बेहड़ को चुनाव हराने, संपत्ति की जांच और अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते आ रहे हैं। व्यापारी वर्ग हो या फिर गरीब कारोबारी प्रताड़ित हो रहा है। रोजगार पाने के लिए व्यापारी भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंकिता हत्याकांड को लेकर सिर मुंडाने पर भी महापौर ने माता-पिता के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया। स्थिति यह है कि आम जनता हो या फिर व्यापारी अपनी समस्या रखने से घबरा रहा है। कारण विकास कार्य नहीं, बल्कि महापौर खौफ की राजनीति कर रहे हैं। जिसका जवाब जल्द ही जनता देगी। कारण महापौर को विपक्ष नहीं, बल्कि सत्ताधारी जनप्रतिनिधि भी बर्दाश्त नहीं है। इस मौके पर सोफिया नाज, रणजीत सिंह राणा, विजय यादव, हरीश अरोरा, राधेश्याम मिश्रा, शिशुपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

### मैं कभी अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं करताः महापौर

**रुद्रपुर :** महापौर विकास शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में वार्ड हो या फिर शहरी इलाका अतिक्रमण और यातायात की समस्या से जूझ रहा है। कारोबार की आड़ में बाहरी तत्व शहर में आकर आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, लेकिन जब जनता ने उन्हें मेयर बनाया है। उनका प्रयास यह है कि सभी वार्डों का विकास हो और शहर की यातायात व्यवस्था सुदृढ बने। इसके लिए कुछ कठोर निर्णय लिए गए है। कांग्रेस ने हमेशा बाहरी तत्वों को लाकर बसाया और अतिक्रमण कराया। विकास की कभी कोई सोच नहीं रही। हमेशा विशेष जाति पर रहम और अन्य धर्मों को प्रताड़ित करना कांग्रेस की नीति रही है। कांग्रेस नेता भ्रामक बयानबाजी कर झूठी राजनीति पर उतारू हैं।

# खनन वाहन की चपेट में आने से फौजी की मौत, पिता गंभीर घायल

संवाददाता सितारगंज

**अमृत विचार :** खटीमा से घर लौट रहें आइटीबीपी जवान की सड़क हादसे में मौत हो गई। जबकि, उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे मोर्चरी में रखवा दिया है।

त्रिलोक कुमार।

गांव कैलाशपुरी निवासी त्रिलोक कुमार (30) शुक्रवार देर शाम अपने पिता ओमप्रकाश के साथ बाइक से खटीमा से घर लौट रहा था। तभी गांव बघौरी के पास किच्छा हाईवे पर एक रेस्टोरेंट के सामने खनन वाहन ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। इससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को उप जिला अस्पताल, सितारगंज में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने त्रिलोक को मृत घोषित कर दिया। वहीं, उसके पिता के गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

परिजनों ने बताया कि त्रिलोक आइटीबीपी का जवान था। इस समय वह लद्दाख में पोस्टेड था। कुछ दिनों पहले ही छुट्टियों पर घर आया था। बताया कि वह अपने पिता के साथ खटीमा में किसी रिश्तेदार से मिलने गया था।

### हाईवे पर दिन-रात दौड़ रहे खनन वाहन

**सितारगंज :** इन दिनों कैलाश नदी पर धड़ल्ले से खनन का कार्य चल रहा है। हाईवे पर दिन–रात खनन वाहन सरपट दौड़ रहे हैं। इसी बीच खनन वाहन की टक्कर से आईटीबीपी जवान की मौत हो गई। सवाल यह है कि रात क्या अंधेरे में नदी का सीना चीर कर उप खनिज निकाल रहे खनन माफियाओं पर प्रशासन कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? आखिर किसके इजाज़त से खनन वाहन रात तक हाइवे दौड़ रहें है। प्रशासन के मौन रहने के कारण आए दिन किसी न किसी की मौत हो रही है।

## सिटी ब्रीफ

### भाजपा नेता का पर्स झपटने वाला गिरफ्तार

**जसपुर :** भाजपा नेता से बाजार में पर्स झपटकर भागने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बीते सोमवार को भाजपा नेता कमल चौहान बाजार में एक मेडिकल स्टोर से दवाई लेने गए थे। तभी एक झपट्टा मार उनके हाथ से पर्स झपट कर फरार हो गया था। घटना की तहरीर कमल चौहान ने कोतवाली में दी थी। मामले में कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहल्ला नई बस्ती निवासी शहजाद उर्फ सेबी को गिरफ्तार कर आरोपी के पास से पीड़ित का पर्स मय रकम के बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर किया है।

### हादसे के आरोप में बस चालक पर मुकदमा दर्ज

**बाजपुर :** बरहैनी क्षेत्र में पांच दिन पूर्व हुए सड़क हादसे में पुलिस ने आरोपी बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम बरहैनी निवासी हरीश चंद्र सिंह नेगी अपनी पत्नी विनीता के साथ बाइक से दूध लेने जा रहे थे। इसी दौरान बाजपुर की ओर से आ रही एक प्राइवेट बस ने लापरवाही से चलाते हुए उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में विनीता के सिर पर गंभीर चोट आने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। पति की तहरीर पर पुलिस ने बस चालक व परिचालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

### पुराने वाहनों की नीलामी, 3 लाख रुपये में छूटी बोली

**किच्छा :** कोतवाली परिसर में लंबे समय से खड़े 29 पुराने वाहनों की नीलामी प्रक्रिया तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी के निर्देशन में संपन्न हुई। इसमें 28 दो-पहिया वाहन और एक नैनो कार शामिल थी। नीलामी में भाग लेने के लिए 73 लोगों ने 30-30 हजार रुपये की जमानत राशि जमा कर पंजीकरण कराया था। प्रशासन द्वारा नीलामी के लिए 1.50 लाख रुपये का आधार मूल्य निर्धारित किया गया था, जो बोली के दौरान बढ़कर 3,00,500 रुपये तक पहुंच गया। बरेली (बहेड़ी) निवासी मोहम्मद अहमद ने सबसे ऊंची बोली लगाकर इन वाहनों को अपने नाम किया। मालखाना प्रभारी संतोष यादव ने बताया कि 18 प्रतिशत जीएसटी जमा करने के बाद सभी वाहन खरीदार को सौंप दिए जाएंगे।

### सात सदस्यों पर लगा गैंगस्टर एक्ट

**किच्छा :** कोतवाली पुलिस ने संगठित अपराध पर लगाम कसते हुए हरियाणा के एक अंतरराज्यीय गैंग पर गैंगस्टर अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू की तहरीर पर गैंग लीडर सूरज उर्फ माफिया सहित सोनीपत और रोहतक निवासी आरोपियों हरेन्द्र उर्फ बिट्टू, राहुल सिंह, मोहित जाधव, अजीत घोष तथा राहुल के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह योजनाबद्ध तरीके से चोरी, लूट और डकैती जैसी वारदातों को अंजाम देकर अवैध धन अर्जित करता था। आरोपियों के खिलाफ हरियाणा और उत्तराखंड के विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### 13 के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा

**खटीमा :** पुलिस ने जातिसूचक शब्द का प्रयोग करते हुए गाली गलौज और मारपीट के आरोप में दर्जनभर से अधिक लोगों के खिलाफ एससी-एसटी के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस को सौंपी तहरीर में जमौर निवासी राम सिंह ने कहा है कि 26 अगस्त को रात्रि में एकराय होकर दिलशाद, दानिश, मुमताज, इसकार, भूरा, इकरार, इकबाल, इरशाद, नाजिम हुसैन, नफीस, मोहम्मद साजिद, फजूल और मसरूफ निवासी जमौर ने उसके पुत्र सुरेंद्र सिंह राणा को जमौर की पानी की टंकी में बुलाकर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया करते हुए गाली गलौज और मारपीट की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि पीड़ित ने जनजाति आयोग देहरादून के अध्यक्ष को भी पत्र प्रेषित किया है।

### ठंड से बढ़ी लोगों की मुसीबत, दिन में धूप

**काशीपुर :** दो दिन बाद सूरज के दर्शन हुए, तो लोगों ने दिन भर धूप सेंकी। जैसे ही सूरज ढला, तो फिर हाड़ कंपाने वाली ठंड शुरू हो गई। शाम को गलन काफी बढ़ गई और लोग अपने घरों में जल्द ही घुस गए। रात के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। शुक्रवार सुबह घना कोहरा था और धूप निकलने के आसार नहीं थे। सुबह करीब 11 बजे के आसपास धूप खिलनी शुरू हुई, जो दिन भर रही है।

# सीलिंग की 128 बीघा भूमि राज्य सरकार के अधीन, सूचना चस्पा

## विधायक और बुजुर्ग महिला के विवाद में नया मोड़, कब्जाधारकों को 15 दिन का अल्टीमेटम

संवाददाता, बाजपुर

**अमृत विचार:** तहसील अंतर्गत ग्राम बिचपुरी में प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 128 बीघा भूमि को ''अतिरिक्त सीलिंग भूमि'' घोषित कर राज्य सरकार की संपत्ति घोषित कर दिया है। शुक्रवार को उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा और पुलिस क्षेत्राधिकारी विभव सैनी के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर सरकारी स्वामित्व के सूचना बोर्ड चस्पा कर दिए।

तहसीलदार बाजपुर द्वारा लगाए गए बोर्डों के अनुसार, यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय (सिविल अपील 662/1995) और उच्च न्यायालय (रिट याचिका 2037/2000) के आदेशों के अनुपालन में की गई है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) द्वारा सीलिंग वाद संख्या 51/82 (वर्ष 1974-75) में 21 नवंबर 2025 को पारित आदेश के तहत ग्राम बिचपुरी और ग्राम गुमसानी की लगभग 64-64 बीघा (कुल 128 बीघा) भूमि को अतिरिक्त सीलिंग भूमि माना गया है।

बाजपुर में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में भूमि पर कब्जे को लेकर लगाया गया नोटिस बोर्ड। ● अमृत विचार

### प्रशासन का 'मास्टर स्ट्रोक'

**बाजपुर :** एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा द्वारा गठित संयुक्त जांच कमेटी (राजस्व, चकबंदी और पुलिस) ने दस्तावेजों को खंगाला तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पाया गया कि जिस भूमि पर मालिकाना हक का दावा किया जा रहा था, वह वास्तव में सीलिंग की सरकारी भूमि है। इस मास्टर स्ट्रोक से न केवल शिकायतकर्ता महिला का दावा खत्म हो गया, बल्कि वहां बने करोड़ों रुपये के पांच निजी बीएड और नर्सिंग कॉलेजों के अस्तित्व पर भी संकट मंडरा गया है।

### 15 दिन का समय और चेतावनी

**बाजपुर :** एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा ने स्पष्ट किया है कि खाली भूमि को तत्काल कब्जे में ले लिया गया है। जिन हिस्सों पर शिक्षण संस्थान या अन्य भवन निर्मित हैं, उन्हें खाली करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। यदि निर्धारित अवधि में कब्जा नहीं हटाया गया, तो प्रशासन बलपूर्वक कार्रवाई कर भूमि को पूर्णत: मुक्त कराएगा। मौके पर तहसीलदार प्रताप सिंह चौहान, केलाखेड़ा थानाध्यक्ष डीवी सोलंकी सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा।

उल्लेखनीय है कि यह भूमि हाल ही में तब चर्चा में आई थी जब बिचपुरी निवासी परमजीत कौर ने गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय पर जबरन कब्जे का आरोप लगाया था।

इस विवाद के बाद बुजुर्ग महिला और उनके बेटे अवतार सिंह धरने पर बैठ गए थे। विधायक पांडेय ने भी इन आरोपों को खारिज करते हुए मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी और शुक्रवार सुबह ही एसडीएम को पत्र देकर महिला को कब्जा दिलाने की सहमति दी थी।

### ट्रक की चपेट में आकर बैंक कर्मी की हुई मौत

**काशीपुर:** ट्रक की चपेट में आकर बैंककर्मी की मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूपी के ग्राम पीपली नायक हाल निवासी हिम्मतपुर 28 वर्षीय अरुण कुमार अपने परिवार के साथ यहां किराए के मकान में रहते थे। वह बिलासपुर में पीएनबी की एक शाखा में मल्टी टास्किंग स्टाफ के रूप में कार्यरत थे। वर्तमान में बैंक की छुट्टी होने के चलते ग्राम पिपली से गुरुवार की देर शाम वह वापस हिम्मतपुर आ रहे थे। इस दौरान बाजपुर रोड पर एक ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिसके चलते अरुण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची आईटीआई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक चार भाई बहनों में सबसे बड़ा था।

वही दो बहनों की मंगनी हो चुकी है। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक बेटी और बेटे को परिवार समेत रोता हुआ छोड़ गया। कोतवाल रवि सैनी ने बताया कि मामले में भी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। ट्रक को एहतियातन कब्जे में लिया गया है। तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# दर्जा राज्य मंत्री ने सुनीं समस्याएं, कंबल बांटे

जसपुर में कंबल वितरित करते दर्जा मंत्री विनय रुहेला। ● अमृत विचार

संवाददाता, जसपुर

**अमृत विचार:** राज्य आपदा प्रबंधन उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने क्षेत्र का भ्रमण कर ठंड से बचाव की व्यवस्थाओं को परखा तथा लोगों की समस्याएं सुनीं। साथ ही नगर पालिका में गरीबों को कंबल बांटे। शुक्रवार को विनय रूहेला नगर पालिका पहुंचे। यहां भाजपाइयों ने उनका फूल माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान रूहेला ने लोगों की समस्याओं को सुना। साथ ही नगर में अलाव की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। पालिकाध्यक्ष नौशाद सम्राट ने नगर के बड़े नाले, नालियां, सड़कों की मरम्मत कराने को आपदा फंड से रकम दिलाने तथा पालिका को 200 पर्यावरण मित्र के लिए मांग पत्र सौंपे। कार्यक्रम के दौरान दर्जा मंत्री ने पालिका में 50 गरीबों को कंबल बांटे। इसके बाद विनय रुहेला ने ग्राम मंडुवाखेड़ा में राष्ट्रीय ध्वज के स्थल चयन के लिए लोगों से चर्चा की तथा कटारमल देवता के दर्शन कर पूजा अर्चना की। विनय रूहेला ने कहा कि सरकार जन जन के द्वार जा रही है। उनकी समस्याएं सुनकर उनका निदान कर रही है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान रूहेला भाजपा नेता मनोज तोमर के घर पहुंचे तथा उनकी मां के निधन पर शोक जताया। इस दौरान गन्ना सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष मंजीत राजू, जिलाध्यक्ष मनोज पाल, राजकुमार सिंह, गुरताज भुल्लर, डॉ. यूनुस चौधरी, कमल चौहान, ईओ उदयवीर सिंह, नीलकमल, रवि मणी, गौतम गिरी, ललित शर्मा, सुरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

# मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से किसानों में आक्रोश, ज्ञापन सौंपा

संवाददाता, काशीपुर

**अमृत विचार:** विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान रोष व्यक्त कर कहा कि लंबे समय से किसानों की समस्याओं का निस्तारण नहीं हो रहा है। उन्होंने मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की।

बृहस्पतिवार को संगठन से जुड़े अवतार सिंह के नेतृत्व में किसान एसडीएम कार्यालय पर एकत्र हुए। एसडीएम कार्यालय में सौंपे ज्ञापन में कहा कि किसानों के 13 महीने चले आंदोलन के बाद केंद्र सरकार ने तीन काले कानून को वापस लिया था। तब समझौते में न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानून बनाने, बिजली बिल को निरस्त करने जैसे मुद्दों को किसानों के साथ बैठक करके हल करने का भरोसा दिलाया था। सरकार ने आज तक अपना वायदा पूरा नहीं किया। किसान आंदोलन में 736 किसानों ने अपनी जान की शहादत दी थी। बावजूद इसके न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून नहीं बनाया गया। वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने किसानों से परामर्श के बिना बिजली संशोधन विधेयक लागू न करने का वायदा किया था। इसके बावजूद सरकार बिजली विधेयक 2025 ले आई। विधेयक 2025 के माध्यम से बीज आपूर्ति पर कारपोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का पूरा बाजार नियंत्रण थोप दिया। मनरेगा की जगह बीबी ग्रामजी योजना लाकर 100 दिन के काम की गारंटी का कानून खत्म कर दिया। मांग कर कहा कि बीज विधेयक व बिजली विधेयक 2025, मजदूर विरोधी चार लेबर कोड्स को रद्द किया जाए। इस दौरान हरस्वरूप सिंह, सतपाल सिंह, रंजीत सिंह, सलीम, जाकिर, साजिद हुसैन, अमित, बलविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में एसडीएम कार्यालय में पेशकार को ज्ञापन सौंपते किसान। ● अमृत विचार

बाजपुर में एसडीएम डॉ .अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपते किसान। ● अमृत विचार

### जनविरोधी कानूनों के खिलाफ गरजे किसान

**बाजपुर :** संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुक्रवार को किसानों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में किसानों ने विद्युत बिल-2025, बीज बिल-2025 और मुक्त व्यापार समझौते को तत्काल वापस लेने की मांग की। किसानों का कहना है कि ये कानून कृषि क्षेत्र पर निजी कंपनियों का नियंत्रण बढ़ाएंगे और खाद्य सुरक्षा के लिए संकट पैदा करेंगे। ज्ञापन में सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी और किसानों को पूर्ण ऋण मुक्त करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। मोर्चा ने चेतावनी दी कि बिना परामर्श ऐसे कानून लागू करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन एकता (उग्राहां) के प्रदेश अध्यक्ष जनकवि बल्ली सिंह चीमा, भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक जगतार सिंह बाजवा, बीकेयू के ब्लाक अध्यक्ष प्रताप सिंह संधू, दर्शन लाल गोयल, महेंद्र सिंह रंधावा, गुरमेल सिंह, जगदीप सिंह रंधावा, सुखदेव सिंह, राजकिशोर सिंह, सुनील पाठक आदि मौजूद रहे।

### गन्ना भुगतान में देरी पर किसानों का फूटा गुस्सा

**बाजपुर :** गन्ना मूल्य भुगतान में हो रही देरी और अन्य समस्याओं को लेकर क्षेत्र के किसान लामबंद हो गए हैं। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा के नेतृत्व में किसानों ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। किसानों का आरोप है कि ''केन एक्ट'' के अनुसार 15 दिनों में भुगतान अनिवार्य है, लेकिन बाजपुर शुगर मिल समय पर पैसा नहीं दे रही है। आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसान कम दाम पर बाहर गन्ना बेचने को मजबूर हैं। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समय पर भुगतान और उचित मूल्य नहीं मिला, तो वे गन्ने की खेती से पूरी तरह किनारा कर लेंगे। इस मौके पर भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा, प्रदेश सचिव बिजेंद्र सिंह डोगरा, ब्लाक अध्यक्ष प्रताप सिंह संधू, जगदीप सिंह, अजीत सिंह, सुखजीत सिंह, अनिल आदि मौजूद रहे।

### गन्ने के लिये उत्तम बीज का चुनाव करें

**काशीपुर:** गन्ना किसान संस्थान एवं प्रशिक्षण केंद्र की ओर से गन्ना विकास परिषद परिक्षेत्र के ग्राम बसई में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी हुई।

इस दौरान किसानों को संबोधित करते हुए गन्ना विभाग के प्रचार एवं जनसंपर्क अधिकारी नीलेश कुमार ने बताया कि गन्ने की कृषि में गहराई और दूरी का बहुत महत्व होता है। किसान इसका पालन करें। गहराई में गूल खोलकर गन्ने की बुवाई करें। इससे गन्ने को फैलाव में मदद मिलेगी। आगामी बसंत कालीन गन्ना बुवाई का समय अब निकट है। ऐसे में किसान अपने खेत की तैयारी कर के ही गन्ने की बुवाई प्रारंभ करें। इसके लिए उत्तम बीज का चुनाव करें। प्रत्येक कृषक को नवीनतम तकनीक के आधार पर गन्ना की कृषि की जानी चाहिए। हमें अपनी भूमि की जांच करानी चाहिए। भूमि में 16 प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते हैं। जांच करने पर हमें पता चलेगा कि हमारी भूमि में कौन सी तत्व की कमी है और उसकी पूर्ति करने से हमारे जमीन की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

काशीपुर में विवेकाधीन कोष के चेक वितरित करते विधायक। ● अमृत विचार

### विधायक ने सौंपे मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के चेक

**काशीपुर :** विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से प्राप्त कुल 50 हजार रुपये राशि के दो चेकों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि लाभान्वितों में बांसखेड़ा खुर्द निवासी राधा पत्नी स्व. कृष्णा कुमार को 25 हजार और विंध्यवासिनी कॉलोनी निवासी दुर्गावती पांडेय पत्नी स्व. चंद्रमा पांडेय को 25 हजार रुपये का चेक उपचारार्थ मद में दिया गया है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवार को आर्थिक तंगी के समय जो भी राशि मिल जाए उससे उसको थोड़ा सहारा जरूर मिलता है।

### नियमों का पालन करें ई-रिक्शा चालक

**काशीपुर :** ई-रिक्शा और टेंपो चालक सवारियों से बेहतर व्यवहार रखें, नियमों का पालन करें और कहीं हादसा हुआ देख तो घायल को अस्पताल तक पहुंचाएं। यातायात पुलिस ने 36 वां सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। यातायात निरीक्षक अरुण कुमार ने काशीपुर के एमपी चौराहा, स्टेडियम तिराहा पर जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के तहत ई रिक्शा और टेंपो चालकों को यातायात नियम की जानकारी दी। ई-रिक्शा व टैंपो चालकों को अपने व्यवहार में बदलाव लाने को कहा गया है। यदि किसी सवारी का सामान रह जाए तो उसकी सूचना पुलिस को दें।

अमाऊं आंगनबाड़ी केंद्र पर टेक होम राशन के साथ किशोरियां और अन्य।

### महालक्ष्मी किट व टेक होम सामग्री वितरित

**खटीमा :** आंगनबाड़ी केंद्र अमाऊं द्वितीय में किशोरी बालिका, गर्भवती महिलाओं को सरकार से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारियां दी गईं। साथ ही महालक्ष्मी किट एवं टेक होम सामग्री वितरित की गई। आंगनबाड़ी कार्यकत्री विद्यावती ने बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ, मातृ वंदना, अन्नप्राशन, गोद भराई आदि की जानकारियां दीं। कार्यक्रम में नाजिया को महालक्ष्मी किट वितरित किया गया। इस अवसर पर जमोन्तरी देवी - सहायिका, नाजिश, अनीता देवी, मेघा, अलंकृता, तबस्सुम, मीनाक्षी, नीतू, ओसीन आदि सम्मिलित थीं।

खिचड़ी वितरण के दौरान भाजपा पूर्व प्रदेश महासचिव राजू भंडारी व अन्य।

### खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण करने के लिए उमड़े श्रद्धालु

**खटीमा :** मकर संक्रांति पर शुक्रवार को सितारगंज मार्ग पर व्यापारियों ने खिचड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। खिचड़ी भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए सितारगंज मार्ग के व्यापारियों के साथ आने जाने वाले लोगों ने खिचड़ी का आनंद उठाया। राहगीरों ने खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश महासचिव राजू भंडारी, रोशन रावत, हिमांशु अग्रवाल, आशीष कुमार उर्फ अन्नु, सुधीर चौधरी, सुमित बंसल, अंकुश त्यागी, सुमित यादव, हिमांशु अग्रवाल, संजू सक्सेना, नवीन अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

**अनदेखी** — घने कोहरे में लोहे के एंगल आमजन के लिए जानलेवा साबित हो रहे

# दशमेश चौक पर खड़े लोहे के एंगल बने मुसीबत

संवाददाता, काशीपुर

**अमृत विचार:** सर्दी के मौसम में क्षेत्र इन दिनों घने कोहरे की चपेट में है। दिन के समय भी दृश्यता बेहद कम हो रही है, वहीं रात के अंधेरे में हालात और ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। ऐसे में काशीपुर आवास विकास क्षेत्र स्थित दशमेश चौक पर सड़क के बीचों-बीच लगे लोहे के एंगल आमजन के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार घने कोहरे में ये लोहे के एंगल दिखाई नहीं देते, जिससे आए दिन मोटरसाइकिल और कार दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालक इनसे टकराकर गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। कई मामलों में वाहन क्षतिग्रस्त होने के साथ-साथ लोगों को अस्पताल तक पहुंचना पड़ा है।

रात के समय स्थिति और भयावह हो जाती है। न तो सड़क पर पर्याप्त रोशनी है और न ही इन लोहे के एंगलों पर कोई रिफ्लेक्टर या चेतावनी संकेत लगाया गया है। नतीजतन, वाहन चालक अचानक सामने आए इन एंगलों से टकरा जाते हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व इसी स्थान पर सरबरखेड़ा निवासी एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल घने कोहरे के कारण सड़क के बीच खड़े लोहे के एंगल से टकरा गई थी। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि उसकी जान बचाना मुश्किल हो गया था और उसके परिजनों को लंबे समय तक मानसिक व आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

इसके बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इन लोहे के एंगलों को सड़क से हटाया नहीं गया तो कोई बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

काशीपुर में आवास विकास क्षेत्र में सड़क पर खड़े लोहे के एंगल। ● अमृत विचार

### आठवीं पुण्यतिथि पर याद किए डॉ. नैने

**पंतनगर:** गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फसल अनुसंधान केंद्र के सेंटर फॉर वृक्षायुर्वेद रिसर्च एवं ट्रेनिंग सेंटर में एशियन एग्री-हिस्ट्री फाउंडेशन (एएएचएफ) के मुख्यालय की ओर से फसल अनुसंधान केंद्र के ब्लॉक डी 07 में डॉ. वाईएल नैने की आठवीं पुण्यतिथि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शुभारंभ एशियन एग्री-हिस्ट्री फाउंडेशन की कार्यकारी सचिव व प्रोफेसर सस्य विज्ञान विभाग की डॉ.सुनीता टी पांडे ने किया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान डॉ.सुनीता ने डॉ. नैने के विश्वविद्यालय में किये गए उत्कृष्ट शोध एवं विकास संबंधी प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

# धोखाधड़ी कर अपनी व भाइयों की जमीन बेची

संवाददाता, जसपुर

**अमृत विचार:** दो भाइयों द्वारा अपनी जमीन के साथ अपने भाइयों के हिस्से की जमीन भी धोखाधड़ी कर बेचने का मामला सामने आया है। भूमि पर अवैध कब्जे का विरोध करने के दौरान खरीददारों पर बंदूक से फायर कर जानलेवा हमला करने का आरोप है। मामले में कोर्ट के आदेश पर एक महिला समेत छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी एवं जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज हुआ है। यूपी के बिजनौर कोर्ट के आदेश पर रेहड़ थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में सउद खां पुत्र मकसूद ने कहा कि जसपुर के बार्डर गांव रायपुरी में उनकी कृषि भूमि है। इसका आधा भाग उसके व उसके छोटे भाई दाउद के नाम है। जबकि आधा भाग उसके तहेरे भाई अय्यूब एवं कय्यूम के नाम दर्ज है। आरोप है कि अय्यूब एवं कय्यूम ने खरीदार से हमसाज होकर धोखाधड़ी करते हुए अपने हिस्से की भूमि से अधिक कृषि भूमि का बैनामा बबीता रानी निवासी मो. दिल्ला सिंह, जसपुर के नाम कर दिया। बैनामे में गांव अलीगंज के निवासी प्यारा सिंह, जोगिंदर सिंह गवाह है। बीती छह अक्तूबर को खरीदार पक्ष ने उसकी कृषि भूमि पर अवैध कब्जे का प्रयास किया। उसने विरोध किया तो उस पर तमंचे से फायर कर जानलेवा हमला कर दिया।

## ब्रीफ न्यूज

### पर्यावरण मित्रों का कार्य बहिष्कार जारी

**बनबसा :** देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ शाखा बनबसा के बैनर तले पर्यावरण मित्रों का तेरह सूत्रीय मांगों को लेकर सांकेतिक धरना एवं कार्य बहिष्कार शुक्रवार को भी जारी रहा। धरने में वक्ताओं ने कहा कि यदि नगर पंचायत प्रशासन द्वारा पर्यावरण मित्रों की जायज मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। पर्यावरण मित्रों ने कहा कि वे नगर की स्वच्छता व्यवस्था को वर्षों से पूरी निष्ठा से संभालते आ रहे हैं, लेकिन बार-बार अवगत कराने के बावजूद उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। कार्य बहिष्कार में सौरभ, सचिन, अरुण वाल्मीकि, सुनील, सौरभ, राजपाल, विजयपाल, नन्हेंलाल, अर्जुन, गोपू, मुकेश, राजाराम, शिवम कुमार, अमरपाल, शानू, सोनू, मिथिलेश, नीलम, लक्ष्मी, बृजेश आदि रहे।

### अंतरराष्ट्रीय विजिटिंग प्रोफेसर फैलोशिप शुरू

**हल्द्वानी :** उत्तराखंड मुक्त विवि ने ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय विजिटिंग प्रोफेसर फैलोशिप कार्यक्रम शुरू किया है। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों को दो सप्ताह के लिए विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया जाएगा। इन विशेषज्ञों के साथ अनुसंधान, कार्यशालाएं और अकादमिक संवाद किए जाएंगे।

# खेलों का पावर हाउस बनेगा लोहाघाट : आर्या

## खेल मंत्री ने किया 237 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन राज्य के पहले महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का निरीक्षण

- निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश

संवाददाता, लोहाघाट/चम्पावत

**अमृत विचार:** जनपद चम्पावत के लोहाघाट क्षेत्र स्थित छमनिया में लगभग 237 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन राज्य के पहले महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री एवं राज्य की खेल मंत्री रेखा आर्या ने निरीक्षण किया।

इस दौरान मंत्री रेखा आर्या ने कार्यदायी संस्था एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने लगभग तैयार हो चुके सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निरीक्षण किया और अभ्यास कर रही महिला खिलाड़ियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि लोहाघाट का महिला स्पोर्ट्स कॉलेज आने वाले समय में उत्तराखंड के लिए खेलों का पावर हाउस बनेगा और इससे प्रदेश की बेटियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलेंगी तथा वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने बताया कि इस स्पोर्ट्स कॉलेज में सभी खेल सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित की जा रही हैं।

लोहाघाट में निर्माणाधीन महिला स्पोर्ट्स कॉलेज के निरीक्षण के दौरान मंत्री रेखा आर्या का स्वागत करते बच्चे। ● अमृत विचार

निरीक्षण के दौरान उन्होने महिला स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर में फुटबॉल ग्राउंड, हॉकी ग्राउंड, वॉलीबॉल कोर्ट, अन्य खेल मैदान, खिलाड़ियों के लिए हॉस्टल, स्टाफ क्वार्टर एवं एडमिन ब्लॉक की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही, देरी या गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस महिला स्पोर्ट्स कॉलेज में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, फुटबॉल ग्राउंड, एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, 300 बालिकाओं की क्षमता वाले तीन छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, प्रशासनिक भवन, मल्टीपर्पज हॉल, एडमिन ब्लॉक, एकेडमिक ब्लॉक, ऑडिटोरियम और गेस्ट हाउस जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि यह संस्थान उत्तराखंड में महिला खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण, शिक्षा और आवास की एक समग्र व्यवस्था उपलब्ध कराएगा, जिससे ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, सुभाष बगोली, हिमेश कलखुड़िया, जिलाधिकारी मनीष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, उपजिलाधिकारी नीतू डांगर आदि मौजूद रहे।

# भैसोड़ी गांव में महिला पर झपटे दो गुलदार, घायल

संवाददाता, अल्मोड़ा

**अमृत विचार:** जिले में मानव वन्य जीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को विकासखंड ताकुला के ग्राम पंचायत भैसोड़ी में दो गुलदारों ने घर के पास एक महिला पर हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गई।

विकासखंड ताकुला के ग्राम पंचायत भैसोड़ी निवासी प्रेमा पांडे पत्नी मनीष पांडे शुक्रवार दोपहर घर के पास ही लकड़ी लेने गई थी। इसी दौरान घात लगाए दो गुलदारों ने उन पर हमला कर दिया। प्रेमा पांडे ने साहस दिखाते हुए दोनों गुलदारों का सामना किया। जिसमें वह घायल हो गई। आस पास के ग्रामीणों द्वारा शोर मचाने पर गुलदार जंगल की ओर भाग गए। इस घटना से पूरे गांव में भय और दहशत का माहौल है। गांव के पास प्राथमिक विद्यालय स्थित होने के कारण स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग को घटना की सूचना दे दी है। वहीं, रिहायसी इलाकों में वन्यजीवों की लगातार बढ़ रही आवाजाही से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने विभाग से गांव में पिंजरा लगाने व नियमित गश्त लगाने की मांग की है।

### जिले के हर ब्लॉक में गुलदार का आतंक

जिला मुख्यालय से लेकर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तक गुलदार का आतंक बरकरार है। कई स्थानों पर एक से ज्यादा गुलदार सक्रिय हैं। इस समय जिले में करीब 140 से अधिक गांवों में गुलदारों की सक्रियता सामने आ रही है। अल्मोड़ा नगर में ही कई स्थानों पर गुलदार आये दिन सीसीटीवी कैमरे में कैद हो रहा है। स्थिति यह है, कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अंधेरा होते ही घरों पर दुबकने को मजबूर हैं। वहीं स्कूल जाने वाले बच्चों में भी गुलदार का भय बना रहता है।

> ग्राम पंचायत भैसोड़ी में गुलदार हमले को लेकर सूचना के बाद वन विभाग की टीम गांव के लिए रवाना हो गई थी। महिला के शरीर में गुलदार के नाखून के निशान हुए है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही हैं।
> **-दीपक सिंह,** डीएफओ वन प्रभाग अल्मोड़ा

**इन ब्लॉकों में गुलदार का आतंक:** जिला मुख्यालय समेत विकासखंड हवालबाग, ताकुला, स्याल्दे, ताड़ीखेत, चौखुटिया, दन्या, लमगड़ा, धौलादेवी, भिकियासैंण, सल्ट, द्वाराहाट के दर्जनों गांवों में गुलदार का आतंक बना है। इन इलाकों में दिन दहाड़े गुलदार की धमक से लोगों में खौफ बना है।

# तीन साल की बच्ची ने सिक्का निगला, डॉक्टरों ने बचाई जान

संवाददाता, अल्मोड़ा

**अमृत विचार:** सोमेश्वर निवासी तीन साल की बच्ची ने गलती से सिक्का निगल लिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बच्ची की गंभीर स्थिति को देख उसे बेस अस्पताल अल्मोड़ा को रेफर कर दिया गया। बेस में डॉक्टरों ने बच्ची के गले में नली डालकर सिक्के को निकाला।

सोमेश्वर निवासी तीन वर्षीय संध्या पुत्री मोहन राम ने बुधवार शाम एक सिक्का निगल लिया। गले में सिक्के के अटकने पर परिजन आनन-फानन में सीएचसी लेकर पहुंचे, लेकिन गले में फंसे होने से डॉक्टरों ने बच्ची को बेस अस्पताल रेफर कर दिया। बेस अस्पताल आने पर बच्ची के गले का एक्स-रे फिर से किया गया। इसमें पता चला कि सिक्का क्रिकोफैरिनक्स के पास फंसा है। मामला गंभीर देख बच्ची को ऑपरेशन थिएटर में शिफ्ट किया गया और ईसोफैगोस्कोपी की प्रक्रिया कराई गई। ईएनटी में सीनियर रेजीडेंट डॉ. रोहित नेगी ने गले में फंसे सिक्के को बाहर निकाल बच्ची की जान बचा ली। डॉक्टरों के मुताबिक बच्ची की स्थिति अब ठीक है।

अल्मोड़ा बेस अस्पताल में बच्ची के गले में फंसे सिक्के को निकालते डॉक्टर।

> सीएचसी सोमेश्वर से रेफर होकर बच्ची बेस अस्पताल में पहुंची थी। डॉक्टरों ने नली डालकर और ईसोफैगोस्कोपी की प्रक्रिया के माध्यम से सिक्का सुरक्षित निकाला। अब बच्ची की स्थिति ठीक है। **-डॉ. सीपी भैसोड़ा,** प्राचार्य मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा

## बाराकोट से लापता हुई किशोरी, पुलिस खोजबीन में जुटी

**लोहाघाट :** बाराकोट ब्लाक की एक किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। किशोरी ने घर से बाजार जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। स्वजन ने लोहाघाट थाने में गुमशुदगी लिखवाई है, जिसके बाद पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी है।

स्वजन के अनुसार गुरुवार को किशोरी ने परिवार से बाजार जाने की बात कही। जब वह देर शाम तक घर नहीं पहुंची तो आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार को किशोरी के पिता ने लोहाघाट थाने पहुंचकर गुमशुदगी की लिखित शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद गुमशुदगी का मामला पंजीकृत कर लिया गया है।

# 44 किलो गांजा के साथ पांच तस्कर दबोचे

संवाददाता, अल्मोड़ा

**अमृत विचार:** चेकिंग के दौरान सल्ट पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने पांच तस्करों को गांजे के साथ दबोचा है। आरोपियों के कब्जे से वाहन में रखा 44.930 किलो गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वहीं, एसएसपी ने पुलिस टीम को पांच हजार रुपये नगद इनाम देने की घोषणा की।

पुलिस के अनुसार सल्ट पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान कटपतिया तिराहे के पास कार संख्या यूके 07 एएक्स 8384 को रोका। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो वाहन में रखे 44.930 किलो गांजा बरामद हुई। मौके पर पुलिस ने आरोपी अंगद सिंह पुत्र सतनाम सिंह, निवासी कचनाल गाजी काशीपुर, अमन जाटव पुत्र मानक चन्द्र, निवासी आदर्श नगर कुण्डा, अजीत सिंह पुत्र परमजीत सिंह, निवासी कचनाल गाजी पहाड़ी काशीपुर, अजय सिंह पुत्र मान सिंह और हरप्रीत सिंह पुत्र जसवीर सिंह, निवासी रम्पुरा लाइन पार सरकारी स्कूल के पास काशीपुर ऊधमसिंहनगर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बरामद गांजे की कीमत 11 लाख रुपये से अधिक आंकी गई।

सल्ट पुलिस की गिरफ्त में गांजा तस्करी के आरोपी युवक। ● अमृत विचार

टीम में थानाध्यक्ष सल्ट कश्मीर सिंह, अपर उपनिरीक्षक लोमेश कुमार, हेड कांस्टेबल आरिफ हुसैन, अवधेश कुमार, संजू कुमार, कांस्टेबल राकेश खेतवाल शामिल रहे। सल्ट थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि व लोग गांजा मंगरु से खरीदकर काशीपुर ले जा रहे थे। जिसे वहां युवाओं को ऊंचे दामों में बेचकर मुनाफा कमाने का इरादा था। चेकिंग के दौरान गिरफ्त में आया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के बारे में पुलिस द्वारा आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

### स्मैक के साथ पकड़ा

**बागेश्वर :** कोतवाली पुलिस ने उत्तरायणी मेले के दौरान एक युवक को 4 .53 ग्राम स्मैक के साथ गिरफतार किया है। पुलिस उपाधीक्षक जीएल साह ने बताया कि एसओजी व कोतवाली पुलिस द्वारा चेकिंग के दोरान द्वारसों निवासी ललित भाकुनी पुत्र देवेंद्र सिंह के पास से स्मैक बरामद की। जिसे न्यायालय में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

रानीखेत में क्रिकेट मैच में खिलाड़ियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

### क्लब केआरसी रानीखेत ने फ्यूचर स्टार को हराया

**रानीखेत, अमृत विचार :** क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ अल्मोड़ा के तत्वावधान में आयोजित अंडर-19 जिला लीग का चौथा मुकाबला आज नर सिंह ग्राउंड, रानीखेत में क्लब केआरसी रानीखेत और फ्यूचर स्टार क्लब के बीच खेला गया। मुकाबले में क्लब केआरसी रानीखेत ने फ्यूचर स्टार क्लब को 49 रन से पराजित किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए क्लब केआरसी ने निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 356 रन बनाए। मानवेंद्र यादव ने 128 गेंदों में 134 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि प्रदीप ने 43 रन बनाए। फ्यूचर स्टार क्लब ने 90 रन अतिरिक्त के रूप में दिए। फ्यूचर स्टार क्लब के 12 वर्षीय आदित्य सुयाल ने 10 ओवर में मात्र 35 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं विजय पांडे ने हैट्रिक लेकर विपक्षी बल्लेबाज़ी क्रम को झकझोर दिया। 357 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए फ्यूचर स्टार क्लब की टीम 46 .4 ओवर में 310 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। चैतन्य कांडपाल ने 65 रन, सविनय ने 41 और अक्षय सिंह ने 38 रन का योगदान दिया। क्लब केआरसी की ओर से प्रदीप ने 3 और नीरज ने 2 विकेट लिए। शतकीय पारी के लिए मानवेंद्र यादव को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

# अब 125 दिन के रोजगार की गारंटी

संवाददाता, बागेश्वर

**अमृत विचार:** विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन को भाजपा के प्रदेश महामंत्री एडवोकेट कुंदन सिंह परिहार ने जनता के हित के लिए बताया है। कहा कि नई योजना के तहत अब प्रत्येक बेरोजगार को 125 दिन का रोजगार मिलेगा। कहा कि कांग्रेस ने पूर्व में कई बार योजना का नाम बदला और अब कांग्रेस इस पर हो हल्ला मचा रही है।

पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता में भाजपा प्रदेश महामंत्री परिहार ने कहा कि नई योजना के अंतर्गत काम के दिन पहले की अपेक्षा ज्यादा होंगे। पहले प्रत्येक परिवार को 100 दिन का रोजगार दिया जाता था। अब प्रत्येक परिवार को 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा । मनरेगा पर अब तक प्रधानमंत्री द्वारा 11.74 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जो अभी तक की राशि में सबसे ज्यादा है। पूर्व में रोजगार का नाम महात्मा गांधी के नाम पर था। 1980 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सभी पुरानी योजनाओं को मिलाकर राष्ट्रीय ग्रामीण योजना कार्यक्रम का नाम दिया। इसके तुरंत बाद राजीव गांधी ने इसी का नाम जवाहर रोजगार का नाम दिया। वर्ष 2005 में इसको मनरेगा कर दिया कांग्रेस सरकार की इस योजना में किसी तरह की पारदर्शिता नहीं थी। कहा कि अभी तक मनरेगा का पेमेंट 15 दिन में होता था। परिहार ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुददे नहीं हैं तथा वह जनता को बरगलाने का कार्य कर रही है। यहां जिलाध्यक्ष प्रभा गढ़िया, उपाध्यक्ष खड़क सिंह टंगणिया, प्रकाश शाह, विवेक तिवारी, राजकुमार मेहता रहे।

पत्रकारों से वार्ता करते भाजपा प्रदेश महामंत्री कुंदन सिंह परिहार। ● अमृत विचार

# अल्मोड़ा में डॉक्टरों और कर्मियों ने बांधे काले फीते

- अस्पताल में तैनात कर्मचारी के साथ मारपीट का आरोप
- जल्द आरोपी व्यक्ति पर कार्रवाई की उठाई मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

**अमृत विचार:** जिला अस्पताल के डॉक्टरों व कर्मचारियों ने गुरुवार को भी काला फीता बांधकर विरोध जताया। अस्पताल में कर्मचारी से अभद्रता करने वाले व्यक्ति पर कार्रवाई की मांग की। जल्द कार्रवाई नहीं होने पर कार्य बहिष्कार पर जाने की चेतावनी दी।

जिला अस्पताल परिसर में चिकित्सकों और कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि अस्पताल कर्मचारी के साथ हुई मारपीट मामले में पुलिस शिकायत के बाद भी अब तक आरोपी पर कार्रवाई नहीं हुई है। जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। कहा कि आरोपी की ओर से सोशल मीडिया पर भी अनर्गल पोस्ट की जा रही है। इसके बाद व्यक्ति पर मुकदमा भी दर्ज किया गया, लेकिन फिर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। आरोपी व्यक्ति पर कार्रवाई नहीं होने पर समस्त चिकित्सकों और कर्मचारियों ने कार्यबहिष्कार पर चले जाने की चेतावनी दी। यहां डॉ. जीवन मपवाल, डॉ. हरीश आर्या, राजू लटवाल, पूरन सतवाल, ईश्वर चौधरी, रोहित, रेखा, कमला, भगवती, अमन, शंकर, किरन, प्रेम सिंह आदि मौजूद रहे।

## ब्यूटी पार्लर से आय अर्जित कर रहीं बबीता

**टनकपुरः** सीएम पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित कल्याणकारी योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही हैं। चम्पावत के टनकपुर क्षेत्र स्थित ग्राम नायगोठ की बबीता पांडे पत्नी प्रकाश पांडे ने इन योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार शुरू किया है।

बबीता पांडे दिव्य शक्ति स्वयं सहायता समूह की सदस्य हैं तथा ग्रामोत्थान परियोजना से अनुबंधित ओम महिला विकास संकुल संघ से जुड़ी हुई हैं। ग्रामोत्थान परियोजना के तहत उद्यम स्थापना योजना के माध्यम से उन्हें ब्यूटी पार्लर खोलने के लिए एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई। वर्तमान में वे प्रतिमाह लगभग 6 से 7 हजार रुपये कमा रही हैं।

**हिदायत** | डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न, मानसून से पूर्व सभी सड़कों की मरम्मत कार्य पूरा करने के निर्देश

# सड़क सुरक्षा मजबूत करें, पालाग्रस्त सड़कों पर हो चूने का छिड़काव

संवाददाता,टनकपुर/चम्पावत

**अमृत विचार:** जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने, सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाने तथा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने राष्ट्रीय राजमार्ग एवं नगर क्षेत्र में स्थित खुली नालियों को शीघ्र कवर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त सड़क एजेंसियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को मानसून से पूर्व सभी सड़कों की मरम्मत पूर्ण करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि वर्षा ऋतु से पहले सभी जाम स्कबर व नालियों की पूर्ण रूप से सफाई सुनिश्चित की जाए। मानसून के दौरान यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर संबंधित विभाग की जिम्मेदारी तय की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए।

उन्होंने ककराली गेट एवं घाट चौकी क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। डीएम ने पाला ग्रस्त क्षेत्रों में नियमित रूप से चूना एवं नमक का छिड़काव करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि फिसलन से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बैठक में सीडीओ डॉ. जीएस खाती, एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी, एसडीएम नीतू डागर, सीएमओ डॉ. देवेश चौहान, वरिष्ठ कोषाधिकारी सीमा बंगवाल, संभागीय परिवहन अधिकारी मनोज बगोरिया, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग एमसी पलड़िया, हितेश कांडपाल आदि मौजूद रहे।

चम्पावत में अधिकारियों की बैठक लेते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

### जिला उद्योग मित्र की बैठक में मुद्दों पर चर्चा

**चम्पावत :** जनपद में औद्योगिक विकास को गति देने, निवेशकों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा स्थानीय उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला उद्योग मित्र की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन डिस्ट्रिक्ट टू प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत जनपद में लौह शिल्प एवं हिमालयन हनी ( शहद ) के उत्पादन को बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन उत्पादों को केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित न रखते हुए पूरे जनपद में इंटीग्रेटेड मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए लोगों को आवश्यक प्रशिक्षण, संसाधन एवं तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। डीएम ने महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत गुदमी, बनबसा में प्रस्तावित सिडकुल परियोजना के लिए वन भूमि स्थानांतरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। लौह शिल्प को बढ़ावा देने के लिए जनपद के काश्तकारों को अन्य जनपदों में भेजकर विशेष प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए।

# रंगारंग कार्यक्रमों के साथ उत्तरायणी कौतिक संपन्न

संवाददाता, टनकपुर

**अमृत विचार:** हरेला क्लब का दो दिवसीय उत्तरायणी कौतिक मेला रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हो गया। गांधी मैदान में अंतिम दिन अल्मोड़ा की सांस्कृतिक संस्कार समिति की टीम ने दल नायक प्रकाश बिष्ट के नेतृत्व में सुंदर कार्यक्रम पेश किए। लोक गायककार स्वर्गीय गोपाल बाबू गोस्वामी के सुपुत्र अमित गोस्वामी, गायक हरेंद्र कठायत ने भी समां बांधा।

स्कूली सांस्कृतिक प्रतियोगिता के सब जूनियर एकल में ब्लू माउंटेन स्कूल, पैरामाउंट पब्लिक स्कूल और सेंट फ्रांसिस सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने क्रमश प्रथम,द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर ग्रुप में सेंट फ्रांसिस , एमडीएम एजुकेशनल एकेडमी और पंकज शर्मा सरस्वती स्कूल प्रथम,द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर एकल में जेएन पब्लिक स्कूल प्रथम, एमडीएम एजुकेशनल एकेडमी द्वितीय और नंदा कॉन्वेंट स्कूल तृतीय स्थान पर थे। जूनियर ग्रुप प्रतियोगिता में एमडीएम एकेडमी प्रथम, जेएन पब्लिक स्कूल द्वितीय तथा नंदा कॉन्वेंट स्कूल तृतीय रहे। सीनियर एकल वर्ग में सेंट फ्रांसिस प्रथम एमडीएम द्वितीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय तृतीय रहे। सीनियर ग्रुप में सेंट फ्रांसिस, एमडीएम द्वितीय और होली त्रिनेत्री स्कूल तृतीय स्थान पर रहे। देर रात लक्की ड्रॉ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गलतियां करते हुए बिताया गया जीवन बिना कुछ किए बिताए गए जीवन की तुलना में न सिर्फ अधिक सम्मानजनक है, बल्कि अधिक उपयोगी भी है।
–जॉर्ज बर्नार्ड शा

## स्पष्ट सीख

आईपैक छापे के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया अंतरिम आदेश उचित विधायी हस्तक्षेप और संघीय ढांचे, एजेंसियों की भूमिका तथा चुनावी राजनीति के जटिल रिश्तों पर एक सख्त टिप्पणी है। अदालत की यह टिप्पणी कि ईडी की याचिकाओं से उठे गंभीर सवालों की जांच नहीं हुई तो "देश में अराजकता" का संदेश जाएगा, बताती है कि अदालत राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के कामकाज को प्रशासनिक या राजनीतिक तरीकों से बाधित करने को हल्के में नहीं ले रही। कोर्ट परिसर में टीएमसी समर्थकों की भीड़ जुटाना भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं के सर्वथा विपरीत हैं। न्यायालय जनदबाव से नहीं, विधि से चलता है। ऐसा आचरण पार्टी की संवैधानिक समझ पर सवाल खड़े करता है। जब सरकारी तंत्र और राजनीतिक शक्ति एक ही व्यक्तित्व में निहित हो, तब यह दलील कि मुख्यमंत्री वहां पार्टी अध्यक्ष के रूप में गईं, कानूनी तौर पर कमजोर है। ईडी अधिकारियों पर दर्ज एफआईआर पर रोक, राज्य सरकार को नोटिस और जवाब तलबी इत्यादि टीएमसी के लिए तत्काल राजनीतिक असहजता पैदा करते हैं। हालांकि ईडी की टाइमिंग पर भी सवाल स्वाभाविक हैं। पांच वर्षों से लंबित जांच में ऐन चुनावों के पहले छापे क्यों? एजेंसी को यह स्पष्ट करना होगा कि नई सामग्री, हवाला चैनल और कैश ट्रांसफर जैसी कई ताजा कड़ियों का मिलान ही इस देरी और कार्रवाई का आधार बनी। ईडी के दुरुपयोग की जनधारणा को नजरअंदाज न करते हुए अंतिम सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट को दोनों वास्तविकताओं एजेंसियों की स्वायत्तता और उनके कथित दुरुपयोग के बीच संतुलन साधना होगा। राजनीतिक प्रश्न यह है कि क्या इससे ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की मुसीबतें बढ़ेंगी या वे इसे "विपक्षी प्रताड़ना" का मुद्दा बनाकर लाभ उठा पाएंगी? चुनाव अंततः जनमत तय करेगा, पर बंगाल की राजनीति का इतिहास बताता है कि ममता बनर्जी अक्सर पीड़ित-कार्ड को प्रभावी ढंग से भुनाती रही हैं। परंतु इस बार मामला केवल बयानबाजी का नहीं, बल्कि अदालती प्रक्रियाओं, नोटिस और एजेंसियों की विकट और जटिल जांच का है यह प्रक्रिया दीर्घकाल में उनके लिये राजनीतिक जोखिम को बढ़ाता है।

ममता बनर्जी के आरोप कि आईपैक के पास एसआईआर से जुड़ा पार्टी का चुनावी डेटा था, ईडी उसे जब्त करने पहुंची या भाजपा द्वारा पड़ोसी राज्यों से लोगों को लाकर मतदान कराने की साजिश अथवा चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर एआई की मदद से मतदाता सूची से नाम हटा रहा है, राजनीतिक रूप से तीखे हो सकते हैं, पर कानूनी कसौटी पर ठोस सबूत के बिना प्रमाण के ये आरोप समर्थकों को प्रभावित भले करें, लेकिन अदालत में टिकना कठिन है। तथ्यात्मक परीक्षण में मात्र आशंका पर्याप्त नहीं। हां, कोयला घोटाले की रकम सत्तारूढ़ दल के वरिष्ठ नेताओं तक पहुंचने के दावे यदि प्रमाण सहित सामने आते हैं, तो राजनीति और तेज होगी अन्यथा यह सियासी पलटवार जोखिम से भरा है। अब अंतिम अदालती फैसला चाहे जो हो, यह मामला बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों और उसके बाद भी राजनीतिक विमर्श में बना रहेगा। गैर-भाजपाई राज्यों के लिए सीख स्पष्ट है कि कानूनी लड़ाई को सड़क और भीड़ की राजनीति से अलग रखें, संस्थानों से टकराव में संयम बरतें और हर आरोप को दस्तावेजी प्रमाण से जोड़ें।

### प्रसंगवश

## डिजिटल शोर में शब्दों का शाश्वत स्वर

नई दिल्ली के भारत मंडपम में विश्व पुस्तक मेला चल रहा है। यह 18 जनवरी तक चलेगा। विश्व पुस्तक मेला नई दिल्ली में ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तेजी से डिजिटल स्क्रीन पर सिमटती जा रही है और पढ़ने की आदत को लेकर लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। ऐसे में यह आयोजन न केवल किताबों का बाजार है, बल्कि यह उम्मीद का वह दीप भी है, जो बताता है कि शब्दों की रोशनी अब भी मनुष्यता का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का इतिहास भी इसकी महत्ता को और गहराई देता है। 1972 में विंडसर प्लेस से शुरू हुआ यह सफर आज 53 वर्षों का हो चुका है। तब केवल 200 प्रकाशक और कुछ ही देश शामिल होते थे, आज यह एशिया के सबसे बड़े और दुनिया के सबसे बड़े बी 2 सी बुक फेयर में गिना जाता है। यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि बदलते समय के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ, बल्कि हर दौर में नए रूप में सामने आया है।

इस वर्ष पुस्तक मेले की थीम 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान @75' अपने आप में गहरी अर्थवत्ता समेटे हुए है। आजादी के 75 वर्षों की यात्रा में भारत ने केवल सीमाओं की रक्षा ही नहीं की, बल्कि रणनीतिक बुद्धिमत्ता, वैज्ञानिक प्रगति और मानवीय मूल्यों के साथ सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है। हॉल नंबर 5 में बना थीम पवेलियन एक जीवंत इतिहास बनकर सामने आता है, जहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियां केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की कहानी कहती हैं। 21 परमवीर चक्र विजेताओं को समर्पित श्रद्धांजलि स्थल यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता और सुरक्षा केवल शब्द नहीं, बल्कि अनगिनत बलिदानों का परिणाम हैं। यहां प्रदर्शित 500 से अधिक पुस्तकें और 100 से अधिक थीम आधारित कार्यक्रम सैन्य इतिहास को केवल युद्धों की कथा नहीं, नीति, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण के व्यापक संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं। पुस्तक मेले की सबसे सुंदर तस्वीर शायद यह है कि जेन-जी के युवा, जिन्हें अक्सर 'स्क्रीन की पीढ़ी' कहकर किताबों से दूर मान लिया जाता है, कागज के पन्नों में डूबे नजर आते हैं। पिक्सल्स के शोर से निकलकर वे शब्दों की गहराई को टटोलते हैं, अपनी पसंदीदा किताबें ढूंढ़ते हैं और बताते हैं कि तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ जाए, सुकून आज भी किताबों में बंद ज्ञान से ही मिलता है। कतर पवेलियन में हिंदी और उर्दू के तैरते अक्षरों को देखकर तकनीक में निपुण युवा भी ठहर जाते हैं। वे लुप्त होते पारंपरिक खेलों, गायब होते पक्षियों और सांस्कृतिक स्मृतियों की किताबों में खुद को खोजते हैं। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि युवा पीढ़ी को किताबों से दूरी नहीं, बल्कि सही मंच और माहौल की जरूरत है।

योगेश कुमार गोयल
लेखक

इस वर्ष मेले की अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। 35 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक, 1000 से अधिक लेखक और वक्ता तथा 600 से ज्यादा साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम इसे सचमुच वैश्विक उत्सव बनाते हैं। कतर का गेस्ट ऑफ ऑनर और स्पेन का फोकस कंट्री होना भारत के सांस्कृतिक कूटनीति के विस्तार को दर्शाता है। स्पेन-भारत ड्यूल ईयर 2026 के तहत दोनों देशों के लेखकों और साहित्य को मिला मंच यह बताता है कि किताबें केवल पढ़ने की वस्तु नहीं बल्कि देशों के बीच संवाद का माध्यम भी हैं। पुस्तक मेले की सांस्कृतिक आभा इसे और जीवंत बनाती है। पुस्तकें केवल जानकारी नहीं देती, वे सोचने की क्षमता विकसित करती हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया हमें त्वरित सूचनाएं तो देते हैं, लेकिन अक्सर निष्क्रिय स्वीकृति की आदत डाल देते हैं। इसके विपरीत, पुस्तकें ध्यान, एकाग्रता और कल्पनाशीलता की मांग करती हैं। वे प्रश्न पूछने की क्षमता जगाती हैं और उत्तर खोजने का धैर्य सिखाती हैं। जब हम अकेले होते हैं, उदास या परेशान होते हैं, तब किताबें ही सच्ची मित्र बनकर हमारा साथ देती हैं।

## विज्ञान के सहारे विकसित भारत की ओर

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में विज्ञान और वैज्ञानिक सोच को दिशा देने वाली प्रमुख संस्था इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए) ने इसी महीने 7 तारीख को अपना 91 वां स्थापना दिवस मनाया। दिल्ली में आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक संस्थान के स्थापना दिवस तक सीमित नहीं था। यह भारत की वैज्ञानिक यात्रा, उपलब्धियों और भविष्य की चुनौतियों पर विचार करने का एक महत्वपूर्ण मंच भी बना। नौ दशकों से अधिक समय से आईएनएसए देश में विज्ञान, अनुसंधान और तार्किक सोच को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रही है। इस संस्था ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों को एक सशक्त मंच दिया है, बल्कि सरकार और समाज के बीच विज्ञान को जोड़ने का काम भी किया है।

आईएनएसए की स्थापना ऐसे समय में हुई थी, जब भारत वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपने पहले कदम रख रहा था। स्वतंत्रता से पहले और बाद के दौर में इस संस्था ने देश के वैज्ञानिक विकास की नींव मजबूत करने में योगदान दिया। समय के साथ आईएनएसए विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित करने, शोध को प्रोत्साहित करने और वैज्ञानिक नीतियों पर मार्गदर्शन देने वाली एक विश्वसनीय संस्था के रूप में स्थापित हुई। 91 वर्षों की इसकी यात्रा भारत के वैज्ञानिक विकास की कहानी को भी दर्शाती है।

> आईएनएसए की स्थापना ऐसे समय में हुई थी, जब भारत वैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपने पहले कदम रख रहा था। स्वतंत्रता से पहले और बाद के दौर में इस संस्था ने देश के वैज्ञानिक विकास की नींव मजबूत करने में योगदान दिया।

इस अवसर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर ने एक विशेष सार्वजनिक व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत के विज्ञान और तकनीक के बदलते स्वरूप और विकसित भारत की दिशा में हो रही प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी देश का वास्तविक विकास केवल आर्थिक वृद्धि या भौतिक ढांचे से नहीं होता, बल्कि उसकी वैज्ञानिक क्षमता, नवाचार और ज्ञान निर्माण से तय होता है। आज के दौर में वही देश आगे बढ़ रहे हैं, जो विज्ञान और तकनीक को अपनी विकास नीति का आधार बनाते हैं। भारत अब उस दौर से आगे निकल चुका है, जब वह केवल दूसरे देशों की तकनीक और ज्ञान पर निर्भर रहता था।

आज भारत स्वयं ज्ञान का निर्माण कर रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बेहद जरूरी है। इसके लिए शोध, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार निवेश और सुधार की आवश्यकता है। आज भारत विज्ञान और इंजीनियरिंग से जुड़े शोध प्रकाशनों के मामले में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दिखाती है कि भारतीय वैज्ञानिक न केवल बड़ी संख्या में शोध कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक ज्ञान भंडार में सक्रिय योगदान भी दे रहे हैं। यह तथ्य इस बात का संकेत है कि देश में उच्च शिक्षा और अनुसंधान की क्षमता लगातार बढ़ रही है। भारत में अब नवाचार की संस्कृति धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। भारत में रहने वाले भारतीयों द्वारा पेटेंट दाखिल करने के मामले में देश-दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है।

यह बदलाव देश में स्टार्ट-अप संस्कृति, उद्योग और अनुसंधान के बीच बढ़ते सहयोग का परिणाम है। भारत की प्रगति का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में उसकी स्थिति है। पिछले एक दशक में भारत ने इस सूचकांक में 90 वें स्थान से छलांग लगाकर 30 वें स्थान तक का सफर तय किया है। यह उपलब्धि अचानक नहीं मिली, बल्कि यह लगातार किए गए प्रयासों, नीतिगत सुधारों और अनुसंधान एवं विकास में बढ़ते निवेश का परिणाम है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत का नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र अब पहले से कहीं अधिक मजबूत और व्यवस्थित हो रहा है।

सरकार अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई स्तरों पर काम कर रही है। विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ाया जा रहा है, ताकि प्रयोगशालाओं में होने वाला शोध केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज और आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सके। युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और स्टार्ट-अप्स को वित्तीय सहायता, आधुनिक सुविधाएं और नीतिगत समर्थन दिया जा रहा है, जिससे नए विचारों को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। आईएनएसए की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद महत्वपूर्ण बन जाती है। यह संस्था केवल वैज्ञानिकों को सम्मानित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विज्ञान से जुड़ी नीतियों पर सरकार को सलाह देने और समाज में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने का भी कार्य करती है। आईएनएसए वैज्ञानिक समुदाय को एक साझा मंच उपलब्ध कराती है, जहां विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अपने विचार साझा कर सकें और राष्ट्रीय विकास में योगदान दे सकें। 91 वर्षों की इसकी यात्रा यह दिखाती है कि मजबूत और स्वतंत्र वैज्ञानिक संस्थाएं किसी भी देश की प्रगति की आधारशिला होती हैं।

स्थापना दिवस का यह आयोजन इस बात की याद दिलाता है कि भारत ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में लंबा सफर तय किया है, लेकिन अभी भी कई चुनौतियां सामने हैं। जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संकट, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, कृषि की उत्पादकता और डिजिटल सुरक्षा जैसे मुद्दे ऐसे हैं, जिनका समाधान विज्ञान और तकनीक के माध्यम से ही संभव है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को समाज के हर स्तर तक पहुंचाना आवश्यक है।

### आमने

SIR प्रक्रिया के अंतिम दिन, ERO के माध्यम से BLO पर दबाव डाला गया कि वे कांग्रेस विचारधारा वाले मतदाताओं के नाम काटें। कई जगहों पर प्रशासनिक अधिकारियों और BLO ने इस लोकतंत्र की हत्या में शामिल होने से इंकार किया तो उन्हें सत्ताधारी पार्टी के लोगों ने तबादलों की धमकी दी है।
– अशोक गहलोत
पूर्व सीएम राजस्थान

### सामने

कांग्रेस इस तरह के विषयों पर ध्यान भटकाने का काम करती है। पहली बात तो यह पूछना चाहता हूं कि पूरे देश आजाद होने के बाद 11 बार SIR हुई, जिसमें 10 बार कांग्रेस शासन के कार्यकाल में हुई, उस समय जब कांग्रेस के नेता आरोप लगाते रहे, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इस तरह के आरोप जनता में भ्रम पैदा करते हैं, इसीलिए जनता को कांग्रेस ने पूरे भारत में नकार दिया है।
–सुमित गोदारा, मंत्री राजस्थान

## बीच चुनाव में बिखर गई नेपाली कांग्रेस

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल की सबसे पुरानी और सबसे लंबे समय तक सरकार में रही नेपाली कांग्रेस अंततः दो फांक हो गई। पार्टी में व्याप्त असंतोष और अंतर्विरोध का यह परिणाम है। पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा पर कमजोर नेतृत्व का आरोप लग रहा था। युवाओं की उपेक्षा और दिशाहीन होने का भी आरोप था। उन पर इन सब मसलों के हल और विचार विमर्श के लिए विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन की मांग जोर पकड़ रही थी।

देउबा इसके लिए तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि राष्ट्रीय अधिवेशन सहित अन्य मुद्दों पर चुनाव बाद विचार और मंत्रणा होगी। पार्टी के दो महामंत्री गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा इसके लिए तैयार नहीं थे। इन दोनों ने पिछले रविवार को ही दो दिवसीय विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन आमंत्रित किया था। अधिवेशन की वैधता के सवाल पर गगन थापा का कहना था कि पार्टी विधान की धारा 17/2 के तहत यदि राष्ट्रीय परिषद के 54 प्रतिशत सदस्य और पदाधिकारी सहमत हैं, तो विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन कभी भी बुलाया जा सकता है। पार्टी में प्रदत्त इसी विधान के तहत अधिवेशन बुलाया गया।

इस अधिवेशन में शेर बहादुर देउबा सहित उनके निकटवर्ती अन्य पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन वे लोग अधिवेशन में नहीं आए। पूर्व में आयोजित दो दिवसीय यह अधिवेशन चार दिवसीय हो गया, जो काठमांडू के भृकुटी मंडप में आयोजित था। शेर बहादुर देउबा की सहमति के बिना आयोजित इस राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी के विभाजन की आशंका न केवल पार्टी के अन्य तमाम वरिष्ठ नेताओं को थी, बल्कि दूसरे राजनीतिक दलों को भी ऐसा ही अंदेशा था। देउबा और उनके गुट के वरिष्ठ सदस्यों ने पार्टी को विभाजन से बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। अधिवेशन के चौथे दिन मामला तब बिगड़ गया, जब देउबा गुट के कार्यवाहक सभापति पूर्ण बहादुर खड़का ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में में बैठक कर दोनों महामंत्री गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा सहित उप महामंत्री फरकुल्लाह मंसूर को पार्टी से निष्कासित कर दिया। इस निष्कासन के बाद ही पार्टी में विभाजन की रूपरेखा तैयार हुई। बुधवार को देर रात अधिवेशन में ही गगन थापा को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया। विश्व प्रकाश शर्मा और कमला भुसाल को उपसभापति और फरकुल्लाह मंसूर को महामंत्री चुना गया।

पार्टी में विभाजन के बाद देउबा का अपने नेतृत्व वाली पार्टी का असली नेपाली कांग्रेस का दावा है, तो गगन थापा का कहना है कि पार्टी विभाजित नहीं हुई, यह और मजबूत और संगठित हुई है। बहरहाल नेपाली कांग्रेस के विभाजन का मामला चुनाव आयोग में जाना तय है और वहीं असली नकली का फैसला भी होगा। हां यह एक मामला जरूर पेचीदा हो गया कि चुनाव में देउबा के चयनित उम्मीदवार मैदान में होंगे या गगन थापा के? उच्च सदन के नामांकन की तिथि समाप्त हो गई है और उसके उम्मीदवार भी तय हो गए हैं, जबकि निचले सदन के उम्मीदवारी के नामांकन की तिथि अभी शेष है। चुनाव पांच मार्च को है। इसके पहले यदि देउबा और गगन थापा के नेतृत्व वाली कांग्रेस में फैसला नहीं आया, तो देउबा द्वारा चयनित उम्मीदवार और रूख चुनाव चिन्ह पर ही उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, लेकिन पार्टी के विभाजन का दंश उम्मीदवारों को झेलना तय है।

> नेपाली कांग्रेस में मतभेद और असंतोष नया नहीं है, लेकिन पार्टी कभी विभाजन के कगार पर नहीं पहुंची। स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला और केपी भट्टराई के बीच का विवाद किसे नहीं याद होगा।

नेपाली कांग्रेस में मतभेद और असंतोष नया नहीं है, लेकिन पार्टी कभी विभाजन के कगार पर नहीं पहुंची। स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला और केपी भट्टराई के बीच का विवाद किसे नहीं याद होगा। नेपाली कांग्रेस नेपाल की राजनीति में केवल एक पार्टी भर नहीं है। इसके साथ स्वर्गीय वीपी कोइराला, गिरिजा प्रसाद कोइराला, केपी भट्टराई, सुशील कोइराला आदि का नाम जुड़ा होने के नाते इसकी एक विचारधारा है, जो समावेशी विकास और जनसरोकार की बात करती है। स्वर्गीय वीपी कोइराला ने राजशाही के वक्त 1960 में ही लोकतंत्र का बिगुल बजा दिया था। इसके लिए उन्हें तत्कालीन राजा महेन्द्र के षड्यंत्रों का शिकार होना पड़ा था। लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा और निर्वसन तक का जीवन जीने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि वीपी कोइराला लोकतंत्र की जंग जीत नहीं पाए थे। राजा महेन्द्र अपनी कुटिल चालों से नेपाली कांग्रेस में फूट डालकर राजशाही बचाने में सफल रहे थे, जो लंबे समय तक चला। राजशाही विरोधी कई दलों के एक जुट विरोध और लंबे आंदोलन के बाद 2008 में नेपाल राजशाही से मुक्त हो पाया और यहां गणतंत्र का उदय हुआ। लोकतंत्र बहाली आंदोलन में नेपाली कांग्रेस के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता, जिसका नेतृत्व वीपी कोइराला के बाद स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला ने किया था। गिरिजा प्रसाद कोइराला को नेपाल में गांधी के नाम से जाना जाता है।

नेपाली कांग्रेस संघर्ष, त्याग और लोकतांत्रिक आंदोलनों की जीवंत विरासत है। जिस पार्टी ने नेपाल में लोकतंत्र की नींव रखी, राजतंत्र को चुनौती दी और गणतंत्र की स्थापना में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, उस पार्टी का आज यह हाल चिंताजनक है। पार्टी के युवा नेताओं की अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाने वाले देउबा यदि स्वेच्छा से हट जाते तो पार्टी को विभाजन से बचाया जा सकता था। देउबा के नेतृत्व में नेपाली कांग्रेस देश में तेजी से बदलते राजनीतिक हालात के बीच पीछे छूट जा रही था, जो एक सच्चाई है। फिलहाल संख्या बल और स्वीकार्यता के लिहाज से गगन थापा के नेतृत्व वाली कांग्रेस का पलड़ा भारी है। आसन्न संसदीय चुनाव में देउबा अथवा थापा के नेतृत्व वाली कांग्रेस में कितना दम है यह देखना होगा।

### सोशल फोरम

## सदैव अकेला होता है सच्चे विद्रोह का मार्ग

जैसे-जैसे मनुष्य की आयु बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे उसका अनुभव और ज्ञान भी परिपक्व होता जाता है। जीवन की घटनाएं, समाज की वास्तविकताएं और सत्ता के व्यवहार धीरे-धीरे उसके भीतर प्रश्न खड़े करने लगते हैं। एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति के सामने दो ही स्पष्ट रास्ते बचते हैं या तो वह भक्त बन जाए या फिर विद्रोही। भक्ति सहज मार्ग है। यह सामाजिक रूप से स्वीकार्य है, सुरक्षित है और सम्मान दिलाने वाला है। भक्त बनकर व्यक्ति न केवल समाज की अपेक्षाओं में फिट हो जाता है, बल्कि उसे पहचान, संरक्षण और प्रशंसा भी प्राप्त होती है। भक्ति में प्रश्न नहीं होते, केवल स्वीकार्यता होती है और यही कारण है कि यह मार्ग भीड़ द्वारा सबसे अधिक चुना जाता है। इसके विपरीत, विद्रोह का मार्ग अत्यंत कठिन और खतरनाक है। विद्रोह व्यक्ति को समाज से बहिष्कृत कर सकता है, उसे पूर्णतः अकेला कर सकता है। यह मार्ग जेल, सामाजिक अपमान और कभी-कभी मृत्युदंड तक ले जा सकता है। इसलिए विद्रोह का चयन वही करता है, जो सत्य के लिए मूल्य चुकाने को तैयार हो और ऐसे लोग सदैव बिरले होते हैं। नास्तिकता भी वस्तुतः विद्रोह का ही एक रूप है-ठीक उसी प्रकार, जैसे धर्मपरिवर्तन। दोनों ही किसी स्थापित मान्यता, परंपरा या विश्वास-तंत्र के विरुद्ध खड़े होने की घोषणा हैं। परंतु नास्तिकता में एक प्रकार की सामूहिक सुरक्षा निहित होती है। इसके समर्थक, तर्क, मंच और सहयोगी आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं, जिससे व्यक्ति पूरी तरह अकेला नहीं पड़ता।

विशुद्ध चैतन्य
लेखक

वास्तविक समस्या तब उत्पन्न होती है, जब व्यक्ति केवल धर्म या ईश्वर ही नहीं, बल्कि समाज और सत्ता-दोनों के विरुद्ध खड़ा हो जाए। वह यह समझ ले कि समाज वास्तव में स्वतंत्र चेतना से युक्त नागरिकों का समूह नहीं, बल्कि मवेशियों और गुलामों का वह झुंड है, जिसे लुटेरों और माफियाओं ने अपनी बपौती संपत्ति बना रखा है। वह जब इन मान्यताओं और परंपराओं को चुनौती देता है, तब संघर्ष का स्तर कहीं अधिक गहरा और खतरनाक हो जाता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को कहीं कोई समर्थक या सहयोगी नहीं मिलता, क्योंकि अधिकांश लोग अपने तथाकथित पालनहारों-सत्ता, व्यवस्था और संरचनाओं के विरुद्ध जाने का साहस नहीं कर पाते। वे सत्य को देखना नहीं चाहते, क्योंकि सत्य देखने का अर्थ है सुविधा, सुरक्षा और पहचान खो देने का जोखिम उठाना। यही कारण है कि सच्चा विद्रोह सबसे अकेला मार्ग होता है, परंतु वही मार्ग मनुष्य को वास्तव में स्वतंत्र भी बनाता है।

–फेसबुक वॉल से

### सामयिकी

## महाराष्ट्र में चुनाव परिणामों के निहितार्थ

महाराष्ट्र में मुंबई सहित सभी 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणामों ने उन राजनीतिक दलों और नेताओं को करारा संदेश दिया है, जो बड़े गुमान में देश के लोगों को बांटने की राजनीति करते रहे हैं। क्षेत्रीय पार्टी मनसे के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा हिंदी भाषी राज्यों के लोगों को "लात मारकर महाराष्ट्र से बाहर करने" जैसे गैर-जिम्मेदाराना बयान से न केवल हिंदी भाषी नागरिकों की भावनाएं आहत हुईं, बल्कि महाराष्ट्र के मराठी समाज को भी यह बयान नागवार गुजरा। इसी का परिणाम रहा कि महाराष्ट्र की जनता, विशेषकर मराठी मतदाताओं ने, चुनावों के माध्यम से ऐसे बयानों की राजनीति करने वाले नेताओं को न केवल अपने दिलों से बल्कि सत्ता से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि देश का जनमानस अब जाति, धर्म और भाषा के नाम पर की जाने वाली विभाजनकारी राजनीति के बहकावे में आने वाला नहीं है।

अरविंद रावल
लेखक

> आज देश के नागरिकों के लिए राष्ट्र प्रथम और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि है। यही कारण है कि वर्तमान राजनीति में वही दल और नेता जनता का विश्वास जीत पा रहे हैं, जो राष्ट्रहित और विकास के मुद्दों पर काम कर रहे हैं।

आज देश के नागरिकों के लिए राष्ट्र प्रथम और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि है। यही कारण है कि वर्तमान राजनीति में वही दल और नेता जनता का विश्वास जीत पा रहे हैं, जो राष्ट्रहित और विकास के मुद्दों पर काम कर रहे हैं। महाराष्ट्र की स्थानीय राजनीति में भाजपा ने अपने दम पर नया इतिहास रचा है। पहली बार क्षेत्रीय दलों को पीछे छोड़ते हुए भाजपा को सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाने का जनादेश मिलना, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य की देवेंद्र फड़नवीस सरकार की साफ नीयत और विकासोन्मुखी राजनीति का परिणाम है। महाराष्ट्र के इन स्थानीय चुनावों ने उन राजनीतिक दलों के नेताओं को आत्ममंथन का अवसर दिया है, जो आज भी जाति, धर्म और भाषा के सहारे सत्ता के सपने देखते हैं। आज देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म या वर्ग से हो अपने और अपने देश का विकास चाहता है। अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, मज़बूत कानून व्यवस्था, शांति और सुरक्षा आज आम नागरिक की प्राथमिकताएं हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की महानगरपालिका, जिसका बजट कई राज्यों के बजट के बराबर है, वहां तीन दशक बाद भाजपा का सत्ता में लौटना जनता के सरकार के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। उम्मीद है कि भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र की जनता की अपेक्षाओं और जनादेश की कसौटी पर खरा उतरेगा।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

ओमान के मस्कट पहुंचने पर INSV कौंडिन्य को वॉटर कैनन सैल्यूट मिला। 29 दिसंबर 2025 को पोरबंदर, गुजरात से शुरू हुआ 18 दिनों का सफर बीती 14 जनवरी को ओमान के मस्कट में खत्म हुआ। इंडियन नेवी का INSV कौंडिन्य जहाज 2000 साल पुरानी पाल विधि से निर्मित है। यह जहाज भारत-ओमान की गहरी दोस्ती और समुद्री सुरक्षा में दोनों देशों के सहयोग का सम्मान है। इस यात्रा का मकसद भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को फिर से पुनर्जीवित करना है। यह जहाज 4 वीं-5 वीं शताब्दी के भारतीय जहाजों के मॉडल पर बना है। जहाज बिना कील या धातु के लकड़ी के तख्तों को रस्सियों से सिलकर तैयार किया गया। कहां से आया कौंडिन्य का आइडिया? चलिए आपको इसके पूरे सफर के बारे में बताते हैं।

# INSV कौंडिन्य

# समुद्र की लहरों पर भारतीय गौरव

## जहाज की विशेषताएं

- 65 फुट लंबे इस जहाज का निर्माण पारंपरिक सिलाई तकनीक से किया गया है, जिसमें प्राकृतिक सामग्रियों और सदियों पुरानी विधियों का उपयोग किया गया है। भारत के प्राचीन जहाज निर्माण कौशल को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने साल 2023 में प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी, जिसके बाद संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और गोवा की निजी बोट बिल्डर कंपनी होड़ी इनोवेशंस के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ। जहाज को फरवरी 2025 में गोवा में लॉन्च किया गया।
- INSV 'कौंडिन्य' का डिजाइन अजंता गुफाओं की 5 वीं सदी की एक पेंटिंग पर आधारित है। गोवा की एक कंपनी ने करीब 2000 साल पुरानी टांका पद्धति से इस जहाज का निर्माण किया है। लकड़ी के तख्तों से बने इस जहाज को नारियल के रेशे से सिला गया है। जहाज में कहीं भी कीलों का इस्तेमाल नहीं हुआ है। जहाज में न तो इंजन है और न ही जीपीएस। इसमें चौकोर सूती पाल और पैडल लगे हैं। यह पूरी तरह हवा के सहारे, कपड़े के पाल (सढ़) से चलता है। इस प्रोजेक्ट की कल्पना संजीव सान्याल ने की थी। स्वदेशी रूप से बने इस जहाज के पालों पर गंडभेरुंड और सूर्य के प्रतीक हैं। आगे की ओर सिंह याली की आकृति उकेरी गई है, जबकि डेक पर हड़प्पा शैली का प्रतीकात्मक पत्थर का लंगर लगाया गया है।
- कमांडर विकास शेओरान इस अभियान के कप्तान थे, जबकि कमांडर वाई हेमंत कुमार अभियान के प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। हेमंत कुमार परियोजना की अवधारणा से ही इससे जुड़े हुए हैं। दल में चार अधिकारी और 13 नौसैनिक शामिल थे। मस्कट के सुल्तान काबूस बंदरगाह पहुंचने पर कौंडिन्य को वाटर सैल्यूट (जल सलामी) दिया गया। इस पर कोई कमरा नहीं है। क्रू मेंबर्स स्लीपिंग बैग में सोते थे। वहां बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी। अन्य जहाजों को चेतावनी देने के लिए क्रू के पास सिर्फ हेडलैंप्स थे, जो अपने सिर पर लगाकर रखते थे। क्रू मेंबर्स ने 18 दिन खिचड़ी और अचार खाकर बिताए।

- प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM) के सदस्य संजीव सान्याल ने ही INSV कौंडिन्य मिशन का वैचारिक आधार तैयार किया और इस प्रस्ताव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखा। एक प्रखर इतिहासकार होने के नाते सान्याल ने भारत की समुद्री चेतना को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका मानना था कि भारत को अपनी प्राचीन समुद्री शक्ति को पहचानते हुए उसे आधुनिक संदर्भों में पुनः स्थापित करना चाहिए। उन्होंने इस मिशन को केवल एक नौसैनिक यात्रा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और रणनीतिक वापसी के रूप में परिभाषित किया।
- 'कौंडिन्य' नाम का चयन भी संजीव सान्याल की गहरी ऐतिहासिक समझ का परिणाम है। उन्होंने इस मिशन को प्रधानमंत्री के नारी शक्ति विजन से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। नौसेना और सरकार के बीच सेतु बनते हुए, उन्होंने दो महिला अधिकारियों द्वारा विश्व परिक्रमा के कठिन लक्ष्य को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनाया। उनके मार्गदर्शन में यह मिशन भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा, जिसने वैश्विक मंच पर भारत की आधुनिक सोच और क्षमता को दर्शाया।
- यह यात्रा केवल सैन्य अभ्यास नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुल है। सदियों पहले भारतीय नाविक मसाले, वस्त्र और संस्कृति लेकर अरब देशों तक जाते थे। आज INSV कौंडिन्य उन्हीं समुद्री मार्गों पर शांति, मित्रता और महिला सशक्तिकरण का संदेश लेकर आगे बढ़ा है। यह मिशन दर्शाता है कि भारत अपनी पुरानी मित्रताओं को नए युग में और अधिक सशक्त बनाना चाहता है।
- INSV कौंडिन्य पूरी तरह स्वदेशी नौका है, जिसे भारत में ही डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह 'मेक इन इंडिया' की सफलता का प्रमाण है। इसकी मजबूती और संतुलन इसे दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्गों-जैसे रोरिंग फोर्टीज को पार करने में सक्षम बनाते हैं और आत्मनिर्भर भारत का संदेश देते हैं।
- इस मिशन के लिए महिला अधिकारियों का चयन एक लंबी और कठोर प्रक्रिया के बाद किया गया। लेफ्टिनेंट कमांडर वर्तिका जोशी के पहले सफल अभियान के अनुभवों के आधार पर इस बार दो नई महिला अधिकारियों को मानसिक और शारीरिक रूप से विशेष प्रशिक्षण दिया गया। महीनों तक उन्हें तूफानों, तकनीकी चुनौतियों और समुद्र के एकाकीपन से जूझने के लिए कमांडो स्तर की ट्रेनिंग दी गई।

### सामने आएंगी समुद्री परंपराएं

यह पोत भारत के पुराने समुद्री रास्तों को फिर से जिंदा करेगा। यह जहाज हिंद महासागर की दुनिया से भारत के हजारों साल पुराने रिश्तों को दिखाएगा। इस यात्रा से भारत की पुरानी पोत बनाने की कला और समुद्री परंपराएं फिर से सामने आएंगी।

### ऐसे हुआ जहाज का नामकरण

जहाज का नाम पहली सदी के प्रसिद्ध भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है, उन्होंने प्राचीन काल में भारत से दक्षिण पूर्व एशिया तक की यात्रा की थी। यह जहाज भारत की समुद्री खोज, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपरा का प्रतीक माना जा रहा है।

- यात्रा के दौरान महिला अधिकारी समुद्र की सेहत, प्रदूषण और समुद्री जीवों से संबंधित डेटा भी एकत्र कर रही हैं, जो जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। इस प्रकार यह मिशन साहस, विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण का एक सशक्त संगम बन गया है। समुद्र की लहरें कभी स्थिर नहीं रहतीं। इस यात्रा में INSV कौंडिन्य को कई बार 20-30 फीट ऊंची लहरों और तेज तूफानी हवाओं का सामना करना पड़ा। बिना इंजन, केवल हवा के सहारे आगे बढ़ना एक असाधारण कौशल की मांग करता है। महिला अधिकारियों का धैर्य और आत्मविश्वास यह सिद्ध करता है कि कठोर प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प से हर चुनौती पर विजय पाई जा सकती है।

*-रोहित टंडन (लेखक रक्षा मामलों में रुचि रखते हैं।)*

## जॉब का पहला दिन

# पहली बार ऑफिस पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

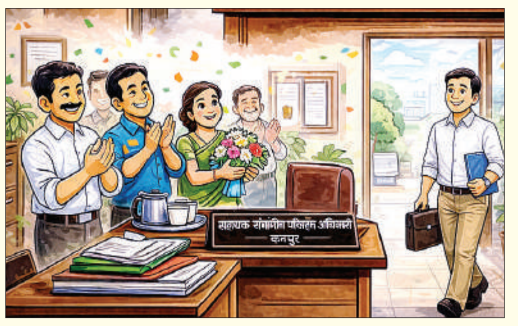

आलोक कुमार सिंह
एआरटीओ कानपुर

मैं स्वभाव से सरल हूं और अपने कार्यों के प्रति पूरी गंभीरता रखता हूं। वर्तमान में मैं कानपुर में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) के पद पर कार्यरत हूं। जब मैं पहली बार परिवार कल्याण विभाग में जिला प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सहारनपुर पहुंचा, तो स्नेहपूर्ण और भव्य स्वागत मेरे लिए उत्साहवर्धक था, लेकिन मेरा लक्ष्य केवल प्रशंसा पाना नहीं था। मेरी दृष्टि हमेशा आगे बढ़ने और ऊंचाइयों को छूने पर केंद्रित रही है। मेरी इस यात्रा में मेरे पिता ओ.पी. सिंह का आशीर्वाद और उनके द्वारा दिए गए संस्कार मेरी सबसे बड़ी पूंजी रहे हैं। उन्होंने मुझे अनुशासन, परिश्रम और ईमानदारी का महत्व सिखाया। इन्हीं मूल्यों के कारण मैंने प्रतिदिन 8 से 9 घंटे अध्ययन कर पीसीएस परीक्षा की तैयारी की। निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर वर्ष 2013 में मुझे पीसीएस में सफलता प्राप्त हुई। मेरी पहली नियुक्ति मुजफ्फरनगर में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) के रूप में हुई। उस समय लोगों की शुभकामनाएं और बधाइयां मुझे नई जिम्मेदारियों के लिए और अधिक प्रेरित करती रहीं। इसके बाद मुझे लखनऊ, बिजनौर और लखीमपुर खीरी जैसे जिलों में सेवा करने का अवसर मिला, जहां मैंने प्रशासनिक अनुभव को और गहराई से समझा।

वर्तमान में कानपुर में कार्य करते हुए मेरा प्रयास रहता है कि जनता की समस्याओं का समाधान ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसके लिए मन लगाकर परिश्रम किया जाए, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। मेरा जीवन अनुभव आज के युवाओं के लिए यही संदेश है कि सफलता का मार्ग अनुशासन, संघर्ष और आत्मविश्वास से होकर ही गुजरता है।

# जेन-जी में कैंची धाम की बढ़ती प्रसिद्धि

नैनीताल स्थित बाबा नीम करौली के कैंची धाम की प्रसिद्धि में पिछले कुछ वर्षों में काफी वृद्धि हुई है। श्रद्धालुओं के जत्थे पर जत्थे यहां सिर नवाते हुए देखे जा सकते हैं। छुट्टियों में इतनी अधिक भीड़ हो जाती है कि नैनीताल जाने वाली सड़क पर मीलों लंबा जाम लग जाता है। सड़क के दो, कैंची जैसे तीखे मोड़ों पर स्थित होने के कारण इसका नाम कैंची धाम पड़ा। पर्यटन विभाग के सहयोग से कराए गए एक अध्ययन में पाया गया कि इस धाम में बाबा नीम करौली और उनके द्वारा स्थापित हनुमान जी के मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं में अधिकांशतः 15 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के युवा हैं। यह कुल आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का लगभग 67 प्रतिशत है।

कैंची धाम पहुंचने वाली पीढ़ी व पीढ़ी है, जिसे हम जेन-जी के नाम से जानते हैं। रील्स के माध्यम स्वयं को व्यक्त करने वाली, सोशल मीडिया पर अपने छोटे से छोटे अधिकार के लिए आवाज उठाने वाली, तेजी से डिजिटल एक्सपर्ट होने वाली यह पीढ़ी एकाएक इतनी आध्यात्मिक और आस्थावान कैसे हो गई, यह भी शोध का विषय हो सकता है। क्या यह पीढ़ी किसी आध्यात्मिक शांति की तलाश में है? या फिर नीम करौली बाबा में उनकी आस्था को सचमुच में आधार मिला है? या फिर वे किसी चमत्कार की आस में वहां जा रहे हैं?

ट्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका

गौरतलब है कि यह स्थान एप्पल व फेसबुक के संस्थापकों जैसी प्रसिद्ध हस्तियों की यात्राओं के कारण यह स्थान, जिसके बारे में पहले कम ही लोग जानते थे, अब अचानक चर्चित हो गया। कहा जाता है कि एप्पल कंपनी के संस्थापक, स्टीव जॉब्स, 1974 में नीम करोली बाबा से मिलने भारत आए थे। बाबा के निधन के बाद भी वे कुछ दिन आश्रम में रुके थे, जिससे उन्हें आध्यात्मिक प्रेरणा मिली और यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा। उनके आशीर्वाद के कारण ही वे एक सफल बिजनेसमैन बन सके। इसी प्रकार यह भी कहा जाता है कि फेसबुक के संस्थापक, मार्क जुकरबर्ग, स्टीव जॉब्स की सलाह पर, फेसबुक के शुरुआती मुश्किल दौर में कैंची धाम आए थे। इस यात्रा से उन्हें नई दिशा मिली और यह उनके जीवन में एक परिवर्तनकारी घटना थी। उसके बाद उनकी सफलता के हम सब साक्षी है।

अब प्रश्न यह उठता है कि क्या युवा वर्ग में कैंची धाम के प्रति बढ़ता क्रेज वास्तव में बाबा में उनकी श्रद्धा का परिणाम है या फिर वैश्विक स्तर के उनके दो आदर्शों ने उनके मन में यह प्रेरणा भरी है? युवा वर्ग के हृदय में अध्यात्म ने वास्तव में घर कर लिया है या इस लालच ने कि उनके धनी और सफल आदर्शों की तरह ही बाबा के दर्शनों से उनके जीवन में रातोंरात चमत्कार हो जाएगा और वे भी सितारे बन जाएंगे? अनुसरण उसी का किया जाता है, जिसकी तरह हम बनना चाहते हैं। वास्तव में अनुसरण तो बाबा नीम करौली द्वारा दी गई शिक्षाओं का होना चाहिए था। वे सेवा, त्याग, धर्म, तप के जीती जागती मिसाल थे। ऐसा प्रतीत होता है कि बाबा के द्वार पर सिर नवाकर युवा पीढ़ी यह आशीर्वाद चाहती है कि यू ट्यूब, इंस्टाग्राम पर हमारे मिलियंस फॉलोअर्स हो जाएं, लाखों में हमारी इनसे आय होने लगे, हमारी प्रसिद्धि विश्व के कोने-कोने तक पहुंच जाए। इन्हें संत नहीं, मन की मुराद पूरी करने वाला सांता चाहिए।

## सक्सेस स्टोरी

# हाना अल रस्तमानी अरेबिया वुमन 2025

मुस्लिम समुदायों में, खासकर कुछ परंपरागत या ग्रामीण क्षेत्रों में, लड़कियों की शिक्षा पर अक्सर कम जोर दिया जाता है, जो एक सामाजिक चुनौती बनी हुई है, लेकिन हाना अल रस्तमानी जैसी महिलाएं इस धारणा को तोड़ने वाली मिसालें हैं, जो न केवल अपनी शिक्षा और मेहनत से ऊंचाइयों पर पहुंचीं, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन गईं। हाना अल रस्तमानी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एक प्रमुख व्यवसायिक नेता हैं, जो फर्स्ट अबू धाबी बैंक (एफएबी) की ग्रुप चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) के रूप में जानी जाती हैं। फरवरी 2021 से इस पद पर आसीन, वे यूएई की सबसे बड़ी बैंक, जिसकी संपत्ति 2025 तक 365 बिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है, की पहली महिला सीईओ हैं। फोर्ब्स मिडिल ईस्ट ने उन्हें 2025 में टॉप 100 सीईओ की सूची में 10 वें स्थान पर रखा और 100 सबसे प्रभावशाली व्यवसायिक महिलाओं में शामिल किया। 25 वर्षों से अधिक के अनुभव वाली हाना ने बैंकिंग में इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा दिया है, जो यूएई की आर्थिक प्रगति का प्रतीक बनी हुई हैं।

रूफिया खान
शिक्षिका

### प्रारंभिक जीवन और पारिवारिक पृष्ठभूमि

हाना अल रस्तमानी का जन्म यूएई में एक प्रमुख व्यवसायिक परिवार में हुआ था, जो रस्तमानी वंश से जुड़ा है। वे एडब्ल्यू रस्तमानी ग्रुप की बोर्ड सदस्य हैं, जो 1954 में अबू धाबी के अल रस्तमानी भाइयों, अब्दुल्लाह और अब्दुल वहिद, द्वारा स्थापित एक प्रमुख कॉन्गलोमरेट है। यह ग्रुप ऑटोमोटिव, रियल एस्टेट, फाइनेंस और अन्य क्षेत्रों में सक्रिय है और यूएई की आर्थिक नींव का हिस्सा माना जाता है। हालांकि उनके निजी पारिवारिक जीवन के बारे में सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन उनकी पारिवारिक विरासत ने उन्हें व्यवसायिक मूल्यों और नेतृत्व की समझ प्रदान की। अबू धाबी में पली-बढ़ी हाना ने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण और सांस्कृतिक मूल्यों को महत्व दिया, जो उनकी नेतृत्व शैली में झलकता है।

### शिक्षा

हाना अल रस्तमानी ने अपनी शिक्षा अमेरिका में पूरी की, जहां उन्होंने जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) और इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) की डिग्री प्राप्त की। यह शिक्षा ने उन्हें वित्तीय प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स और रणनीतिक निर्णय लेने के कौशल प्रदान किए, जो बाद में उनकी डिजिटल बैंकिंग और इनोवेशन-केंद्रित करियर में सहायक सिद्ध हुई, उनकी शिक्षा ने उन्हें वैश्विक दृष्टिकोण दिया, जो यूएई जैसे उभरते बाजार में महत्वपूर्ण है।

**करियर की यात्रा-** हाना अल रस्तमानी के पास बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और कॉर्पोरेट लीडरशिप में 25 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उनकी यात्रा पारिवारिक व्यवसाय से शुरू होकर वैश्विक स्तर की संस्थाओं तक फैली हुई है। उनके प्रारंभिक करियर की बात करें, तो उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत 1990 में एडब्ल्यू रस्तमानी ग्रुप से की, जहां विभिन्न वित्तीय भूमिकाओं में कार्य किया। इसके बाद, वे सिटी बैंक में शामिल हुईं, जहां उन्होंने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को संभाला। फिर, फर्स्ट गल्फ बैंक में विभिन्न वरिष्ठ पदों पर रहीं, जहां उन्होंने पर्सनल बैंकिंग और कंज्यूमर फाइनेंस को मजबूत किया। 2000 में फर्स्ट अबू धाबी बैंक (तब नेशनल बैंक ऑफ अबू धाबी का हिस्सा) ज्वाइन करने के बाद, हाना ने तेजी से प्रगति की। 2017 में एफएबी के गठन (नेशनल बैंक ऑफ अबू धाबी और फर्स्ट गल्फ बैंक के विलय से) के बाद, उन्होंने पर्सनल बैंकिंग ग्रुप हेड का पद संभाला। इस भूमिका में, उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा दिया और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को विकसित किया। 2020 तक, वे डिप्टी ग्रुप सीईओ बनीं, जहां उन्होंने पर्सनल बैंकिंग के साथ-साथ समग्र रणनीति का नेतृत्व किया। फरवरी 2021 में ग्रुप सीईओ बनने के बाद, उन्होंने बैंक को सस्टेनेबल फाइनेंस और एआई-ड्रिवन इनोवेशन की ओर निर्देशित किया। उनकी यात्रा में अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियां शामिल हैं, जैसे एफएबी प्राइवेट बैंक स्विस की चेयरपर्सन और मास्टरकार्ड एडवाइजरी बोर्ड में सदस्यता।

### प्रमुख इनिशिएटिव्स

सस्टेनेबिलिटी – 2030 तक 136 बिलियन डॉलर के सस्टेनेबल फाइनेंस लक्ष्य का 53 प्रतिशत 2024 तक हासिल। 2025 में 4 बिलियन डॉलर के ग्रीन बॉन्ड्स और सुकूक जारी। वे नेट-जीरो बैंकिंग एलायंस की प्रिंसिपल्स ग्रुप की चेयर हैं और पूर्व में यूएन एसडीजी क्लीन एनर्जी काउंसिल की चेयर।

**डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन –** अप्रैल 2024 में माइक्रोसॉफ्ट के साथ एआई इनोवेशन हब लॉन्च। 2025 में बोर्ड एआई ऑब्जर्वर, वॉयस कॉन्सियरेज और प्लानिंग टूल्स जैसे एआई उपकरण पेश। अप्रैल 2025 में आईएचसी, एडीक्यू के साथ यूएई दिरहम-बैक्ड स्टेबलकॉइन परियोजना।

**ग्लोबल एक्सपैंशन –** दिसंबर 2025 में अमुंदी के साथ एमओयू, जो एसेट मैनेजमेंट को मजबूत करेगा। एसएमई फाइनेंसिंग में 245 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग।

**सोशल इम्पैक्ट–** महिलाओं के सशक्तिकरण और एसएमई को प्रोत्साहन, जो यूएई की विजन 2031 के अनुरूप है।

**उनका विजन –** बैंकिंग को अधिक समावेशी, सस्टेनेबल और तकनीकी रूप से उन्नत बनाना, जो मिडिल ईस्ट की अर्थव्यवस्था को गति दे।

### उपलब्धियां और पुरस्कार

हाना अल रस्तमानी की उपलब्धियां, उन्हें मिडिल ईस्ट की शीर्ष महिलाओं में शुमार करती हैं। कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं–

- **2021 –** यूएई की प्रमुख बैंक की पहली महिला सीईओ।
- **2024 –** फोर्ब्स पावर वुमन लिस्ट में सम्मिलित।
- **2025 –** फोर्ब्स मिडिल ईस्ट 100 मोस्ट पावरफुल बिजनेसवुमन।
- **2025 –** फोर्ब्स मिडिल ईस्ट टॉप 100 सीईओ में 10 वें नंबर पर।
- **2025 –** जीसीसी की 26 सबसे प्रभावशाली फाइनेंस महिलाओं में शामिल।
- **2025–** फोर्ब्स मिडिल ईस्ट सस्टेनेबिलिटी लीडर्स।
- **2025 –** बाजार अरेबिया वुमन ऑफ द ईयर।

**अन्य –** ग्लोबल काउंसिल ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की चेयर, बोर्ड मेंबर, बूना (अरब मॉनेटरी फंड), इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट, यूएस-यूएई बिजनेस काउंसिल।

उनके नेतृत्व में एफएबी ने 2024 के पहले नौ महीनों में 3 .5 बिलियन डॉलर शुद्ध लाभ दर्ज किया।

## बरेली मंडी

**वनस्पति तेल तिलहन :** तुलसी 2565, राज श्री 1870, फ़ॉर्चून कि. 2365, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2085, जय जवान 2065, सचिन 2060, सूरज 2065, अवसर 1900, उजाला 1985, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

**किराना :** हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 15000-17800, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

**चावल (प्रति कु.) :** डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050, लाडली 4000

**दाल दलहन :** मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10300, अरहर कोरी छोटी 11200

**चीनी :** पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

## हल्द्वानी मंडी

**चावल :** शरबती- 3200, मसूरी- 800, बासमती- 5000, परमल- 1200

**दाल दलहन :** काला चना- 2100, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4400, राजमा- 8000-11200, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 2900, मसूर दाल- 2200, उड़द साबुत- 3700, काबुली चना- 7500, अरहर दाल- 10000, लोबिया/करमानी- 1200

# काकीनाडा प्रोजेक्ट से भारत बनेगा ऊर्जा निर्यातक

## जर्मनी, जापान और सिंगापुर जैसे वैश्विक बाजारों में आपूर्ति करने वाले देशों में शामिल होगा भारत

**अमरावती, एजेसी**

आंध्र प्रदेश के बंदरगाह शहर काकीनाडा में 10 अरब डॉलर की लागत वाली हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया परियोजना एक महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है। इसके पहले प्रमुख उपकरण के स्थापना समारोह के साथ ही भारत जर्मनी, जापान और सिंगापुर जैसे वैश्विक बाजारों में हरित ऊर्जा की आपूर्ति करने वाले देशों की सूची में शामिल होने की ओर अग्रसर है।

राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि ''एएम ग्रीन'' के हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया परिसर के उपकरण स्थापना समारोह में 17 जनवरी को मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री कोनिडाला पवन कल्याण शामिल होंगे। 10 अरब डॉलर के निवेश वाली परियोजना भारत में सबसे बड़े स्वच्छ ऊर्जा निवेशों में से एक है। इसके निर्माण चरण के दौरान 8,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इसके परिचालन से नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक और बंदरगाह सेवाओं जैसे क्षेत्रों में उच्च-कुशल रोजगार के अवसर मिलेंगे। एएम ग्रीन अमोनिया-यूरिया इकाई को परिवर्तित कर भारत का पहला और दुनिया का सबसे बड़ा हरित अमोनिया परिसर विकसित कर रहा है। इसकी नियोजित क्षमता 15 लाख टन प्रति वर्ष है। यह परियोजना चरणों में शुरू होगी।

पहले चरण में 2027 तक पांच लाख टन, दूसरे चरण में 2028 तक 10 लाख टन और तीसरे चरण में 2030 तक पूरी क्षमता (15 लाख टन) हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। चालू होने के बाद, यह इकाई भारत से हरित अमोनिया के पहले निर्यात को सक्षम बनाएगी। इसका उपयोग दुनिया भर में स्वच्छ पोत परिवहन ईंधन, बिजली उत्पादन और हरित हाइड्रोजन के वाहक के रूप में किया जाता है। इस एकीकृत परियोजना में 7.5 गीगावाट सौर एवं पवन ऊर्जा क्षमता और 1,950 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता शामिल है। इसके अलावा, पंप हाइड्रो स्टोरेज के माध्यम से चौबीसों घंटे दो गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिसमें आंध्र प्रदेश के पिन्नापुरम में स्थित देश की पहली ऐसी सुविधा भी शामिल है।

- 10 अरब डॉलर वाली हरित हाइड्रोजन और अमोनिया परियोजना महत्वपूर्ण चरण में

### एएम ग्रीन का जर्मनी से दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता, जापान तथा सिंगापुर भी संपर्क में

एएम ग्रीन ने जर्मनी की कंपनी यूनिपर के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और वह जापान तथा सिंगापुर के खरीदारों के साथ भी संपर्क में है। यह यूरोप और उन्नत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के पहले हरित ऊर्जा निर्यात संपर्क को दर्शाता है। यह परियोजना आंध्र प्रदेश की एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, 2024 के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य राज्य को हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया के मुख्य केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस इकाई के चालू होने के बाद भारत से हरित ऊर्जा का पहला निर्यात संभव हो सकेगा। यह ऊर्जा आयात पर निर्भरता खत्म कर स्वच्छ ऊर्जा निर्यात की दिशा में एक बड़े बदलाव का प्रतीक होगा और इससे आंध्र प्रदेश वैश्विक हरित ऊर्जा मूल्य श्रृंखला के केंद्र में आ जाएगा। ग्रीनको ग्रुप के संस्थापकों द्वारा समर्थित एएम ग्रीन अमोनिया दरअसल एएम ग्रीन, मलेशिया की जेंटारी, सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के बीच एक साझेदारी है।

# डाक से भेजने वाले माल पर 15 से निर्यात प्रोत्साहन योजना लागू : सीबीआईसी

**नई दिल्ली, एजेंसी**

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने शुक्रवार को कहा कि आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं अब डाक से भेजे जाने वाले माल पर भी लागू होंगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इन प्रोत्साहनों से एमएसएमई निर्यातकों विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है और डाक निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा।

सीबीआईसी ने ड्यूटी ड्रॉबैक, निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं करों की छूट (आरओडीटीईपी) और राज्य एवं केंद्रीय करों तथा शुल्क की छूट (आरओएससीटीएल) योजनाओं के तहत निर्यात से संबंधित लाभों को 15 जनवरी 2026 से डाक के जरिये इलेक्ट्रॉनिक रूप में किए गए निर्यातों तक विस्तारित कर दिया है। ड्यूटी ड्रॉबैक निर्यात को बढ़ावा देने वाली एक महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता है। इसके तहत निर्यात किए गए माल के निर्माण या उत्पादन में उपयोग किए गए कच्चे माल पर चुकाए गए सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क (या उनके समकक्ष कर) का पूरा या आंशिक रिफंड निर्यातक को दिया जाता है।

ईवाई इंडिया के कर साझेदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि डाक मार्ग के लिए आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल के लाभों का विस्तार करके, सरकार ने दूरस्थ क्षेत्रों में एमएसएमई के लिए एक लंबे समय से चली आ रही अनुपालन बाधा को दूर कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस उपाय का उद्देश्य डाक माध्यमों का उपयोग करने वाले निर्यातकों के लिए समान अवसर प्रदान करना एवं सीमा पार ई-कॉमर्स के विकास के लिए एक अनुकूल तथा समावेशी परिवेश बनाना है।

- योजनाओं से निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होने की उम्मीद

### डाक निर्यात विनियम 2022 में संशोधन की मंजूरी

सीबीआईसी ने इन लाभों को क्रियान्वित करने के लिए डाक निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक घोषणा और प्रसंस्करण) विनियम, 2022 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इससे निर्यातकों को डाक मार्ग से निर्यात किए गए माल के लिए ड्यूटी ड्रॉबैक, आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल लाभों का दावा करने में सक्षम बनाया जा सके। भारत में वर्तमान में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-7 के तहत अधिसूचित 28 विदेशी डाकघर (एफपीओ) हैं।

### सीमा पार व्यापार की मजबूती के लिए किए कई उपाय

सीबीआईसी ने डाक और कूरियर माध्यमों से सीमा पार व्यापार को मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं। डाक निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक घोषणा एवं प्रसंस्करण) विनियम, 2022 डाक निर्यात के लिए निर्यात घोषणाओं के संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक प्रसंस्करण को सक्षम बनाते हैं। डाक आयात विनियम, 2025 को डाक आयात की इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अधिसूचित किया गया था। डाक निर्यात के लिए आईजीएसटी रिफंड का स्वचालन सितंबर 2024 में लागू किया गया था।

# 8 ई-कॉमर्स मंचों पर वॉकी-टॉकी बिक्री को लेकर 44 लाख जुर्माना

**नई दिल्ली, एजेंसी**

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स मंचों पर वॉकी-टॉकी की बिना अनुमति और नियमों के विपरीत बिक्री के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए आठ कंपनियों पर कुल 44 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इन कंपनियों पर यह कार्रवाई उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और दूरसंचार नियमों के उल्लंघन को लेकर की गई है।

सीसीपीए ने 13 ई-कॉमर्स कंपनियों- चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो, मीशो, मास्कमैन टॉयज, ट्रेडइंडिया, अंतरिक्ष टेक्नोलॉजीज, वरदानमार्ट, इंडियामार्ट, मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, कृष्णा मार्ट और अमेजन को नोटिस जारी किए थे। जांच में कई ई-कॉमर्स मंचों पर 16,970 से अधिक गैर-अनुपालन उत्पाद सूचीबद्ध मिले। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि मीशो, मेटा प्लेटफॉर्म्स, फ्लिपकार्ट और अमेजन पर 10-10 लाख का जुर्माना लगाया गया है जबकि चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो और मास्कमैन टॉयज पर एक-एक लाख का जुर्माना लगा है। इनमें से मीशो, मेटा, चिमिया, जियोमार्ट और टॉक प्रो ने जुर्माने की राशि जमा कर दी है।

सीसीपीए के मुताबिक, कई मंच ऐसे पर्सनल मोबाइल रेडियो (पीएमआर) की बिक्री की सुविधा दे रहे थे जो लाइसेंस-मुक्त 446.0-446.2 मेगाहर्ट्ज बैंड से बाहर संचालित होते हैं और जिनके लिए अनिवार्य इक्विपमेंट टाइप अप्रूवल (ईटीए) यानी लाइसेंस की जानकारी नहीं दी गई थी। नियमों के तहत इन उपकरणों के आयात, बिक्री या उपयोग से पहले ईटीए लेना अनिवार्य होता है।

- सीसीपीए ने बिना अनुमति और नियमों के विपरीत बिक्री के मामले में स्वत: संज्ञान पर की कार्रवाई

# आगामी बजट में एमएसएमई निर्यात के लिए ऋण बढ़ाए सरकार : डेलॉयट

**नई दिल्ली, एजेंसी**

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में व्यापारिक स्थिरता बढ़ाने एवं बाहरी कमजोरियों को कम करने के लिए निर्यात ऋण तथा रियायती वित्तपोषण के माध्यम से छोटे उद्यमों को समर्थन देने के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज के लिए वित्तपोषण जैसे उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। वित्तीय परामर्श एवं सलाहकार कंपनी डेलॉयट इंडिया ने यह बात कही।

डेलॉयट ने बजट को लेकर अपनी आकांक्षाओं पर कहा कि भारत के निर्यात में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) का 46 प्रतिशत हिस्सा है और कृषि के बाद ये दूसरे सबसे बड़े नियोक्ता हैं। वित्तीय एवं अनुपालन संबंधी दबावों को कम करने से इन उद्यमों को वैश्विक अस्थिरता से निपटने, उत्पादन बनाए रखने और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी। एमएसएमई को मजबूत करने से रोजगार सुरक्षित होंगे और समावेशी आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी, ग्रामीण आय में वृद्धि होगी तथा भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की महत्वाकांक्षा को समर्थन मिलेगा। डेलॉयट ने एमएसएमई की प्रतिस्पर्धा को बेहतर बनाने और सरलीकृत डिजिटल प्रक्रियाओं के माध्यम से अनुपालन बोझ को कम करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण का सुझाव दिया। इसने यह भी सुझाव दिया कि शुल्क के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों (तैयार वस्त्र, रत्न, आभूषण, चमड़ा) को लक्षित निर्यात प्रोत्साहन या बढ़ी हुई शुल्क छूट प्रदान की जाए।

- छोटे उद्यमों को समर्थन देने के साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को वित्तपोषण पर करें विचार

### निर्यातकों के लिए बढ़ सकती है अनिश्चितता

डेलॉयट की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि बढ़ते वैश्विक संरक्षणवाद एवं तदर्थ उपायों से भारतीय निर्यातकों के लिए अनिश्चितता बढ़ जाती है। वैश्विक व्यापारिक टकरावों का जीडीपी की वृद्धि पर प्रत्यक्ष प्रभाव 0.40 से 0.80% तक सीमित हो सकता है लेकिन एमएसएमई और रोजगार पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित और वैकल्पिक ऊर्जा आपूर्ति तक पहुंच के उद्देश्य से डेलॉयट ने विदेशी अधिग्रहण एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को वित्तपोषित करने को समर्पित महत्वपूर्ण खनिज कोष के आवंटन का सुझाव दिया।

## राष्ट्रीय

# न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका खारिज

## संसदीय पैनल की वैधता को दी थी चुनौती, उच्चतम न्यायालय ने सुनाया फैसला

**नई दिल्ली, एजेंसी**

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के उन्हें पद से हटाने की मांग वाले प्रस्ताव को स्वीकार करने के फैसले और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहे संसदीय पैनल की वैधता को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एससी शर्मा की पीठ ने वर्मा की याचिका पर 8 जनवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था और आज फैसला सुनाया।

इससे पहले आठ जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि यदि उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में राष्ट्रपति के कार्यों का निर्वहन कर सकते हैं, तो राज्यसभा के उपसभापति, सभापति की अनुपस्थिति में उनके कार्यों का निर्वहन क्यों नहीं कर सकते? ये टिप्पणियां पीठ ने कीं और न्यायमूर्ति वर्मा के इस तर्क से असहमत होने से इन्कार कर दिया कि राज्यसभा के उपसभापति के पास किसी प्रस्ताव को अस्वीकार करने का अधिकार नहीं है और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम 1968 के तहत, केवल अध्यक्ष और सभापति के पास ही किसी न्यायाधीश के खिलाफ प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है।

### उम्मीद वक्फ पोर्टल वाली याचिका पर सुनवाई से इन्कार

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार के उम्मीद पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों के आरोप वाली याचिका पर सुनवाई से इन्कार कर दिया है। एक याचिकाकर्ता ने वक्फ सम्पति की जानकारी अपलोड करने के लिए इस्तेमाल होने वाले उम्मीद पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों का आरोप लगाया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की छूट दी। पीठ ने कहा कि हमें इस रिट याचिका पर सुनवाई का कोई आधार नहीं दिखता। पीठ ने शुरुआत में कहा कि याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय के बजाय सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया।

### फोन टैपिंग में अधिकारी को क्या टूट जाने तक जेल में रखेगी राज्य सरकार

उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना के विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर राव की ओर से फोन टैपिंग मामले में दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से पूछा कि क्या उसकी मंशा सेवानिवृत्त अधिकारी को तब तक जेल में रखने की है, जब तक कि वह टूट न जाएं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने सुनवाई के शुरुआत में ही भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी को दी गई अंतरिम जमानत के आदेश को स्थायी करने का संकेत दिया।

### मुकुल रॉय को अयोग्य विधायक घोषित करने के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय को भाजपा छोड़कर टीएमसी में शामिल होने के बाद बंगाल विधानसभा के विधायक के रूप में अयोग्य घोषित किया गया था। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने हाईकोर्ट के 13 नवंबर 2025 के आदेश पर रोक लगा दी। दलबदल विरोधी कानून का सहारा लेते हुए हाईकोर्ट ने पहली बार दलबदल विरोधी कानून के तहत किसी निर्वाचित सदस्य को अयोग्य घोषित करने के लिए अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया था।

### अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार का किया जा रहा दुरुपयोग

उच्चतम न्यायालय ने बंबई हाईकोर्ट में एक याचिका लंबित होने के बावजूद अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता से शुक्रवार को नाराजगी जताई। अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर शीर्ष अदालत से संवैधानिक उपचार का अनुरोध करने का अधिकार देता है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालयों में स्थगन जैसे मामलों को लेकर भी अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाएं दायर कर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। अनुच्छेद 32 के तहत दायर मामलों की संख्या बढ़ रही है। हर छोटी बात पर, एक स्थगन पर भी, अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर कर दी जाती है। खासकर दिल्ली के आसपास के लोग अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाएं दायर कर रहे हैं। यह क्या है? यह दुरुपयोग है।

### बीआरएस विधायकों की अयोग्यता : तेलंगाना विस अध्यक्ष से दो सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष से सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं के निपटारे की स्थिति के बारे में दो सप्ताह में जानकारी देने को कहा। न्यायमूर्ति संजय करोल और एजी मसीह की पीठ ने अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं के निपटारे के लिए उठाए कदमों को दर्शाते हुए स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। अध्यक्ष ने कार्यवाही समाप्त करने के लिए आठ सप्ताह का समय मांगा था।

### तलाकनामा की प्रति मांगने संबंधी याचिका पर अभिनेत्री करिश्मा कपूर से जवाब तलब

उच्चतम न्यायालय ने प्रिया सचदेव कपूर की याचिका पर अभिनेत्री करिश्मा कपूर से जवाब मांगा। याचिका में, प्रिया ने दिवंगत पति संजय कपूर और अभिनेत्री के बीच 2016 में हुए तलाक की प्रमाणित प्रति मांगी है। यह घटनाक्रम इसलिए मायने रखता है, क्योंकि संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेवा कपूर दिल्ली हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। पिछले साल सितंबर में, करिश्मा की दो संतान ने संजय कपूर की संपत्ति में हिस्सा पाने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की और उनकी 21 मार्च 2025 की वसीयत को चुनौती दी।

# सीआईसी ने पत्रों के मामले में सहकारी रजिस्ट्रार को फटकारा

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने कहा कि सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार (सीआरसीएस) के इस दावे में कोई दम नहीं दिखता कि सहारा जमाकर्ता द्वारा भेजे पत्रों का कार्यालय के स्थानांतरण से पता नहीं लग पा रहा है। इसने इस संबंध में की गई कार्रवाई के बारे में प्राधिकार को चार सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

यह मामला सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी केवल कृष्ण गुप्ता द्वारा दायर आरटीआई आवेदन से संबंधित है, जिसमें उन्होंने सीआरसीएस को भेजे गए कई पत्रों और आदेशों पर की गई कार्रवाई का विवरण मांगा था। इसमें कांगड़ा स्थित जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा पारित आदेश भी शामिल हैं, जिसके तहत सहकारी समिति सहारा में जमा राशि उन्हें वापस करने को कहा गया था। अपने जवाब में, सीआरसीएस ने कहा कि आपके आवेदन में उल्लिखित पत्र सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार के कार्यालय में नहीं मिल रहे हैं क्योंकि कार्यालय को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली स्थित एक नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है।

- आयोग ने प्राधिकार को चार सप्ताह में रिपोर्ट देने का दिया आदेश

# निर्वाचन आयोग पर गुमराह करने के राहुल गांधी के आरोप पर भाजपा ने कसा तंज

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए आरोप लगाया कि महाराष्ट्र निकाय चुनाव की मतगणना जारी रहने के दौरान चुनाव प्रक्रिया को बदनाम करके वह लोगों को गुमराह कर रहे हैं। यह प्रतिक्रिया गांधी के इस बयान पर आई है कि वोट चोरी एक राष्ट्र विरोधी कृत्य है और निर्वाचन आयोग नागरिकों को गुमराह कर रहा है।

राहुल ने महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव में मार्कर पेन में इस्तेमाल होने वाली पक्की स्याही की गुणवत्ता पर विवाद के बीच यह बयान दिया। बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर कहा कि बहाना ब्रिगेड की वापसी! गिनती खत्म होने से पहले हार स्वीकार रहे हैं? उन्होंने कहा कि राहुल वही कर रहे हैं जिसमें वह सबसे अच्छे हैं- बदनाम करना, तोड़-मरोड़कर पेश करना और गलत जानकारी देना। पूनावाला ने कहा कि बिहार चुनाव पर राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों का क्या नतीजा निकला। भाजपा के एक और राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि हर मौसम में परिवारवादी जांच से बचने के लिए कोई न कोई आरोप लगाते हैं, जो अदालत और जनता की अदालत में बेकार साबित होते हैं। भंडारी ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान से समर्थन पाने वाली देश विरोधी पार्टी, बीएमसी चुनावों में हार सुनिश्चित देखते हुए बलि का बकरा ढूंढ रही है। भाजपा ने कई मौकों पर गांधी के वोट चोरी के आरोपों को बेबुनियाद और अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश बताया है। भाजपा ने राहुल गांधी और विपक्षी इंडिया गठबंधन के दूसरे नेताओं से पूछा है कि उन्होंने बिहार चुनाव के नतीजों को न्यायालय में या दूसरे मंचों पर चुनौती क्यों नहीं दी।

- राहुल के पक्की स्याही की गुणवत्ता पर विवाद के बीच दिए बयान पर वाकयुद्ध

# भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला बोलने वाले प्रताड़ित : ममता

**कोलकाता, एजेंसी**

प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में प्रवासी मजदूरों को बांग्ला बोलने के कारण प्रताड़ित किया जा रहा है। प्रशासनिक कार्यक्रमों में जाने के लिए उत्तरी बंगाल रवाना हुईं बनर्जी ने कहा कि भाजपा राज्य में दंगे भड़काने की साजिश रच रही है, क्योंकि उसे एहसास है कि वह 2026 का विस चुनाव नहीं जीत पाएगी।

प. बंगाल के बाहर प्रवासी श्रमिकों पर हुए हमलों के विरोध में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय का गुस्सा जायज है। यह प्रदर्शन प्रवासी श्रमिकों के खिलाफ हिंसा की बार-बार होने वाली घटनाओं से हुआ। पुलिस ने बताया कि मुर्शिदाबाद के लोगों ने अन्य राज्यों में जिले के प्रवासी श्रमिकों पर कथित हमलों के विरोध में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को अवरुद्ध कर दिया और टायर जलाए, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जिले से संबंधित प्रवासी अन्य राज्यों में बांग्ला बोलने के कारण अत्याचार का सामना कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि काम की तलाश में झारखंड गए मुर्शिदाबाद के एक निवासी की मौत की खबर फैलने के बाद बेलडांगा में प्रदर्शन हुआ। मुख्यमंत्री ने बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और दावा किया कि इस कवायद से संबंधित चिंता के कारण 100 लोगों की जान चली गई है। एसआईआर विवाद के बीच बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से कहा कि अपने पद की गरिमा और निष्पक्षता की रक्षा करें, तभी लोग आपका सम्मान करेंगे।

- प्रवासी श्रमिकों पर हो रहे हमलों के विरोध में मुर्शिदाबाद में लोगों ने किया प्रदर्शन

# ईडी ने गृह मंत्रालय और कार्मिक विभाग को पक्षकार बनाने का किया अनुरोध

### आई-पैक छापेमारी

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असामान्य कदम उठाते हुए उच्चतम न्यायालय में अर्जी दाखिल कर अपनी उस याचिका में केंद्रीय गृह मंत्रालय और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को भी पक्षकार बनाने का अनुरोध किया है, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोयला घोटाले की जांच के क्रम में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के खिलाफ एजेंसी की छापेमारी में दखल देने व बाधा डालने का आरोप लगाया गया है।

ईडी ने अपनी अर्जी में प्रस्तावित प्रतिवादियों सात, आठ और नौ को वर्तमान आपराधिक रिट याचिका में प्रतिवादी के रूप में शामिल करने का अनुरोध किया है। उसने दलील दी कि ऐसा न करने पर एजेंसी को अपूरणीय हानि और नुकसान का सामना करना पड़ेगा। ईडी यह अर्जी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि एजेंसी उन रिपोर्ट की प्रामाणिकता की जांच कर रही है, जिनमें कहा गया है कि आई-पैक के कार्यालय पर छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती भी ममता के साथ वहां पहुंची थीं। अर्जी के मुताबिक, डीओपीटी और गृह मंत्रालय अपने-अपने सचिव से प्रतिवादी संख्या सात और आठ हैं, जबकि पश्चिम बंगाल राज्य अपने मुख्य सचिव के माध्यम से प्रतिवादी संख्या नौ है।

### आईआरसीटीसी घोटाला

# राबड़ी की याचिका पर सीबीआई से मांगा जवाब

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा दायर उस याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा, जिसमें आईआरसीटीसी घोटाले के मामले में आरोप तय किए जाने को चुनौती दी गई है।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने उनकी याचिका पर नोटिस जारी किया और सुनवाई के लिए 19 जनवरी की तारीख तय की, जिस दिन उनके पति और बेटे तेजस्वी यादव की इसी तरह की याचिकाएं भी सूचीबद्ध हैं। निचली अदालत ने 13 अक्टूबर 2025 को धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के आरोपों में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी प्रसाद यादव और 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय किए। राबड़ी देवी ने कहा कि निचली अदालत ने कथित साजिश में पहले ही मान लिया की उनकी भूमिका है।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### जापान तट के पास से अमेरिकी लड़ाकू विमान रडार से गायब

**जापान।** जापान के उत्तरी तट के पास अमेरिकी वायुसेना का एक एफ-35ए लड़ाकू विमान रडार से गायब हो गया। फ्लाइट रडार24 सेवा के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब विमान ने आपातकालीन संकेत (डिस्ट्रेस सिग्नल) भेजा था। फ्लाइट रडार 24 के आंकड़ों के मुताबिक, लॉकहीड मार्टिन का एफ-35ए लाइटनिंग-दो, लड़ाकू विमान जापान सागर के उत्तरी हिस्से से उड़ान भरकर आओमोरी शहर के दक्षिण में ज़मीनी हिस्से के ऊपर से पूर्व दिशा में गया और फिर उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ गया। भारतीय समयानुसार लगभग 03 :09 जीएमटी पर यह विमान रडार से ओझल हो गया। उड़ान संबंधी जानकारी में यह भी सामने आया है कि विमान ने उड़ान के दौरान 7700 स्क्वॉक कोड प्रसारित किया था, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपात स्थिति का संकेत माना जाता है।

### ऑस्ट्रेलिया : राजधानी में चार पाइप बम मिले

**कैनबरा।** ऑस्ट्रेलिया राजधानी क्षेत्र (एसीटी) पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बेलकोनेन इलाके में चार और पाइप बम मिले हैं, जबकि इस हफ्ते की शुरुआत में 11 बम पहले ही मिल चुके थे। जासूसी विभाग के कार्यवाहक निरीक्षक अन्ना व्रोन्स्की ने गुरुवार को कहा कि 11 उपकरण मिले हैं और कुछ को पहले ही निष्क्रिय कर दिया गया है। इस नई जानकारी के बाद कुल बरामद बमों की संख्या 15 हो गई है। एसीटी की पुलिस ने बुधवार को जनता के लिए एक सामुदायिक चेतावनी जारी की, जिसमें कहा गया कि मध्य कैनबरा से 10 किलो मीटर उत्तर-पश्चिम में बेलकोनेन के उपनगर में पाइप बम मिले हैं। पुलिस जांच अभी भी जारी है।

### उट्रेच में विस्फोट से लगी आग, चार घायल

**द हेग।** डच शहर उट्रेच में गुरुवार दोपहर एक विस्फोट के बाद आग लगने की घटना में चार लोग घायल हो गए। उट्रेच की मेयर शैरन डाइकस्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विस्फोट में घायल दो लोगों का इलाज मौके पर ही एंबुलेंस कर्मियों द्वारा किया गया, मामूली चोटों वाले एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जबकि चौथा व्यक्ति एक राहगीर है, जिसे घायल होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं है और किसी के लापता होने की सूचना नहीं है। उट्रेच सेफ्टी रीजन ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

# ऑस्ट्रेलिया में नाबालिगों के 47 लाख सोशल खाते बंद

सिडनी, एजेंसी

- न्यूनतम आयु सीमा कानून लागू होने का दिखा असर

ऑस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम आयु सीमा कानून लागू होने के बाद प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों ने दिसंबर के पहले पखवाड़े में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लगभग 47 लाख खातों तक पहुंच बंद कर दी। ऑस्ट्रेलिया में ऑनलाइन सुरक्षा की निगरानी करने वाली नियामक संस्था ई सेफ्टी के प्रारंभिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

ई-सेफ्टी ने कहा है कि अब उसका ध्यान तैयारी से हटकर निगरानी और प्रवर्तन पर केंद्रित हो गया है, खासकर उन प्लेटफॉर्मों पर जिन्हें आयु-प्रतिबंधित माना जाता है और जिन पर 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों का उपयोग अधिक होता है। ई-सेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने कहा, "मैं इन प्रारंभिक परिणामों से बहुत खुश हूं।" उन्होंने आगे कहा कि शुरुआती संकेत बताते हैं कि प्लेटफॉर्म 16 साल से कम उम्र के बच्चों को अकाउंट बनाने से रोकने के लिए सार्थक कदम उठा रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि कुछ नाबालिगों के अकाउंट अभी भी सक्रिय हैं, लेकिन उन्होंने आगाह किया कि यह तय करना अभी जल्दबाजी होगी कि प्लेटफॉर्म पूरी तरह से नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं।

# आसमानी बिजली

## पर्यावरण-समाज पर अलग प्रभाव

सदियों से आसमानी बिजली लोगों का ध्यान खींचती रही है। यह मिथक, धर्म और लोकप्रिय संस्कृति में बसी हुई है। नॉर्स मिथक में थोर और हिंदू धर्म में इंद्र की बात करें या ऑस्ट्रेलिया में फर्स्ट नेशन्स की चट्टानी कला में दिखाई गई सृजन संबंधी पुरातन कथाओं को देखें, आसमानी बिजली का जिक्र जरूर मिलता है। बिजली के कई प्रकार हैं और यह समाज और पर्यावरण दोनों पर अलग-अलग तरह से असर डालती है। जब बादलों में विद्युत आवेश का निर्माण होता है तब बिजली उत्पन्न होती है। यह कुछ हद तक वैसा ही है जैसे जब आप अपने बालों को कंघी करते हैं या ट्रैम्पोलिन पर कूदते हैं तो बाल खड़े हो जाते हैं, लेकिन बादलों में विद्युत आवेश के निर्माण की प्रक्रिया बहुत अधिक तीव्र होती है। बादलों में यह आवेश तब बनता है जब ठोस और तरल जलकण टकराते हैं, जो गर्म हवा ऊपर उठने और ठंडी हवा नीचे गिरने के कारण होता है।

## दो मुख्य प्रकार...

- **इंट्रा-क्लाउड (बादल के भीतर) :** यह बिजली बादल के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में जाती है, लेकिन जमीन तक नहीं पहुँचती। इसे देखने पर बादल झिलमिलाता हुआ दिखाई देता है।
- **क्लाउड-टू-ग्राउंड (बादल से जमीन तक) :** यह तब होता है जब बादल और जमीन के बीच विद्युत आवेश का अंतर बहुत अधिक होता है। यह मानव सुरक्षा के लिए खतरनाक हो सकती है और हर साल कई मौतों का कारण बनती है। इसे हम कहते हैं कि बिजली गिर गई।

## गर्म होती दुनिया में बिजली

- गर्म हवा अधिक जल वाष्प रख सकती है, जिससे अधिक तीव्र तूफान और बिजली आ सकती है। यदि भविष्य में आसमानी बिजली कड़कने की आवृत्ति बढ़ती है तो यह वातावरण में ओज़ोन पैदा कर सकती है, जो गर्मी और वायु प्रदूषण बढ़ाने में योगदान देती है। हालांकि, बिजली ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण नहीं है। अगली बार जब आप तूफ़ान में बिजली का करिश्मा देख रहे हों तो सोचें कि यह कितने अलग रूप ले सकती है। यह न केवल हमारे ग्रह का चमत्कार है, बल्कि अन्य ग्रहों पर भी इसकी मौजूदगी है। जब आवेश अत्यधिक बढ़ जाता है, तो बिजली हवा के माध्यम से प्रवाहित होती है, जिसे हम चमक के रूप में देखते हैं। चमक और गरज के बीच का समय देखकर बिजली की दूरी का अनुमान लगाया जा सकता है। वैसे, बिजली सिर्फ़ पृथ्वी पर ही नहीं पाई जाती, वैज्ञानिकों ने हाल ही में मंगल ग्रह पर भी इसे देखा है।

## दुर्लभ प्रकार ...

सुनने में भले ही अजीब लगे लेकिन बिजली के दुर्लभ प्रकार भी होते हैं।

- **पायरोजेनिक बिजली :** यह कभी-कभी बड़े जंगल की आग के दौरान धुएं में उत्पन्न होती है और नई आग जला सकती है।
- **ट्रांजिएंट ल्यूमिनस इवेंट्स :** इनमें स्प्राइट्स, ब्लू जेट्स, ईएलवीईएस और पीआईएक्सआईईएस शामिल हैं। स्प्राइट्स लाल झील जैसी दिखती हैं, ब्लू जेट्स नीली किरणें हैं जो ऊपर की ओर जाती हैं, ईएलवीईएस लाल पुंज के रूप में दिखते हैं और पीआईएक्सआईईएस बिजली के नीले रंग की चमक के छोटे फ्लैश हैं।
- **बॉल लाइटनिंग :** कई लोगों ने इसे देखने का दावा किया है, लेकिन इसे वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं किया गया है।

# रूस ने की ईरान में दखलंदाजी व बल प्रयोग की धमकियों की निंदा

## सुरक्षा परिषद की बैठक में दी चेतावनी-अमेरिका अपने बढ़ते कदमों को रोके

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

रूस ने ईरान के खिलाफ बाहरी दखल, हिंसा भड़काने और बल प्रयोग की धमकियों के सभी रूपों की निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में रूस राजदूत वसीली नेबेंजिया ने गुरुवार को कहा कि उनका देश ईरान के खिलाफ बाहरी दखल, हिंसा भड़काने और बल प्रयोग की धमकियों के सभी रूपों की निंदा करता है। उन्होंने ईरान की स्थिति पर सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका से अपने बढ़ते कदमों को रोकने का आग्रह किया और कहा कि हाल के दिनों में अमेरिकी नेतृत्व की बेहद खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी इतनी आगे बढ़ गई है कि वह खुले तौर पर ईरान के सरकारी संस्थानों पर कब्जा और प्रदर्शनकारियों की मदद करने की धमकी दे रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसे बयान एक संप्रभु राष्ट्र की संवैधानिक व्यवस्था को हिंसक रूप से उखाड़ फेंकने के लिए उकसाने के अलावा और कुछ नहीं हैं। नेबेंजिया ने कहा कि ईरान में जो हो रहा है, वह रंग क्रांति के लिए आजमाए हुए तरीकों के इस्तेमाल का एक और उदाहरण है, जिसमें विशेष रूप से उकसाने वाले शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को बेमतलब की हिंसा में बदल देते हैं। जैसा कि हमने पहले ही कई देशों में बार-बार देखा है, ये सभी कार्रवाई या तो बाहरी ताकतों द्वारा निर्देशित या समर्थित हैं जो शासन परिवर्तन में रुचि रखते हैं। रूसी राजदूत ने कहा कि अमेरिका और उसके समर्थक आम ईरानियों को होने वाली आर्थिक और सामाजिक मुश्किलों का फायदा उठा रहे हैं जो पश्चिमी देशों द्वारा ईरान पर लगाए गए गैर-कानूनी प्रतिबंधों के कारण हुई हैं। इनका मकसद लोगों में तनाव उत्पन्न करना और देश की राजनीतिक स्थिति को अस्थिर करना है। सबसे चिंता की बात अमेरिका का ईरान के खिलाफ सैन्य बल प्रयोग की धमकी है।

### पुतिन ने नेतन्याहू, पेजेशक्यान से की फोन पर बात

**मॉस्को।** रूस के राष्ट्रपति राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया की स्थिति एवं ईरान से जुड़े घटनाक्रमों पर चर्चा की। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की ओर से जारी बयान के अनुसार पुतिन ने पश्चिम एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक और राजनयिक प्रयासों को तेज करने के पक्ष में रूस के रुख को दोहराया। पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशक्यान से भी टेलीफोन पर बात की। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि पुतिन क्षेत्र में तनाव को कम करने के उद्देश्य से प्रयास जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव अभी भी चरम पर है, क्योंकि ट्रंप ईरान पर हमले के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

### ट्रंप से ईरान पर हमले टालने का किया आग्रह

**वाशिंगटन।** अमेरिका के कई पश्चिम एशियाई सहयोगियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन से प्रदर्शनकारियों पर ईरान सरकार की घातक कार्रवाई को लेकर उसके खिलाफ हमलों की योजना टालने का आग्रह किया है। अरब के एक राजनयिक ने अपना नाम गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि मिस्र, ओमान, सऊदी अरब और कतर के शीर्ष अधिकारियों ने पिछले 48 घंटे में चिंता जताई है कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला देगा तथा पहले से ही अस्थिर क्षेत्र को और अस्थिर कर देगा। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरान के मामले में ट्रंप के लिए सभी विकल्प खुले हैं। कहा कि सच्चाई यह है कि केवल राष्ट्रपति ट्रंप ही जानते हैं कि वह क्या करने जा रहे हैं।

# संरा प्रमुख ने की वैश्विक कानून के उल्लंघन की निंदा

**संयुक्त राष्ट्र।** संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कुछ देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून का खुलेआम उल्लंघन किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए जोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर कोई ऐसा मेन्यू (व्यंजन सूची) नहीं है, जिसमें से अपनी पसंद का नियम चुना जा सके। गुतारेस ने कहा कि जब नेता अपनी सुविधा के हिसाब से यह चुनते हैं कि किस नियम को मानना है और किसे नहीं तो वे दुनिया की व्यवस्था को कमजोर करते हैं और एक बेहद खतरनाक मिसाल कायम करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रूप में अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर रहे गुतारेस ने गुरुवार को 193 सदस्यीय महासभा में कहा कि वह 2026 के हर दिन को सार्थक बनाएंगे और वह बेहतर दुनिया के लिए काम करने, लड़ने एवं प्रयास जारी रखने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध तथा दृढ़ संकल्पित हैं। वेनेजुएला में हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण तथा अन्य भू-राजनीतिक चुनौतियों की पृष्ठभूमि में गुतारेस ने कहा कि दुनिया संघर्ष, असमानता और अनिश्चितता से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी दुनिया जो आत्मघाती भू-राजनीतिक विभाजनों... अंतर्राष्ट्रीय कानून के धड़ल्ले से उल्लंघनों, विकास एवं मानवीय सहायता में कटौती से ग्रस्त है।

# आत्मनिर्णय के अधिकार का दुरुपयोग न किए जाए

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- पाकिस्तान के विभाजनकारी एजेंडे पर संरा में बोला भारत

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद इस विश्व निकाय के मंचों का अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दुरुपयोग करने पर इस्लामाबाद से कड़ी नाराजगी जताई। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर एल्डोस मैथ्यू पुन्नूज ने गुरुवार को कहा कि आत्मनिर्णय के अधिकार का दुरुपयोग लोकतांत्रिक देशों में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब सदस्य देशों को संकीर्ण विचारों से ऊपर उठना चाहिए, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के सभी मंचों और प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्ण सत्र में संगठन के कार्य पर महासचिव की रिपोर्ट पर पुन्नूज ने कहा कि यह मंच भी इसका अपवाद नहीं है और पाकिस्तान ने भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग जम्मू कश्मीर का अनुचित उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्णय का अधिकार संयुक्त राष्ट्र चार्टर में निहित एक मौलिक सिद्धांत है। हालांकि, इस अधिकार का दुरुपयोग लोकतांत्रिक देशों में अलगाववाद के प्रोत्साहन के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

### कश्मीर मुद्दा उठाने पर बिफरा भारत

भारत की कड़ी प्रतिक्रिया संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद द्वारा महासभा में अपने वक्तव्य में जम्मू कश्मीर का संदर्भ दिए जाने के बाद आई। पाकिस्तान बार-बार संयुक्त राष्ट्र और उसके विभिन्न मंचों पर जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन इस मामले में उसे व्यापक अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से कोई खास समर्थन नहीं मिला है। अपने वक्तव्य में पुन्नूज ने यह भी कहा कि ग्लोबल साउथ को विकास वित्तपोषण, जलवायु न्याय और वित्त समेत कई क्षेत्रों में विशिष्ट विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

# निपाह वायरस को लेकर झारखंड में राज्य सरकार ने जारी किया अलर्ट

रांची, एजेंसी

झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के दो मामलों की पुष्टि के मद्देनजर एक परामर्श जारी करते हुए सभी जिलों के सिविल सर्जन को सतर्कता बढ़ाने और निगरानी तेज करने के निर्देश दिए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि झारखंड में अब तक निपाह का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है लेकिन प्रभावित क्षेत्रों से लोगों की आवाजाही संभावित खतरा पैदा कर सकती है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार ने कहा, रोग की अत्यधिक संक्रामक प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए विभाग ने निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। निपाह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों से मनुष्यों और जानवरों में फैलता है। इसका संक्रमण चमगादड़ों की लार या मूत्र से दूषित फलों या कच्चे खजूर के रस के सेवन से या संक्रमित व्यक्तियों और उनके शारीरिक द्रवों के निकट संपर्क से भी फैल सकता है।

- परामर्श जारी, जिलों में निगरानी बढ़ाने के दिए गए निर्देश

परामर्श में निपाह के लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, चक्कर आना, खांसी, सांस लेने में कठिनाई, गले में खराश, मानसिक स्थिति में बदलाव तथा दौरे और कोमा जैसी तंत्रिका संबंधी गंभीर जटिलताओं का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है, जिलों को निर्देश दिया जाता है कि वे निपाह प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले व्यक्तियों की विशेष रूप से जांच और निगरानी करें, ताकि किसी संभावित प्रकोप को रोका जा सके। संदिग्ध मामलों की एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम को तुरंत सूचना दी जाए।

# द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून को 5 साल कैद की सजा

**सियोल।** दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल कैद की सजा सुनाई। यह फैसला उनके द्वारा मार्शल लॉ लगाए जाने और अन्य आरोपों को लेकर उनके खिलाफ आठ आपराधिक मुकदमों में पहला निर्णय है। संबंधित आरोपों के कारण उन्हें पद से हटना पड़ा था। दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लागू किए जाने के बाद व्यापक विरोध भड़क उठा, जिसमें लोगों ने उनके इस्तीफे की मांग की। इसके बाद यून सुक योल पर महाभियोग लगाया गया, उन्हें राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया। उन पर लगे सबसे गंभीर आरोपों में मार्शल लॉ लागू किया जाना देश में विद्रोह करने के बराबर है।

# गाजा योजना के दूसरे चरण की हुई शुरुआत, ट्रंप ने बनाया शांति बोर्ड

वाशिंगटन, एजेंसी

- इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम के बाद की घोषणा

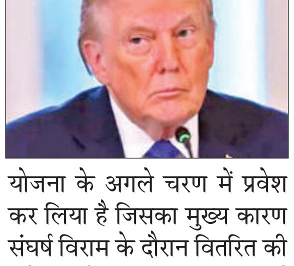

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा की निगरानी के लिए शांति बोर्ड के गठन की घोषणा की है। यह घोषणा इजराइल और हमास के बीच दो साल के संघर्ष के पश्चात हुए संघर्ष विराम के कुछ महीने बाद की गई है। गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपनी 20 सूत्री शांति योजना के दूसरे चरण के रूप में ट्रंप ने संघर्ष विराम से अपना ध्यान हटाकर विसैन्यीकरण, तकनीकी शासन एवं पुनर्निर्माण पर केंद्रित किया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका ने आधिकारिक रूप से गाजा शांति योजना के अगले चरण में प्रवेश कर लिया है जिसका मुख्य कारण संघर्ष विराम के दौरान वितरित की गई मानवीय सहायता का रिकॉर्ड स्तर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, संघर्ष विराम के बाद से लगातार मेरी टीम ने गाजा में रिकॉर्ड स्तर की मानवीय सहायता पहुंचाने में मदद की है जिससे ऐतिहासिक गति से बड़ी संख्या में नागरिकों तक सहायता पहुंची है। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र ने भी इसे अभूतपूर्व उपलब्धि बताया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, मुझे घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है कि शांति बोर्ड का गठन हो चुका है। बोर्ड के सदस्यों की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी लेकिन मैं विश्वासपूर्वक कह सकता हूं कि यह अब तक किसी भी समय, किसी भी स्थान पर गठित किया गया सबसे महान एवं प्रतिष्ठित बोर्ड है। ट्रंप ने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ का हवाला देते हुए घोषणा किया कि हमने आधिकारिक रूप से गाजा की 20 सूत्री शांति योजना के अगले चरण में प्रवेश कर लिया है।

# ब्रिटेन ने बांग्लादेश में प्रत्येक तरह की हिंसा की निंदा की

**लंदन।** ब्रिटेन सरकार ने बांग्लादेश में हर तरह की हिंसा की निंदा की और शांतिपूर्ण एवं विश्वसनीय चुनाव कराने की अपील की है। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की हत्याओं का मुद्दा ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में उठाये जाने पर ब्रिटेन सरकार ने यह बात कही।

विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने गुरुवार को संसद में लेबर पार्टी नीत सरकार से अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि (बांग्लादेश में) फरवरी में होने वाले चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 17 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 18 जनवरी 00 .03 तक तत्पश्चात अमावस्या ।

## आज का पंचांग

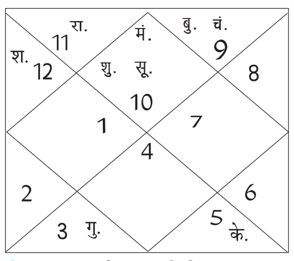


**दिशाशूल**- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
**चन्द्रबल**- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
**ताराबल**- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
**नक्षत्र**- मूल 08 .12 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

**मेष** – आज किसी प्रिय व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। व्यापार में आपको बड़े प्रोजेक्ट्स मिलने के योग बन रहे हैं। आपके परिवार में प्रेम और सामंजस्य अच्छा रहेगा। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को बड़ा पद मिल सकता है।

**वृष** – आज नव विवाहित आज काफी रोमान्टिक पल बितायेंगे। भाई-बहनों के साथ हँसी-मजाक का आनंद उठाएंगे। बच्चे माता-पिता की आज्ञा का पालन करेंगे। बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें। विद्यार्थी पढ़ाई में आप फोकस बनाए रखें।

**मिथुन** – आज घर और समाज के कार्यों में आपके योगदान की लोग काफी प्रशंसा करेंगे। बच्चों के प्रति आपका मोह बढ़ेगा। घर का वातावरण सुमधुर रहेगा। व्यक्तिगत कार्यों को लेकर बड़ा जोखिम न लें। विपरीत लिंग के लोग आपसे काफी आकर्षित हो सकते हैं।

**कर्क** – आज किसी प्रिय मित्र से परेशानी का अनुभव कर सकते हैं। यात्रा के दौरान असुविधा होने की संभावना रहेगी। भावनाओं के बजाय समझदारी से काम करना आपके लिए हितकर होगा। बातचीत के दौरान शब्दों की मर्यादा का ध्यान रखें।

**सिंह** – आज करियर को लेकर नए मार्ग खुल सकते हैं। उच्च अधिकारी आपकी उन्नति से काफी उत्साहित रहने वाले हैं। अपने से बड़ों की बातें ध्यान से सुनें। अफवाहों से बचने का प्रयास करें। सोशल मीडिया पर सावधानी पूर्वक व्यवहार करें।

**कन्या** – आज एकांत और शांति में समय बिताना आपको काफी पसंद होगा। नौकरीपेशा लोग जातक धन की आवक को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। निवेश के लिए समय अच्छा है। भविष्य को लेकर योजना बनाएंगे।

**तुला** – आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव रहेगा, जो आपके चेहरे पर भी दिखलाई देगा। अपने जीवनमूल्यों को लेकर काफी गौरव की अनुभूति कर सकते हैं। घर की सफाई के दौरान कोई पुरानी, लेकिन जरूरी वस्तु आपको मिल सकती है।

**वृश्चिक** – आज व्यापारी उधार में माल की बिक्री करने से बचें तो उत्तम होगा। अधिक लाभ की अपेक्षा आपको नहीं करनी चाहिए। अपने अधिकारों का गलत उपयोग करने के कारण अपमान झेलना पड़ सकता है।

**धनु** – आज आप नया कारोबार शुरू कर सकते हैं। किसी निकटस्थ व्यक्ति से शुभ समाचार मिलेगा। जटिल कार्यों को सरलता से पूर्ण कर लेंगे। समाज में आपको लोकप्रियता मिलेगी। प्रेमी जन के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे।

**मकर** – आज आर्थिक योजना बनाने के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। कारोबार में परंपरागत तरीकों का पालन करें। आपको सामाजिक नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। प्रशासन से जुड़े लोग अपनी जिम्मेदारियों को लेकर काफी निष्ठावान रहें।

**कुंभ** – आज आपका स्वास्थ्य बहुत ही अच्छा रहेगा। कुछ नजदीकी लोग ही आपको धोखा दे सकते हैं। इसीलिए लोगों की बातों पर अधिक ध्यान न दें। आपके भीतर आंतरिक ऊर्जा और उत्साह का संचार होगा। कार्यक्षेत्र में काफी तीव्रता के साथ काम करेंगे।

**मीन** – आज अति आत्मविश्वास के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। भाग्य का पूरा साथ नहीं मिलेगा। मन में कुंठा की भावना न पनपने दें। दूसरों के दोष दर्शन में अपना समय व्यर्थ न करें। नौकरी पेशा लोगों को सावधानी से काम करना चाहिए।

## सुडोकू -34

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | | 3 | | 9 | | | 6 | |
| | 7 | | 8 | | | | 5 | 1 |
| 4 | | | 6 | | | 3 | | |
| | 3 | | | 1 | | | 4 | |
| 1 | | 4 | | | 2 | | 3 | |
| | | | 3 | | | 1 | | 6 |
| 3 | | | | 5 | | | 1 | |
| 8 | | | 4 | | | | 7 | 3 |
| | | 5 | | | 8 | 6 | | |

### सुडोकू - 33 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 1 | 2 | 6 | 7 | 5 | 3 | 9 | 4 |
| 3 | 6 | 5 | 1 | 4 | 9 | 8 | 2 | 7 |
| 9 | 7 | 4 | 3 | 8 | 2 | 5 | 1 | 6 |
| 1 | 9 | 6 | 5 | 2 | 7 | 4 | 3 | 8 |
| 2 | 4 | 3 | 8 | 6 | 1 | 9 | 7 | 5 |
| 7 | 5 | 8 | 4 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 |
| 6 | 3 | 1 | 2 | 5 | 8 | 7 | 4 | 9 |
| 5 | 2 | 7 | 9 | 1 | 4 | 6 | 8 | 3 |
| 4 | 8 | 9 | 7 | 3 | 6 | 2 | 5 | 1 |

“पुरुषों को कोचिंग देने की तुलना में महिलाओं को कोचिंग देने में ज्यादा बातचीत की जरूरत होती है। मैं हर दिन ख़ुद को भी सिखा रहा हूं कि, सुनो अभिषेक, अपना मुंह खोलो, बात करो, और कभी-कभी आपको ऐसा करना पड़ता है।

–अभिषेक नायर, यूपी वॉरियर्ज के कोच

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार, 17 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

## पंजाब- विदर्भ के बीच विजय हजारे ट्रॉफी की होगी खिताबी जंग

**बेंगलुरु।** चेतन साकरिया (चार विकेट) के बाद विश्वराज जडेजा (नाबाद165 ), कप्तान हार्विक देसाई (64) और प्रेरक मांकड (नाबाद 52) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत सौराष्ट्र ने शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में पंजाब को 63 गेंदें शेष रहते नौ विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला विदर्भ से होगा। 292 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सौराष्ट्र के लिए कप्तान हार्विक देसाई और विश्वराज जडेजा की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम के जीत की नींव रखी। प्रेरक मांकड ने विश्वराज जडेजा के साथ 121 रनों की अविजित साझेदारी कर अपनी टीम 39 .3 ओवरों एक विकेट पर 293 रन बनाकर अपनी टीम को नौ विकेट से जीत दिला दी।

## फेडरर रॉड लेवर एरिना में लौटे, रूड के साथ अभ्यास किया

**मेलबर्न।** ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी उपस्थिति के छह साल बाद, रोजर फेडरर मेलबर्न के कोर्ट पर वापस आ गए हैं। स्विस दिग्गज शुक्रवार को 2020 के बाद पहली बार कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन के लिए रॉड लेवर एरिना लौटे। फेडरर, जिन्होंने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, अपने करियर में रूड का सामना सिर्फ एक बार किया था। उनकी एकमात्र लेक्सस हेड2हेड भिड़ंत 2019 में रौलां गैरो के चौथे राउंड में हुई थी, जब फेडरर ने नॉर्वेजियन खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। 44 साल के खिलाड़ी ने अपने 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से छह ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीते हैं। टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 102-15 है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में खेला था, जब वह सेमीफाइनल में आखिरकार चैंपियन बने नोवाक जोकोविच से हार गए थे।

## बाएज और मेनसिक में होगा खिताबी मुकाबला

**ऑकलैंड।** विश्व रैंकिंग में आठवें नंबर के खिलाड़ी और यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को एटीपी 250 टेनिस टूर्नामेंट ऑकलैंड ओपन के दो दिन तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में हार का सामना करना पड़ा। शेल्टन अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज से 7-5, 6-3 से हार गए, जो गैरवरीयता प्राप्त हैं और विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर हैं। गुरुवार रात को भारी बारिश के कारण यह मैच स्थगित करना पड़ा था। बाएज ने शुक्रवार को बाद में हुए सेमीफाइनल में अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी मार्कोस गिरोन को 6-1, 6-4 से हराया। बारिश के कारण खेल बाधित होने की वजह से तीन क्वार्टरफाइनल और दोनों सेमीफाइनल एक ही दिन खेले गए। फाइनल में बाएज का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त याकूब मेनसिक से होगा, जिन्होंने सेमीफाइनल में फैबियन मारोज़सन को 7-6 (9), 4-6, 6-1 से हराया। मारोज़सन ने पहले दौर में मौजूदा चैंपियन गेल मोनफिल्स और दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को हराया था।

# मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है : हेनिल

अंडर-19 विश्व कप

**बुलावायो, एजेंसी**

अमेरिका के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप के पहले मैच में पांच विकेट लेकर भारत की छह विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन की मैदान पर आक्रामकता से प्रेरणा मिलती है। पटेल ने गुरुवार को यहां खेले गए मैच में 16 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे पांच बार के चैंपियन भारत ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

यह पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप में किसी भारतीय गेंदबाज का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे बेहतर प्रदर्शन केवल कमल पासी (2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 23 रन देकर छह विकेट) और अनुकूल रॉय (2018 में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ 14 रन देकर पांच विकेट) ने किया है। पटेल ने आईसीसी डिजिटल से कहा मुझे डेल स्टेन की आक्रामकता बहुत पसंद है। उनकी गेंदबाजी इतनी अच्छी थी कि कोई भी बल्लेबाज उनके सामने खुलकर नहीं खेल पाता था। उनका सामना करना बहुत मुश्किल था। पटेल के पांच में से तीन विकेट अपने शुरुआती स्पेल में लिए। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने खुलासा किया कि गेंदबाजी की शुरुआत करते समय उनकी सफलता की कुंजी विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करना था। पटेल ने कहा मैं हमेशा बल्लेबाज को तीन से चार गेंदों के भीतर आउट करने के बारे में सोचता हूं। मेरा मकसद जल्दी विकेट लेना है। मैं इसी मानसिकता के साथ खेलता हूं और शांति से अपने काम को अंजाम देता हूं। मैं सकारात्मक मानसिकता के साथ अभ्यास करता हूं और मैच में भी यही प्रक्रिया अपनाता हूं। इस बीच भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को अमेरिका के खिलाफ मैच में कम विकेट खोकर जीत हासिल करनी चाहिए थी।

### बांग्लादेश के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत

**बुलावायो।** पहले मैच में आत्मविश्वास से भरी जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम शनिवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश की कड़ी चुनौती के बावजूद जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। पांच बार की चैंपियन भारत ने बारिश से प्रभावित मैच में अमेरिका को केवल 107 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने सात ओवरों में 16 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। उसके बल्लेबाज बांग्लादेश के खिलाफ क्रीज पर लंबा समय बिताने की उम्मीद करेंगे क्योंकि अमेरिका के खिलाफ उन्हें खेलने का पर्याप्त मौका नहीं मिला। बांग्लादेश को कमजोर नहीं आंका जा सकता है और उसकी टीम आयुष म्हात्रे के नेतृत्व वाली टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकती है।

## ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 8 विकेट से पीटा

**विंडहोक।** स्टीवन होगान (नाबाद 115) की शानदार शतकीय पारी और उनकी नितेश सैमुअल (नाबाद 77) के साथ दूसरे विकेट के लिए 186 रन की जबरदस्त साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पुरुष अंडर-19 विश्व कप के पांचवें मुकाबले में शुक्रवार को आयरलैंड को 62 गेंद शेष रहते आठ विकेट से पीट दिया। आयरलैंड ने रॉब ओ'ब्रायन (79 ) और फ्रेडी ओगिल्बी (49) की जुझारू पारियों के दम पर सात विकेट पर 235 रन का सम्मानजक स्कोर बनाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 39 .4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 237 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

# निर्णायक मुकाबले में भारत की निगाह होगी कुलदीप और स्पिन रणनीति पर

## न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होगा तीसरा व अंतिम एकदिवसीय मैच

**इंदौर, एजेंसी**

भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले तीसरे और निर्णायक एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए अपने गेंदबाजी संयोजन पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है, क्योंकि पहले दो मैचों में उसके स्पिन गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि उसके बल्लेबाजों को कीवी टीम के धीमी गति के गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए देखा गया।

राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने आसानी से जीत हासिल कर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली, जिसमें भारत की बीच के ओवरों की कमजोरियां उजागर हो गईं। इनमें सबसे अधिक संघर्ष कुलदीप यादव को करना पड़ा जो न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के सामने ना तो नियंत्रण बना सके और ना ही विकेट लेने का खतरा पैदा कर सके। इस मैच में शतक लगाने वाले डैरिल मिचेल ने उनकी गेंदों पर आसानी से रन बटोरे। कुलदीप की ''लेंथ और लाइन'' दोनों पर हमला किया गया, जिसमें विशेष रूप से मिचेल ने अपने पैरों का अच्छा इस्तेमाल करते हुए गेंद के टर्न को बेअसर किया और बीच के ओवरों में भारतीय रणनीति को नाकाम कर दिया। कीवी बल्लेबाजों ने उनकी गेंदों को बहुत प्रभावी ढंग से स्वीप किया। यह रणनीति उनके लिए टेस्ट मैचों में भी कारगर साबित हुई थी। भारत के स्पिनर बल्लेबाजों पर लगातार दबाव नहीं बना पाए। इसके विपरीत न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। इंदौर का मैदान अपनी छोटी बाउंड्री और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों के लिए जाना जाता है। इसलिए यहां विविधता के बजाय अनुशासित गेंदबाजी करना अधिक महत्व रखता है। भारत के गेंदबाजों विशेषकर कुलदीप को गेंद को अधिक सपाट रखना होगा, स्टंप्स पर आक्रमण करना होगा और मैदान के बड़े हिस्सों का पूरी चतुराई के साथ इस्तेमाल करना होगा।

कप्तान शुभमन गिल के साथ कुलदीप यादव। एजेंसी

### अर्शदीप सिंह पर असमंजस बरकरार

यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मौका दिया जाता है या नहीं। अगर अर्शदीप सिंह को टीम में दिया जाता है तो प्रसिद्ध कृष्णा को बाहर होना पड़ेगा लेकिन पिछले दो मैच में उनका प्रदर्शन खराब नहीं रहा है। प्रसिद्ध की गेंदबाजी की लेंथ उनके खिलाफ जा सकती है। उनकी स्वाभाविक लेंथ बैक ऑफ द लेंथ है, जिसका फायदा छोटे मैदानों पर उठाया जा सकता है, जबकि अर्शदीप अपनी फुल लेंथ गेंदबाजी से होलकर स्टेडियम में अधिक कारगर साबित हो सकते हैं। मोहम्मद सिराज निश्चित रूप से गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। जहां तक बल्लेबाजी का सवाल है तो भारत के मुख्य बल्लेबाजों में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर केंद्र में बने हुए हैं।

मैच के दौरान चर्चा करतीं ऋचा घोष व राधा यादव। एजेंसी

# आरसीबी ने गुजरात को दिया 183 रनों का लक्ष्य

महिला प्रीमियर लीग

- राधा यादव ने खेली शानदार अर्धशतकीय पारी

**नवी मुंबई, एजेंसी**

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने भारतीय क्रिकेटर राधा यादव (66 रन) के अर्धशतक और उनकी ऋचा घोष (44 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 105 रन की भागीदारी से शुक्रवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 20 ओवर में सात विकेट पर 182 रन बनाए।

राधा और ऋचा उस समय बल्लेबाजी करने आई जब टीम को मजबूत भागीदारी की दरकार थी। उन्होंने एक महत्वपूर्ण शतकीय साझेदारी करके टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। शुरू में जल्दी विकेट गंवाने से टीम का स्कोर चार विकेट पर 43 रन था जिसके बाद राधा ने 47 गेंद में 66 रन और ऋचा ने 28 गेंद में 44 रन बनाए। इन दोनों की भागीदारी से गुजरात जाएंट्स की गेंदबाज निराश हो गईं क्योंकि शुरू में वे प्रतिद्वंद्वी टीम को कम स्कोर पर रोकने की ओर बढ़ रही थीं। गुजरात जाएंट्स की युवा तेज गेंदबाज काशवी गौतम ने 42 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने विकेट का फायदा उठाकर आरसीबी की बल्लेबाजों को परेशान किया। उनके अलावा सोफी डिवाइन ने 31 रन देकर तीन विकेट झटके। काशवी ने सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस और दयालन हेमलता को जल्दी आउट किया। रेणुका सिंह ने अपने पहले महंगे ओवर में 23 रन देने के बाद आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना (05) को आउट किया जिससे छठे ओवर में आरसीबी का स्कोर चार विकेट पर 43 रन था। नादिन डि क्लर्क की 26 रन की तेज पारी ने आरसीबी को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

### महिलाओं की कोचिंग आसान नहीं रही : नायर

**नवी मुंबई।** डब्ल्यूपीएल के मौजूदा सीजन से पहले यूपी वॉरियर्ज के हेड कोच का पद संभालने वाले अभिषेक नायर ने स्वीकार किया कि उनके शुरुआती कुछ दिन आसान नहीं थे। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट में उन्हें उम्मीद से ज़्यादा “हैंड्स-ऑन” (सीधे तौर पर शामिल) रहने की जरूरत पड़ी है।

इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ शॉट लगाते भारत के लक्ष्य सेन। एजेंसी

# इंडिया ओपन में भारतीय चुनौती खत्म

- लक्ष्य सेन तीन गेमों तक खिंचे संघर्ष में परास्त

**नई दिल्ली, एजेंसी**

अल्मोड़ा के 24 वर्षीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन शुक्रवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 में पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लिन चुन यी को चुनौती देने के बाद हार गए, जिससे टूर्नामेंट में घरेलू चुनौती भी समाप्त हो गई।

लक्ष्य ने तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में कड़ी टक्कर दी लेकिन निर्णायक पलों में पीछे रह गए। उन्होंने आखिरी पलों में मिली बढ़त गंवा दी और दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी से 21-17 13-21 18-21 से हार गए। यह मुकाबला चुनौतीपूर्ण था जिसमें लंबी रैलियां और नेट पर तेज शॉट देखने को मिले। दोनों खिलाड़ियों ने थका देने वाले तीन गेम में एक-दूसरे के सयंम और सटीकता की परीक्षा ली।

लक्ष्य ने जोरदार शुरुआत करते हुए लिन को तेज रैलियों में उलझाया। शुरुआती दौर में स्कोर 4-4 से 7-7 तक बराबर रहा जिसके बाद लक्ष्य ब्रेक में आगे निकल गए। दो शानदार विनर ने लक्ष्य को 13-10 पर पहुंचा दिया और लिन की गलतियों की वजह से लगातार दबाव बनाकर उन्होंने इसे 16-11 तक बढ़ा लिया। 54 शॉट की एक रैली लिन के बाहर शॉट फेंकने के साथ खत्म हुई जिससे लक्ष्य को जल्द ही पांच गेम प्वाइंट मिले और उन्होंने तीसरे मौके पर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में परिस्थितियों ने शटल पर नियंत्रण करना मुश्किल बना दिया और लक्ष्य को अपनी लेंथ के साथ संघर्ष करना पड़ा जिससे ब्रेक में वह 11-5 से पीछे थे। एक तेज रिटर्न ने उन्हें अंतर को कम करने में मदद की।

# बांग्लादेश खिलाड़ी संघ के प्रमुख को मिल रही जान से मारने की धमकी

- मोहम्मद मिथुन ने कहा- ऐसा पहले कभी अनुभव नहीं किया

**ढाका, एजेंसी**

बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (सीडब्ल्यूएबी) के अध्यक्ष मोहम्मद मिथुन ने कहा है कि बोर्ड के एक आला अधिकारी द्वारा अपमानजनक बयानबाजी के बाद खिलाड़ियों का पक्ष लेने पर उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है।

मिथुन ने कहा कि वह चाहते हैं कि बांग्लादेशी टीम अगले महीने टी20 विश्व कप खेले लेकिन सुरक्षा चिंताओं के साथ नहीं। बांग्लादेश सुरक्षा कारणों से विश्व कप के अपने चार लीग मैच भारत की बजाय श्रीलंका में कराने की मांग कर रहा है ।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल इस्लाम ने कहा कि अगर आईसीसी उनके मैच अन्यत्र नहीं कराती है और टीम टूर्नामेंट से नाम वापिस लेती है तो उन्हें मुआवजा नहीं मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों ने ऐसा कुछ खास नहीं किया है जिससे उन्हें भुगतान मिलना चाहिए। मिथुन ने कहा मैने पहले ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया। मेरी जिंदगी में ऐसा पहली बार हो रहा है। मुझे याद भी नहीं कि कभी विवादास्पद चर्चा का हिस्सा रहा हूं। यह मेरे सिर के ऊपर जा रहा है कि मैने कब देश के खिलाफ कोई बयान दिया। उन्होंने कहा मुझे समझ में नहीं आ रहा कि इसे कैसे लूं या कैसे बयां करूं। मैने कभी ऐसा कोई शब्द नहीं बोला जो देश के खिलाफ हो। मैने सिर्फ क्रिकेट और क्रिकेटरों के पक्ष में बोला है। मिथुन ने कहा यहां कोई निजी मसला नहीं है। चूंकि मैं एक संगठन का अध्यक्ष हूं और अगर मैं खिलाड़ियों के अधिकारों के बारे में नहीं बोलूंगा तो पद पर रहने का क्या फायदा। देश से ऊपर कोई नहीं है। मिथुन ने कहा कि अभी तक उन्होंने बीसीबी को औपचारिक तौर पर धमकियों के बारे में बताया नहीं है लेकिन उन्हें पता चला है कि कुछ खिलाड़ियों को भी ऐसे संदेश मिले हैं। उन्होंने कहा मैने बोर्ड को अभी सूचना नहीं दी है।

### खिलाड़ियों ने बहिष्कार खत्म किया बीपीएल फिर शुरू

**ढाका।** बांग्लादेश के नाराज क्रिकेटरों ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों के कल्याण संघ के बीच सहमति बनने के बाद खेल के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए बहिष्कार खत्म कर दिया जिससे शुक्रवार से बीपीएल टी20 के मैच फिर से शुरु हो गए। बृहस्पतिवार को सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी निदेशक नजमुल इस्लाम की उनके खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में बगावत कर दी थी जिससे बोर्ड की शीर्ष टी20 लीग के ठप होने का खतरा पैदा हो गया था।

## विवाद सुलझाने को बांग्लादेश जाएंगे आईसीसी अधिकारी

**दुबई।** भारत में अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर गतिरोध को खत्म करने के लिये आईसीसी का दो सदस्यीय दल शनिवार को ढाका जाएगा। आईसीसी पहले ही संकेत दे चुकी है कि बांग्लादेश के मैच अन्यत्र आयोजित करा पाना संभव नहीं है। आईसीसी का दल सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश करेगा।

बांग्लादेश आईसीसी से लगातार अनुरोध कर रहा है कि सुरक्षा कारणों से कोलकाता और मुंबई में होने वाले उसके मैच भारत के बाहर आयोजित कराये जाएं। बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द किए जाने के बाद से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने यह मांग उठाई है। एक जानकार सूत्र ने बताया इस समय यही सूचना (आईसीसी अधिकारियों का ढाका दौरा) मिली है।

मुकाबला

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट आज से, भारतीय खिलाड़ियों की होगी कड़ी परीक्षा

# पहले मैच में डी गुकेश का सामना सिंदारोव से

**विज्क आन जी(नीदरलैंड्स), एजेंसी**

विश्व चैंपियन डी गुकेश 2025 की अपनी असफलताओं को पीछे छोड़कर शनिवार से यहां शुरू होने वाले टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में नई शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जहां पहले दौर में उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव से होगा।

यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट विश्व के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक है। इसकी शुरुआत 1938 से हुई थी और 2011 से इसका आयोजन टाटा स्टील के बैनर तले किया जा रहा है। भारतीय खिलाड़ियों को इस बार टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। गुकेश ने 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।
वह टाटा स्टील टूर्नामेंट में पिछली बार हमवतन आर प्रज्ञानानंदा से टाइब्रेक में हार कर दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार वह खिताब जीतने के लिए किसी भी तरह से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। मौजूदा चैंपियन प्रज्ञाननंदा एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने मार्च-अप्रैल में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा है। इस प्रतियोगिता के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी हैं, जो कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे, लेकिन 2025 के आखिर तक वह भारतीय खिलाड़ियों में रैंकिंग में शीर्ष पर बने रहे।

अर्जुन का लक्ष्य यहां अच्छा प्रदर्शन करके रैंकिंग में अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम हैं, जो अपने करियर के सबसे मुश्किल टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। प्रज्ञाननंदा पहले मैच में अर्जुन से भिड़ेंगे जबकि चिदंबरम का सामना जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम से होगा। भारतीय खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड के अनीश गिरी, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और जर्मनी के विन्सेंट कीमर जैसे खिलाड़ियों से कड़ी चुनौती मिलेगी। इस बार टूर्नामेंट में नई समय नियंत्रण प्रणाली लागू की गई है जिसके तहत खिलाड़ियों को 40 चालें चलने तक कोई अतिरिक्त समय नहीं मिलेगा।

### प्रज्ञानानंद-गुकेश में हुआ विश्व चैंपियनशिप का फाइनल तो मुकाबला चेन्नई में : आनंद

**जयपुर।** अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के उपाध्यक्ष और भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद का मानना है कि अगर आर प्रज्ञानानंद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर मौजूदा चैंपियन और हमवतन डी गुकेश को चुनौती देते हैं तो इस साल की विश्व चैंपियनशिप चेन्नई में हो सकती है। बीस वर्षीय प्रज्ञाननंदा उन आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो इस वर्ष मार्च-अप्रैल में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेलेंगे। इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में गुकेश का सामना करेगा। फैबियानो कारुआना, हिकारू नाकामुरा, अनीश गिरी, वेई यी, जावोखिर सिंदारोव, एंड्री एसेपेंको और मैथियास ब्लूबाउम अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। आनंद ने कहा जो भी खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जीतेगा वह विश्व चैंपियनशिप में कड़ी चुनौती पेश करेगा। मुझे लगता है कि अगर प्रज्ञानानंद क्वालीफाई करने में सफल रहता है तो यह मुकाबला दोनों भारतीय खिलाड़ियों के लिए भावनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण होगा।